नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

वार्षिक रिपोर्ट
2021–2022

जवाहर लाल नेहरु मार्ग
नई दिल्ली – 110002
दूरभाष – पूछताछ 23234270, कार्यालय 23239056
ईमेल – **ndtbc@yahoo.com, stdcdl@rntcp.org**
वेबसाइट **:www.ndtbc.com**

विषय सूची

वार्षिक रिपोर्ट

2021–2022

	पृ०सं०
अध्यक्षीय संदेश	3
निदेशक की कलम से	4
एनडीटीबी के इतिहास में महत्त्वपूर्ण घटनाएं	6
प्रबंधन समिति	8
वैज्ञानिक सलाहकार समिति	9
नैतिक समिति	10
वरिष्ठ कर्मचारीगण	11
हाल के वर्षो में एनडीटीबी केन्द्र में हुई उपलब्धियॉ	12
अनुसंधान एवं प्रकाशन	14
वैज्ञानिक कार्यक्रमों मे भागीदारी	19
बैठकें	30
प्रशिक्षण एवं पर्यवेक्षण अनुभाग	33
एनटीईपी की तिमाही रिपोर्टो का विश्लषण	51
नैदानिक अनुभाग	56
जनपादिक अनुभाग	60
जनस्वास्थ्य अनुभाग	61
माइक्रोबैक्टीरियल प्रयोगशाला	72
निरीक्षणात्मक कार्य	80
पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएं	82
प्राशासनिक अनुभाग	82
नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की गतिविधियों का सार	83
लेखा परीक्षक की रिपोर्ट	87

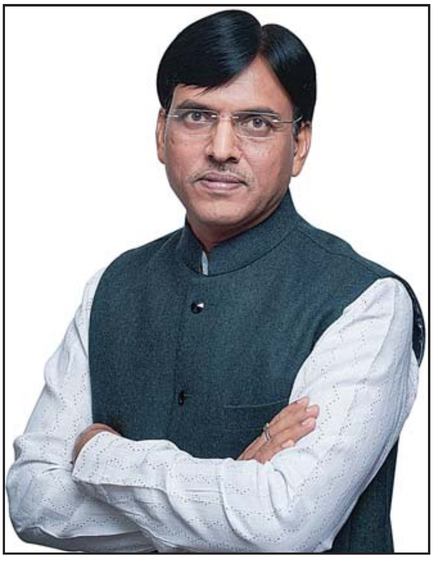

डॉ० मनसुख मंडाविया

DR. MANSUKH MANDAVIYA

माननीय केंद्रीय मंत्री

Hon'ble Union Minister

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

Ministry of Health & Family Welfare

डॉ. भारती प्रविण पवार

DR. BHARATI PRAVIN PAWAR

माननीय राज्य मंत्री

HON'BLE MINISTER OF STATE

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

Ministry of Health & Family Welfare

अध्यक्ष का संदेश

यह मेरे लिए बहुत गर्व और खुशी की बात है कि आज नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र (एनडीटीबी) एनटीईपी के अंतर्गत राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थानों में गौरवशाली स्थान रखता है। 1940 में अपने प्रादुर्भाव के समय से नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र ने क्षयरोग, श्वसन रोगों, अनुसंधान और प्रशिक्षण के क्षेत्र में विशिष्ट रहा है। यह सभी डीआर मामलों मे बेस लाइन डीएसटी की शुरूआत करने वाला पहला एसटीडीसी रहा है। इसके अतिरिक्त संस्थान में सीबीएनएएटी/एलपीएफर्स्ट लाइन, सेकंडलाइन/एमजीआईटी/जीन सीक्वेंसर की सुविधा भी है।

संस्थान ने कोविड–19 की वैश्विक महामारी के दौरान कोविड–19 के रोगियों के निदान में भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है। क्षयरोग नियंत्रण में संस्थान के सदस्यों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। केन्द्र के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मैं प्रशिक्षित संकाय और असाधारण सहायक स्टाफ का उनके सतत सहयोग के लिए आभार उनकी सराहना करता हूं और उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूं। भारत को ''टीबी मुक्त'' बनाने में नई ऊंचाईयां हासिल करने के लिए मेरा पूर्ण सहयोग और सहायता रहेगी।

भारत को टीबी मुक्त बनाने के प्रयासों में सफलता के लिए संस्थान को मेरी शुभकामनाएं ।

डा. अश्वनी खन्ना
अध्यक्ष

निदेशक की कलम से

नई दिल्ली क्षयरोग केंद्र ने टीबी नियंत्रण गतिविधियों के क्षेत्र में अपनी शानदार यात्रा के 82 वर्ष पूरे कर लिए हैं। केंद्र न केवल टीबी और श्वसन रोगों के रोगियों को देखभाल प्रदान कर रहा है बल्कि त्वरित निदान, अनुसंधान के लिए प्रयोगशाला सहायता के रूप में क्षयरोग उन्मूलन गतिविधियों में भी योगदान दे रहा है; क्षयरोगी नियंत्रण गतिविधियों में बुनियादी और परिचालन दोनो प्रकार की गतिविधियां संचालित कर रहा है तथा दिल्ली राज्य में एनटीईपी सेवाओं के क्रियान्वयन में निगरानी और पर्यवेक्षण सहायता भी प्रदान कर रहा है।

वर्ष के दौरान, दिल्ली राज्य के लिए राज्य टीबी प्रशिक्षण और प्रदर्शन केंद्र के रूप में काम करने वाले हमारे केंद्र का मूल्यांकन केंद्रीय टीबी डिवीजन, संघ और एक तीसरे पक्ष के मूल्यांकन दल द्वारा किया गया । इस प्रक्रिया में एसटीडीसी की सुविधाओं और मुख्य कार्यों का बेस लाइन मूल्यांकन शामिल था। पूरे भारत में, 17 एसटीडीसी का मूल्यांकन किया गया। एसटीडीसी के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय स्तर की परामर्शदात्री बैठक में निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए। यह जान कर खुशी हुई कि दिल्ली राज्य एसटीडीसी एकमात्र ऐसा था जिसने मूल्यांकन किए गए सभी छह प्रकार्यों को पूरा किया और इसमें एक सुचालित एसटीडीसी के लिए आवश्यक सभी बुनियादी सुविधाएं थीं।

सक्रिय मामलों का पता लगाना हमारे केंद्र की एक प्रमुख परिचालन अनुसंधान गतिविधि रही है। पहले से ही ज्ञात कमजोर आबादी में एसीएफ के अलावा, हमने मेदांता मेडिसिटी, गुरुग्राम द्वारा सहायता प्राप्त मोबाइल एक्स–रे वैन की मदद से यमुना पुश्ता के साथ फुटपाथ पर रहने वाले निराश्रित लोगों में एसीएफ की शुरुआत की।

केंद्र की प्रयोगशाला में माइक्रोस्कोपी से लेकर संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण तक सभी नैदानिक सुविधाएं हैं। इस वर्ष प्रयोगशाला में 33000 से अधिक परीक्षण किए गए। इसके अलावा, चिकित्सा और पैरामेडिकल स्टाफ के शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए प्रयोगशाला सुविधा का उपयोग किया जा रहा है। कई शोध परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। इस वर्ष प्रयोगशाला ने कोविड –19 के परीक्षण को भी जोड़ा। प्रयोगशाला ने न केवल कोविड –19 मामलों के लिए नैदानिक सुविधा प्रदान की, बल्कि कोविड –19 नैदानिक सुविधा स्थापित करने के लिए सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की प्रयोगशालाओं के सूक्ष्म जीवविज्ञानी और प्रयोगशाला तकनीशियनों को भी प्रशिक्षित किया। हमारी प्रयोगशालासंकाय (faculty) ने भी उनके कामकाज की निगरानी की। बढ़ते कार्यभार से निपटने के लिए प्रयोगशाला के नवीनीकरण के प्रयास किए जा रहे हैं।

वर्ष के दौरान केंद्र के प्रशिक्षण अनुभाग ने 4522 कर्मियों को प्रशिक्षित किया। ईसीएचओ प्लेटफॉर्म का उपयोग प्रशिक्षण और कार्यक्रम समीक्षा उद्देश्यों के लिए भी किया जा रहा है। ई–मॉड्यूल का उपयोग करने और ईसीएचओ प्लेटफॉर्म का लगातार उपयोग करने के प्रयास जारी हैं ताकि व्यक्तिगत रूप से प्रशिक्षण

और समीक्षा सत्रों में भाग लेने के लिए समय और पीओएल खर्च कम हो। कोविड–19 महामारी के कारण अधिकांश प्रशिक्षण सत्र वर्चुअल रूप सें आयोजित किए गए।

केंद्र का संकाय नैदानिक, जीवाणु विज्ञान और कार्यक्रम संबंधी पक्षों में अनुसंधान गतिविधियों के संचालन में सक्रिय रूप से शामिल हैं। वर्ष के दौरान, 12 पेपर जर्नल में प्रकाशित हुए और 4 प्रकाशन के लिए भेजे गए।

मैं वित्तीय सहायता के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और केंद्रीय टीबी प्रभाग का आभारी हूं। मैं नई दिल्ली क्षय रोग केंद्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए बहुमूल्य मदद और सहयोग के लिए प्रबंध समिति और राज्य टीबी नियंत्रण अधिकारी दिल्ली राज्य के सभी सदस्यों का आभारी हूं। मैं केंद्र की गतिविधियों को बेहतर बनाने में मदद करने और मार्गदर्शनके लिए प्रार्दुभाव के समय से टीबी एसोसिएशन ऑफ इंडिया का आभारी हूं।

डा. . के. के. चोपड़ा
निदेशक

एनडीटीबी के इतिहास में महत्त्वपूर्ण घटनाएं

- टीबी एसोसिएशन ऑफ इंडिया और भारत सरकार के बीच करार द्वारा एक मॉडल क्लीनिक के रूप में 1940 में स्थापना। इसके प्रादुर्भाव के समय से ही इसके प्रचालन कार्य में सहायता के लिए भारत सरकार अनुदान दे रही है।

- 1951 में इसे प्रथम क्षयरोग निरूपण एवं प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में उन्नत किया गया।

- 1966 में संस्थान क्षयरोगियों के लिए रेफरल संस्थान बना।

- समुदाय में क्षयरोग की व्याप्तता के आकलन के लिए केन्द्र 1955–58 तक आईसीएमआर परियोजना का हिस्सा रहा।

- केन्द्र ने सुनियोजित गृह उपचार (ओएचटी) की अवधारणा का मार्ग प्रशस्त किया जिसे बाद में क्षयरोग के लिए आवासीय उपचार के रूप में राष्ट्रीय तपेदिक कार्यक्रम (एनटीपी) में सम्मिलित किया गया।

- 1962–92 की 30 वर्ष की अवधि के दौरान केन्द्र के अधिवासीय क्षेत्र में आठ अधोमुखी रोग व्याप्तता सर्वेक्षण किए गए जिससे समुदाय में क्षयरोग का प्राकृतिक इतिहास और प्रवृत्तियां गहनता से सामने आई और इससे राष्ट्रीय स्तर पर क्षयरोग नियंत्रण कार्यक्रम की योजना बनाने के लिए महत्तवपूर्ण जानकारी मिली।

- 1966 में एनडीटीबीसी देश के पांच उत्तरी राज्यों के क्षयरोगियों के लिए रेफरल केन्द्र बना।

- 80 के दशक के दौरान बहु–केन्द्रीय अल्पाकालिक कीमोथेरेपी (एससीसी) ट्रायल का हिस्सा बना जिससे राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत एससीसी का औपचारिक अंगीकरण हुआ।

- 1992 में दिल्ली और उत्तर भारत में आरंभिक एवं अर्जित दवा प्रतिरोधकता का प्रसार जो कि दवा प्रतिरोधक क्षयरोग (डीआर–टीबी) के उपचार के लिए नीति बनाने में सहायक बना।

- 1998 में केन्द्र की छत्रछाया में डॉट एवं माइक्रोस्कोपिक केन्द्रों की स्थापना के साथ एनडीटीबीसी ने 4 लाख जनसंख्या में आरएनटीसीपी की डॉट रणनीति का क्रियान्वयन प्रारंभ किया।

- 2005 में इसे राज्य क्षयरोग प्रशिक्षण एवं निरूपण केन्द्र के तौर पर उन्नत किया गया जिसमें इसे क्षयरोग और श्वसन रोगों के रेफरल क्लीनिक के साथ दिल्ली के पूरे स्टाफ को प्रशिक्षण देने तथा इंटरमीडिएट रेफरल प्रयोगशाला के लिए यथा संशोधित नैदानिक सेवाएं देने का दायित्व दिया गया और यह 2008 में एमडीआर मामलों के शुरूआती निदान के लिए एमजीआईटी को जोड़े जाने पर बायोसेफ्टी लेवल–3 बना। इस आईआरएल को 2013 में केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग द्वारा फर्स्ट लाइन प्रोब एसे और 2014 में एलपीए सेकंड लाइन एलपीए के लिए प्रमाणित किया गया। इसके अतिरिक्त 2018 में जीन सिक्वेंसर को शामिल किया गया। 2018 में प्रयोगशाला को एनएबीएल से मान्यता मिली।

- हाल ही में एनडीटीबीसी को ससससनदपदबम डपेमु इमदबी जवच सीक्वेंसर प्रणाली से युक्त किया गया है और इसे एनटीईपी के अंतंर्गत पांच समग्र जीनोम सिक्वेंसिग सुविधाओं में से एक सुविधा के रूप में विकसित किया गया है।

- 2020 में कोविड–19 परीक्षण और सरकार तथा निजी माइक्रोबायोलाजिस्ट एवं तकनीशियनों का प्रशिक्षण आरंभ।

- केन्द्र सक्रिय रूप से एनटीईपी गतिविधियों की मॉनीटरिंग करता रहा है।

- इसने राष्ट्रीय स्तर पर क्षयरोग नियंत्रण नीतियों को प्रभावित करने वाले महत्तवपूर्ण अनुसंधान प्रकाशन दिए हैं।

- वर्ष 2021, केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग,संघ और तृतीय प़क्ष द्वारा एसटीडसी का बेसलाइन मूल्यांकन किया गया। पूरे भारत मे 17 एसटीडीसी में से दिल्ली राज्य एसटीडीसी एकमात्र ऐसा था जिसने मूल्यांकन किए गए सभी छह प्रकार्यों को पूरा किया और इसमें एक सुचालित एसटीडीसी के लिए आवश्यक सभी बुनियादी सुविधाएं थीं।

- सक्रिय मामलों का पता लगाना हमारे केंद्र की एक प्रमुख परिचालन अनुसंधान गतिविधि रही है। पहले से ही ज्ञात कमजोर आबादी में एसीएफ के अलावा, हमने मेदांता मेडिसिटी, गुरुग्राम द्वारा सहायता प्राप्त मोबाइल एक्स–रे वैन की मदद से यमुना पुश्ता के साथ फुटपाथ पर रहने वाले निराश्रित लोगों में एसीएफ की शुरुआत की।

प्रबंधन समिति

उपाध्यक्ष भारतीय क्षयरोग संघ	अध्यक्ष
मानद कोषाध्यक्ष भारतीय क्षयरोग संघ	वित्तीय सलाहाकार
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहाकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	सदस्य
संयुक्त सचिव (स्वास्थ्य) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	सदस्य
उप महानिदेशक (क्षयरोग) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	सदस्य
निदेशक क्षय एवं श्वसन का राष्ट्रीय संस्थान	सदस्य
निदेशक स्वास्थ्य सेवायें (दिल्ली) स्वास्थ्य सेवा निदेशालय – दिल्ली प्रशासन	सदस्य
निदेशक बल्लभ भाई पटेल चेस्ट संस्थान	सदस्य
निदेशक सेवाएं नई दिल्ली नगरपालिका परिषद	सदस्य
महासचिव भारतीय क्षयरोग संघ	सदस्य
अवैतनिक महासचिव दिल्ली क्षयरोग संघ	सदस्य
निदेशक रेलवे मंत्रालय	सदस्य
निदेशक नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य–सचिव

वैज्ञानिक सलाहकार समिति

डा. अश्वनी खन्ना — अध्यक्ष
अध्यक्ष
नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

डा. बी के वशिष्ट — सदस्य
राज्य क्षयरोग अधिकारी
दिल्ली राज्य

प्रो. राज कुमार — सदस्य
निदेशक
बल्लभ भाई पटेल चेस्ट संस्थान

डा. वरिन्द्रर सिंह — सदस्य
प्राध्यापक बाल चिकित्सा
कलावती अस्पताल
लेडी हांर्डिग मेंडिकल कालेज

डा. एम. हनीफ के. एम. — सदस्य
जीवाणु वैज्ञानिक
नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

डा. निशि अग्रवाल — सदस्य
सांख्यिकीविद्
नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

डा. . के. के. चोपड़ा — सदस्य–सचिव
निदेशक
नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

नैतिक समिति

प्रो नन्दनी शर्मा — अध्यक्ष
निदेशक प्रोफेसर एवं
अध्यक्ष सामुदायिक चिकित्सा विभाग
मौलाना आजाद आयुर्विज्ञान कालेज

डा. विशाल खन्ना — सदस्य
छाती विशेषज्ञ एवं जिला क्षयरोग अधिकारी
लोक नायक अस्पताल

श्री सी पी बवेजा — सदस्य
प्रोफेसर
मौलाना आजाद आयुर्विज्ञान कालेज

डा. एम. हनीफ के. एम. — सदस्य
जीवाणु वैज्ञानिक
नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

डा. राजेश कुमार — सदस्य
प्रोफेसर, सामुदायिक चिकित्सा विभाग
मौलाना आजाद आयुर्विज्ञान कालेज

श्री टी एस आलूवालिया — सदस्य
पूर्व–महासचिव
भारतीय क्षयरोग संघ

श्री. संतोष श्रीवास्तव — सदस्य
वकील

डा. निशि अग्रवाल — सदस्य
सांख्यिकीविद्, नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

श्री. सीरी कुमार पिल्लई — सदस्य
दिल्ली क्षयरोग संघ

श्री. वेद प्रकाश — सदस्य
समुदाय व्यक्ति

डा. शंकर माटा — सदस्य–सचिव
जानपादिकरोगविभागी
नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

वरिष्ठ कर्मचारीगण

डा. के. के. चोपड़ा ए.बी.बी.एस., एम.डी., डी.टी.सी.ई.	निदेशक
डा. संजय राजपाल एम.बी.बी.एस., डी.टी.सी.डी., एफ.एन.सी.सी.पी.	छाती विशेषज्ञ
डा. महमूद हनीफ पी.एच.डी.	जीवाणु वैज्ञानिक
डा. (श्रीमति) निशि अग्रवाल पी.एच.डी.	सांख्यिकीविद्
डा. शंकर माटा एम.बी.बी.एस., एम.डी.	जानपादिकरोगविभागी
डा. शिवानी पवार एम.बी.बी.एस., डी.टी.सी.डी.	चिकित्सा अधिकारी
श्री. एस के सैनी स्नातक, एआईसीडब्लयूए	प्रशासनिक अधिकारी

हाल के वर्षो में एनडीटीबी केन्द्र की उपलब्धियां

1. **एनडीटीबी केन्द्र की एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला**

केन्द्र की माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला दिल्ली राज्य के लिए इंटरमीडिएट रेफरंस प्रयोगशाला के रूप में कार्य कर रही है और एनटीईपी एवं निजी क्षेत्र से रेफर किए गए रोगियों को सभी उपलब्ध त्वरित नैदानिक सेवाएं दे रही है। गुणपत्तापूर्ण सेवांए सुनिश्चित करने के लिए केन्द्र की प्रयोगशाला को एनएबीएल से प्रत्यायित कराया गया हैं ।

2. **प्रयोगशाला में जीन सिक्वेसिंग सुविधा**

हमारी प्रयोगशाला उन पांच स्थलों में से एक है जहां एनटीईपी के तहत जीन सिक्वेसिंग सुविधा उपलब्ध है। इसका उपयोग क्षयरोग कार्यक्रम दिशा–निदेशों के अनुसार निदान और दवा प्रतिरोधक निगरानी दोनों प्रयोजनों के लिए किया जाएगा।

3. **क्लीनिकल खंड में एक्स–रे मशीन की संस्थापना**

क्लीनिकल खंड में पहले से उपलब्ध परंपरागत एक्स–रे मशीन के अलावा एक डिजीटल एक्स–रे मशीन लगाई गई हैं। यह मशीन दिल्ली राज्य एनटीईपी कोष से दी गई है। इस मशीन का उपयोग क्लीनिकल खंड के रोगियों और मामलों का सक्रियतापूर्वक पता लगाने तथा निगरानी के लिए किया जा रहा है।

4. **कोविड–19 प्रयोगशाला**

कोविड–19 वैश्विक महामारी के दौरान हमारी प्रयोगशाला सीबीएनएएटी और ट्रूनेट मशीनों पर कोविड–19 के निदान हेतु आईसीएमआर अनुमोदित स्थलों में से एक थी। दिल्ली सरकार द्वारा अभिनामित स्थलों से कोविड आशंका वाले रोगी हमारी प्रयोगशाला में रेफर किए जाते हैं।

5. **कोविड–19 रोग निदान में माइक्रोबायोलॉजिस्ट और प्रयोगशाला तकनीशियनों का प्रशिक्षण**

दिल्ली सरकार ने हमारी प्रयोगशाला को सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के माइक्रोबायोलाजिस्ट और प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए कोविड–19 प्रयोगशाला के प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में अभिनामित और प्रस्तावित किया है। हमारी प्रयोगशाला के माइक्रोबायोलॉजिस्ट दिल्ली राज्य सीबीएनएएटी और ट्रूनेट कोर समिति का हिस्सा हैं जो कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के लिए कोविड–19 प्रयोगशाला के कार्यो का पर्यवेक्षण और निगरानी का कार्य करते हैं।

6. **संवेदनशील समूहों में सक्रिय क्षयरोग मामलों का पता लगाना**

हाल के वर्षो में संवेदनशील जनसंख्या जैसे कैदी, महिला सेक्सवर्कर, सुई द्वारा मादक पदार्थ लेने वाले लोग, झुग्गी बस्तियों और रैनबसेरों में रहने वाले लोगों में कई कार्यात्मक अनुसंधान किए गए हैं। ये कार्यात्मक अध्ययन दिल्ली राज्य एनटीईपी द्वारा अनुमोदित है और वित्तीय सहायता सहायता प्राप्त रहे हैं। ये अध्ययन राष्ट्रीय दिशा–निदेशों के अनुसार सक्रिय रूप से क्षयरोग ज्ञात करने के लिए संचालित किए गए हैं।

7. **पैरामेडिकल स्टाफ के लिए ईको क्लीनिक**

एनडीटीबी केन्द्र ईको मंच के लिए एसटीडीसी–दिल्ली राज्य का हब है जिसमे सभी चैस्ट क्लीनिक प्रतिनिधि हैं। महीने के प्रत्येक पहले बुधवार को एनटीईपी दिल्ली राज्य के पैरामेडिकल स्टाफ के

लिए एक सत्र आयोजित किया जाता है जिसमें विशेषज्ञों द्वारा संबोधित किया जाता है और पैरामेडिकल द्वारा प्रस्तुत किए गए एक मामले पर चर्चा की जाती है।

8. डीउटी क्लीनिक

पी एम डीटी के निर्देशों के अनुसार हम क्षयरोग के मुश्किल मामलों की चर्चा के लिये हर महीने डीउटी क्लीनिक चला रहे है। हर महीने डीटीओ/एमओ एक दिलचस्प मामला पेश करते है जिस पर चर्चा की जाती है। इसमें राजकीय विशेषज्ञों की मौजूदगी में देखभाल के प्रबंधन की सिफारिशें दी जाती है।

9. ईको प्लेटफार्म पर एनटीईपी कार्यो की समीक्षा

पिछले वर्ष और इस वर्ष कोविड की वैश्विक महामारी के कारण वास्तविक मॉनीटरिंग दौरे और समीक्षा बैठकें संभव नहीं हो पाई इसलिए पर्यवेक्षण गतिविधियों पर आधारित समीक्षा बैठकें और जांच सूची ईको मंच पर की गई। वर्ष के दौरान सभी 25 चैस्ट क्लीनिकों के कार्य की समीक्षा ईको के माध्यम से की गई जिसमें अभिनामित माइक्रोस्कोपी केन्द्रों की प्रयोगशाला के कार्यो की निगरानी शामिल हैं।

10. इंडियन जरनल ऑफ टयूबरक्लोसिस के प्रकाशन में सहायता

भारतीय क्षयरोग संघ त्रैमासिक जनरल प्रकाशित किया जा रहा है जिसमें क्षयरोग और श्वसन रोगों पर लेख शामिल है। एनडीटीबी केन्द्र का संकाय एसोसिएट कार्यकारी संपादक, सहायक संपादक और संपादकीय बोर्ड के सदस्यों के रूप में आईजेटी के प्रकाशन में सहायता कर रहा है।

11. एनएटीसीओएन में सक्रिय भागीदारी

भारत क्षयरोग संघ द्वारा भारत के विभिन्न हिस्सों में बारी–बारी से क्षयरोग और श्वसन रोगों पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाता है। एनडीटीबी केन्द्र का संकाय सम्मेलन में सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहा है और सम्मेलन को आयोजित करने, वैज्ञानिक कार्यक्रम को अंतिम रूप देने का कार्य करता है तथा अध्यक्ष, सूत्रधार और वक्ता के रूप में विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों में भागीदारी करता हैं।

12. प्रयोगशाला सूचना प्रबंधन प्रणाली (एलआईएमएस)

हमारी प्रयोगशाला अब एलआईएमएस युक्त है जिसमें प्रयोगशाला डाटा और रिपोर्टिंग ऑनलाइन की जाती है। परीक्षण के सभी चरणों की प्रविष्टी ऑनलाइन की जाती है और अंतिम रिपोर्ट तैयार की जाती है और क्षेत्र में तथा निक्षय पोर्टल पर सीधे भेजी जाती है।

13. ढांचागत विकास

पिछले कुछ वषों में भवन का नवीकरण किया गया है और केन्द्र के सभी अनुभाागों के लिए नया फर्नीचर लिया गया है जिसमें उसका सौन्दर्यीकरण भी शामिल है।

14. छात्रों का प्रशिक्षण और शोध निबंध

प्रयोगशाला क्षयरोग के निदान में विभिन्न संस्थानों और विश्वविद्यालयों में प्रशिक्षण संचालित करने और छात्रों के शोध निबंध मे सहायता कर रहा है।

अनुसंधान और प्रकाशन

(क) प्रकाशित अनुसंधान पेपर

वर्ष 2021–22 में केन्द्र के संकाय (फैकल्टी) ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के जनरलों में निम्नलिखित अनुसंधान पेपर प्रकाशित किए अथवा दिए हैं ।

1. **जेनटियलफुटप्रिंट ऑफ एक्सट्रा जनेटिल ट्यूबरक्लोसिस इन इन्फर्टाइल वूमैन. कम्पेरिसन ऑफ वरियस डायग्नोस्टिक मॉडेलिटी** : इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस 2022, 69(2): 250-252में प्रकाशित।
2. **कोविड–19 वैक्सील एण्ड न्यू म्यूटेंट स्ट्रेन्स इम्पैक्टिंग द पैनडेमिक.** इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस 2022, 68(2): 171-173 252में संपादकीय।
3. **सेकंड वेव ऑफ कोविड 19 एण्ड इम्पैक्ट ऑन टीबी कंट्रोल.**एडीटोरियल पब्लिशड इन इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस 2021 68 (3): 311:312
4. **फ्रॉम स्ट्रेस टू स्टिग्मा – मेन्टल हेल्थ कंसीडरेशन ऑफ हेल्थ केयर वर्कर इनवॉल्वड इन कोविड–19 मैनेजमेंट.** आर्टिकल सब्मिटिड टू इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस।
5. **इफेक्विनेस ऑफ एक्स–पर्ट एमटीबी/आरआईएफ फॉर डायग्नोसिस ऑफ प्लमनरी एट वरियस स्टैंड अलोन लेबारटरी इन दिल्ली.** इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 14 अगस्त 2021 में प्रकाशित।
6. **क्लीनिकल प्रजेन्टेशन एण्ड मोरटेल्टि रिस्क फैक्टर फॉर कोविड–19 अमंग डायबटिक पेशेंट इन टेरटेयिरी केयर सेन्टर इन साउथ इंडिया.** Https :/doi.org/10.1016/J.ijtb.2021,08.15
7. **इम्पैक्ट ऑफ कोविड–19 एण्ड टोबेको ऑन टीबी कंट्रोल.** इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2021, 68(5), 51–53 में प्रकाशित संपादकीय।
8. **सोशल डिटरमिनेन्ट ऑफ टीबी** : 2 अक्तूबर 2021 में जारी ट्यूबरक्लोसिस एसोसिएशन ऑफ इंडिया ई–सोवनियर में प्रकाशित लेख।
9. **यूटीलिटी ऑफ स्टूल एक्जामिनेशन इन डायग्नोस्टिक ऑफ पेड्रयाटिक ट्यूबरक्लोसिस इन इंडिया.** 12 जुलाई, 2021 में प्रकाशित।
10. **एडहरेन्स टू आइसोनीजिड प्रवेटिंव थेरेपी अमंग चिल्ड्रन लीविंग विद ट्यूबरक्लोसिस पेशेंट इन दिल्ली, इंडिया : एन एक्पलोरेटरी स्टडी.** इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2022, 69; 100–103 में प्रकाशित।
11. **'बिवेयरऑफ स्पूरियस ट्रेची–ब्रोनकाइल स्टंट'**इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2022, 69(2), 253–255 में प्रकाशित लेख।
12. **थोरस्कोपिक प्रैक्टिस इन इंडिया–अ सर्वे बाय इंडियन चैस्ट सोसायटी.** इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 68(4), 485–490 में प्रकाशित।

13. **कोरिलेटिंग क्लीनिकल ब्रेकप्वांइट कन्सन्ट्रेशन ऑफ मॉक्सीफ्लोक्सिन विद Igr अ म्यूटेशन यूसिंग द जीनो टाइप एमटीबी डीआर slएसे.** इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस को जमा किया गया पेपर।

14. **यूटिलिटी ऑफ फ्रेक्शनल एक्सेल्ड नाइट्रिक ऑक्साइड (Fe NO) इन स्पिरोमीटरी प्रूवड केसिस ऑु ब्रोनिक्ल अस्थमा.** इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस को जमा किया गया पेपर।

15. **पोर्ट साइट ट्यूबरक्लोसिस ऑफटी लेप्रोस्कोपिक cholecystectomy** इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस को जमा किया गया पेपर।

16. **माइबैक्टिरियम ट्यूबरक्लोसिस : नेक्स्ट जनरेशन होल जीनोम सिक्वेसिंग.** इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, 2022, 69(2), 123–124 में प्रकाशित संपादकीय।

(ख) <u>अनुसंधान परियोजनाएं</u>

1. दिल्ली राज्य में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत एंटी–माइकोबैक्टीरियल दवा प्रतिरोधक हॉट स्पॉट की मैपिंग।

यह अध्ययन भारत के एनडीटीबी केंद्र और टीबी संघ द्वारा संचालित किया जा रहा है। यह दिल्ली राज्य या समिति द्वारा आर्थिक सहायता प्राप्त है। दिल्ली राज्यों में दवा प्रतिरोधक क्षयरोग मामलों के हॉटस्पॉट्स का अध्ययन करने के लिए किया गया ताकि चयनित क्षेत्रों में पर्याप्त निदान और चिकित्सीय सेवाएं प्रदान की जा सके। केन्द्रीय दिल्ली क्षेत्र में पाए गए 20 एमडीआर मामलों में जीआईएस एजेंसी की सहायता से पूर्व परीक्षण किया गया। अध्ययन विश्लेषण पूरा हो चुका है और रिपोर्ट लिखने की प्रक्रियाधी है।

2. बीट (तपेदिक के खिलाफ अग्रिम उपचार के लिए साक्ष्य बनाना) अध्ययनः

इस परीक्षण के उद्देश्य हैं:

क. प्री–एक्सडीआर या एक्सडीआर–टीबी के रोगियों में बीडीक्यू, डीएलएम, एलजेडडी और सीएफजेड से युक्त 24–36 सप्ताह (6–9 महीने) की अवधि के उपचार की सुरक्षा और सहनशीलता का मूल्यांकन करना।

ख. इस संयोजन उपचार के साथ थूक संस्कृति रूपांतरण का समय निर्धारित करने के लिए।

ग. सप्ताह 2, 8 और 16 में डीएलएम, बीडीक्यू और उनके मेटाबोलाइट्स के सीमिन स्तरों की स्थिर स्थिति का निर्धारण करने के लिए।

घ. संयोजन उपचार आहार (गहन पीके) पर पूर्व–एक्सडीआर और एक्सडीआर–टीबी रोगियों के एक उपसमूह में बीडीक्यू और डीएलएम के स्थिर अवस्था फार्माकोकाइनेटिक्स (पीके) का पता लगाने के लिए।

प्रयोगशाला चल रही बीट अनुसंधान परियोजना का एक हिस्सा है जिसका शीर्षक है ''पूर्व–व्यापक (प्री–एक्सडीआर) और व्यापक रूप से दवा प्रतिरोधी प्लमनरी क्षयरोगक (एक्सडीआर) वाले वयस्कों में

बेड एक्विलाइन, डेलामेनिड, लाइनजोलिड और क्लोफाजिमाइन के संयोजन आहार की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन। –टीबी)।'' यह अध्ययन आरबीआईपीएमटी, दिल्ली और एनआईआरटी, चेन्नई के सहयोग से किया जा रहा है।

ङ. अनुवर्ती जांच करने का प्रयोगशाला कार्य पूरा कर लिया गया है।

अध्ययन प्रगति पर है और समय पर पूरा होने की उम्मीद है।

3. एमडीआर–टीबी (स्ट्रीम) क्षयरोगियों के लिए क्षयरोग रोधी दवाओं के मानक उपचार पथ्य अध्ययन :

इस अध्ययन का उद्देश्य पहले 16 सप्ताह (गहन चरण) के लिए आइसोनियाजिड और प्रोथियोनामाइड द्वारा पूरक 40 सप्ताह के लिए दिए गए बेडैक्विलाइन, क्लोफाजिमाइन, एथमब्यूटोल, लेवोफ्लॉक्सासिन और पाइरेजिनमाइड से युक्त पथ्य पर सप्ताह 76 में अनुकूल प्रभावकारिता परिणाम वाले प्रतिभागियों के अनुपात का आकलन करना है।

इस केंद्र की प्रयोगशालास्ट्रीमनामक नैदानिक परीक्षण का एक हिस्सा है और यह परीक्षण आरबीआईपीएमटी में किया जा रहा है। रोगियों का नामांकन पूरा हो गया है और अनुवर्ती उपचार कार्रवाई की जा रही है। अनुवर्ती जांच करने का प्रयोगशाला कार्य पूरा कर लिया गया है।

4. रिक्शा चालकों और निर्माण श्रमिकों की उच्च जोखिम वाली प्रमुख जनंसख्या में क्षयरोग एवं एलटीबीआई को कम करने के लिए क्षयरोग की व्याप्तता तथा जांच

यह अध्ययन पीएलएचआईवी और बच्चों के अतिरिक्त रिक्शा चालकों और निर्माण श्रमिकों को टीबी के रोकथाम के थेरेपी देने के लिए राष्ट्रीय नीति को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने वाले प्रमाण प्रदान करेगा। रिक्शा चालकों तथा निर्माण कार्य करने वाले श्रमिकों एलटीबीआई का पता लगाने और उपचार का दीर्घकालिक लाभ होगा। इससे एलटीबीआई संक्रमण की रोकथाम से आकस्मिक क्षयरोग की वार्षिक सूचना में कमी आएगी तथा क्षयरोग के संक्रमण के वार्षिक जोखिम तथा क्षयरोग के प्रसार को कम किया जा सकेगा। इस अध्ययन का क्षेत्र कार्य चल रहा है।

5. गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (क्यूएमएस) की शुरुआत और तेजी से आणविक निदान और इसके लागत प्रभाव के अनुकूलतम उपयोग द्वारा नामित माइक्रोस्कोपिक केंद्रों में टीबी निदान में सुधार करना।

डीएमसी में क्यूएमएस की शुरूआत से तेजी से आणविक निदान द्वारा टीबी परीक्षण की गुणवत्ता बेहतरी होती है। क्यूएमएस स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार के लिए एक प्रभावी तंत्र प्रदान करता है जो सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों की गुणवत्ता, लागत–प्रभावकारिता और स्थिरता में दीर्घकालिक लाभ प्रदान करता है। हम डीएमसी में प्रयोगशाला चालित गुणवत्ता प्रणालियों के मॉडल स्थापित करते हैं जो तेजी से आणविक निदान द्वारा टीबी निदान में समग्र सुधार की ओर ले जाते हैं क्योंकि यह कर्मचारियों की योग्यता, आपूर्ति श्रृंखला,

उपकरण रखरखाव इत्यादि जैसे क्षेत्रों में सबसे बड़ी आवश्यकता और तेजी से सुधार के क्षेत्रों परकेंद्रित है। यह आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना है। परियोजना खत्म हो गई है। रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया गया है। दोनों चेस्ट क्लिनिक अध्ययनों को पांच सितारा रैंकिंग मिली है।

6. अक्षयरोगियों माइकोबैक्टीरियल (एनटीएम) रोग की व्यापत्ता, जोखिम कारक और प्रयोगशाला निदानः

इस अध्ययन के उद्देश्य हैं :

1. चंडीगढ़, वर्धा, तिरुपति और दिल्ली क्षेत्रों में क्षयरोग की आशंका वाले लोगों में एनटीएम रोग की व्यापकता का निर्धारण करना।
2. एनटीएम रोग के विभिन्न जोखिम कारकों का अध्ययन करना।
3. निश्चित एनटीएम व्यक्तियों की प्रजातियों और उप प्रजातियों को चिह्नित करने के लिए।
4. अनुमानित एनटीएम रोगियों में दवा संवेदनशीलता परीक्षण (डीएसटी) करने के लिए।
5. निश्चित एनटीएम रोगियों की नैदानिक, सूक्ष्मजैविक और रेडियोलॉजिकल जांच।
6. एनटीएम रोग के निदान के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न प्रयोगशाला तकनीकों का लागत प्रभावी विश्लेषण करना।

इस केंद्र की प्रयोगशाला इस बहुकेंद्रीय परियोजना में शामिल है जिसका नाम है ''गैर–ट्यूबरकुलस माइकोबैक्टीरियल (एनटीएम) रोग का प्रसार, जोखिम कारक और प्रयोगशाला निदानः एक बहुकेंद्रीय अध्ययन''। यह अध्ययन प्रगति पर है।

7. श्योर ट्रेल परियोजना

यह क्षयरोग मैनिंजाइटिस (टीबीएम) वाले एचआईवी संक्रमित और एचआईवी–असंक्रमित बच्चों के लिए 6 महीने के गहन तपेदिक विरोधी और 2 महीने के अप्रदाहक (inflammatory) उपचार का एक यादृच्छिक परीक्षण है। यह परीक्षण बच्चों में टीबीएम उपचार का एक बहु–केंद्र, अंतर्राष्ट्रीय, आंशिक रूप से नेत्रहीन क्रमगुणित (factorial) यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण है।

ठसका कलावती सरन चिल्ड्रेन हॉस्पिटल (लेडी हार्डिंग हॉस्पिटल, दिल्ली) में परीक्षण किया जा रहा है और प्रयोगशाला जांच के लिए यह प्रयोगशाला सहायता प्रदान कर रही है।

पूर्व परीक्षण प्रगति पर है।

वर्ष के दौरान मेडिकल कॉलेजों के सहयोग से एमडी/एमएस/डीएनबी थीसिस

1. बच्चों और किशोरों में रिफैम्पिसिन संवेदनशील प्लमनरी क्षयरोग में आइसोनियाजिड प्रतिरोध

- नामांकन के लिए मरीजों की जांच बाह्य रोगियों और बाल अंतः रोगी विभाग, एमएएमसी और चेस्ट क्लिनिक, एलएनजेपी अस्पताल, नई दिल्ली से की गई।
- सभी संदिग्ध प्लमनरी क्षयरोगियों के थूक/गैस्ट्रिक एस्पिरेट नमूने लिए गए।
- क्षयरोगका पता लगाने के लिए नमूने का एक हिस्सा सीबीएनएएटी के लिए था। एम. क्षयरोग पॉजिटिव और रिफैम्पिसिन संवेदनशील को अध्ययन में दर्ज किया गया और लिखित सूचित सहमति प्राप्त की गई।
- नामांकित मामलों का विस्तृत इतिहास और नैदानिक परीक्षण लिए गए।
- नमूने के दूसरे भाग को मानक दिशा–निर्देशों के अनुसार माइकोबैक्टीरियलवृद्धि सूचक ट्यूब (एमजीआईटी) कल्चर द्वारा एम. क्षयरोग के विकास के लिए एनडीटीबी केंद्र में संसाधित किया गया।
- मानक प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए आइसोनियाजिड, एथमब्युटोल और पायराजिनामाइड के लिए दवा सुग्राहता परीक्षण (डीएसटी) किया गया।
- आइसोनियाजिड के प्रतिरोधकता का पता लगाने के लिए जीनोटाइपिक (लाइन प्रोब एसे) और फेनोटाइपिक विधियों द्वारा कल्चर पॉजीटिव लोगों मे डीएसटी जांच।
- अध्ययन अब पूरा हो गया है।

2. राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत बहुऔषधीय प्रतिरोधी,पूर्व–अतिदवा प्रतिरोधी और अत्यधिक दवा प्रतिरोधी प्लमनरीक्षयरोगियों में दीर्घकालिक पथ्य पर पहले छः माह की जांच मे कल्चर की तुलना में डाइएसीटेट (एफडीए) महत्त्वपूर्ण स्टेनिंग में फलूअरेस की प्रभावशीलता का अध्ययन

- नए निदान किए गए दवा प्रतिरोधी प्लमनरी क्षयरोगियों को किंग्सवे चेस्ट सेंटर आउट पेशेंट विभाग और राजन बाबू इंस्टीट्यूट ऑफ पल्मोनरी मेडिसिन एंड ट्यूबरकुलोसिस (आरबीआईपीएमटी) के इनपेशेंट विभाग को रिपोर्ट किया गया और एनटीईपी के तहत पंजीकृत किया गया।
- सभी नामांकित मामलों से लिखित सूचित सहमति प्राप्त की गई। विस्तृत इतिहास, नैदानिक परीक्षण आदि लिए गए।
- तीसरी, चौथी, पांचवीं और छठी अनुवर्ती पर एफडीए महत्वपूर्ण स्टेनिंग और कल्चर के लिए एकत्र किए गए दो थूक के नमूने एनडीटीबी केंद्र को भेजे गए ।
- एफडीए संवेदी स्टेनिंग की संवेदनशीलता और विशिष्टता का पता लगाने के लिए सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया और अध्ययन पूरा हो गया है।

वैज्ञानिक कार्यक्रमों में भागीदारी

1. राजस्व जिलों में दिल्ली सरकार के औषधालयों के पुनर्वितरण के कारण डीएमसी के पुनर्वितरण पर चर्चा करने के लिए 1 अप्रैल, 2021 को ईसीएचओ प्लेटफॉर्म पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया।

2 अप्रैल, 2021 को दरियागंज में कार्यरत कामकाजी महिला छात्रावास की सहायिकाओं का सुग्राहीकरण किया गया। छात्रावास में रहने वाले 30 व्यक्तियों को जागरूक किया गया। यह सत्र चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती शादाब खान द्वारा ''क्षय रोग (टीबी) और इसके लक्षण और रोकथाम'' पर था।

3. आईसीएमआर परियोजना के कर्मचारियों ने एनटीईपी, दिल्ली के तहत 5 अप्रैल, 2021 को एनडीटीबी केंद्र प्रयोगशाला में प्रयोगशाला सेवाओं से अवगत कराया गया। उन्हें दिल्ली राज्य में संचालित होने वाली दो आईसीएमआर प्रायोजित परियोजनाओं के संचालन के लिए एसओपी के बारे में भी जानकारी दी गई।

4. 8 मई, 2021 को ईसीएचओ इंडिया के साथ एक वर्चुअल मीटिंग आयोजित की गई। बैठक एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, ईसीएचओ इंडिया और उनकी टीम के बीच डॉ के.के. चोपड़ा, निदेशक, एसटीडीसी। इसकी मुख्य कार्यसूची दिल्ली राज्य के लिए एसटीडीसी के रूप में वर्तमान गतिविधियों के साथ–साथ एक स्वतंत्र ईसीएचओ टीबी हब के रूप में कार्य करने के लिए एसटीडीसी, दिल्ली के दायरे पर चर्चा करना था।

5. केंद्रीय क्षयरोगप्रभाग ने 11 मई, 2021 को सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए लर्निंग रिसोर्स पैकेज पर राष्ट्रीय स्तर पर उन्मुखता एवं टीओटी का आयोजन किया। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

6. गुणवत्ता सूक्ष्म सेवाओं पर आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना के संबंध में 21 मई, 2021 को परियोजना के डेटा प्रबंधन पर सभी जांचकर्ताओं और फील्ड स्टाफ के लिए एक वर्चुअल संवेदीकरण का आयोजन किया गया।डॉ.के.के.चोपड़ा,निदेशकऔर डॉ जीशान, माइक्रोबायोलॉजिस्ट ने सत्र में भाग लिया।

7. डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने आर.के. चेस्ट क्लिनिक में चलाई जा रही प्रयोगशाला गुणवत्ता प्रबंधन परियोजना की गतिविधियों की समीक्षा के लिए मिशन चेस्ट क्लिनिक का 22 मई 2021 को दौरा किया।

8. 27 मई 2021 को एनटीएम परियोजना में प्रगति पर चर्चा के लिए एक बैठक बुलाई गई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक और डॉ हनीफ, बैक्टीरियोलॉजिस्ट ने परियोजना के सह–अन्वेषक के रूप में बैठक में भाग लिया और समीक्षा बैठक के दौरान एनडीटीबी केंद्र साइट की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

9. एनटीईपी गतिविधियों की पीएचआई वार समीक्षा के लिए, एसटीडीसी और दिल्ली राज्य क्षयरोग प्रकोष्ठ ने 31 मई 2021 को शाहदरा चेस्ट क्लिनिक की वर्चुअल समीक्षा की। इस क्लिनिक के तहत प्रत्येक पीएचआई के टीबी स्कोर पर स्थानीय कर्मचारियों और उनके कामकाज से संबंधित मुद्दों पर व्यक्तिगत रूप से चर्चा की गई। चर्चा कर समाधान किया गया।

10. 8 जून 2021 को एनटीएम परियोजना में प्रगति पर चर्चा करने के लिए आईसीएमआर द्वारा एक बैठक बुलाई गई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक और डॉ हनीफ, बैक्टीरियोलॉजिस्ट ने परियोजना के सह–अन्वेषक के रूप में बैठक में भाग लिया और समीक्षा बैठक के दौरान एनडीटीबी केंद्र साइट की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

11. 8 जून, 2021 को भारतीय क्षयरोग संघ में अंतिम रूप देने के लिए प्रस्तुत अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा के लिए एक बैठक की गई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने विशेषज्ञों में से एक के रूप में बैठक में भाग लिया। वित्त पोषण के लिए स्वीकृत कुल दस शोध परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई।

12. दिल्ली एनटीईपी समीक्षा बैठक 21 जून 2021 को ईसीएचओ प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक का आयोजन एसटीडीसी हब से किया गया। पहली तिमाही के लिए दिल्ली राज्य के जिलेवार प्रदर्शन का विश्लेषण और प्रस्तुति डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने दी। समीक्षा में टीबी अधिसूचना की स्थिति, निक्षय रिपोर्टिंग, उपचार के परिणाम की स्थिति, एचआईवी स्थिति, यूडीएसटी स्थिति, निक्षय औषधि की स्थिति, डीबीटी और पीएफएमएस आदि जैसे विभिन्न मापदंडों पर अलग–अलग चैस्ट क्लीनकों के प्रदर्शन पर चर्चा की गई। चर्चा में सभी डीटीओ, एमओ, सुपरवाइजर और पैरा मेडिकल स्टाफ ने भाग लिया। बैठक में लगभग 117 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

13. केन्द्रीय क्षयरोग संघ ने 25 जून 2021 को एक बैठक बुलाई जिसमें दिल्ली राज्य में शॉर्ट ओरल बैडक्वालिन युक्त पथ्य के कार्यान्वयन के संबंध में तैयारियों का आकलन किया गया। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक, डॉ शंकर माटा, महामारी विज्ञानी और डॉ जीशान, माइक्रोबायोलॉजिस्ट ने बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

14. दिल्ली में एचआईवी/टीबी समन्वय गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा के लिएपरियोजना निदेशक, डीएसएसीएस की अध्यक्षता में 25 जून 2021 को दिल्ली में एक बैठक आयोजित की गई । डॉ. के. के. चोपड़ा, निदेशक और डॉ. शंकर माटा, महामारी विज्ञानी ने इसके सदस्य के रूप में बैठक में भाग लिया।

15. 2021 की पहली तिमाही के लिए दिल्ली राज्य पीएमडीटी समीक्षा बैठक और संवेदीकरण 28 जून 2020 को वस्तुतः एसटीडीसी दिल्ली से आयोजित की गई। आईआरएल के माइक्रोबायोलॉजिस्ट, सी एंड डीएसटी लैब और डीआर टीबी केंद्र साइटों के नोडल अधिकारियों ने तिमाही के लिए अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने पहली तिमाही 2021 के दौरान अलग–अलग चैस्ट क्लीनिकों के प्रदर्शन का विश्लेषण प्रस्तुत किया और एक संवेदीकरण के साथ–साथ मौखिक

बेडक्वीलाइन पथ्य दिया। प्रयोगशालाओं और नोडल डीआरटीबी केंद्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और उनका समाधान किया गया। बैठक में कुल 115 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

16. टीबी मुक्त भारत में टीएआई की भूमिका पर चर्चा करने के लिए केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग ने 28 जून 2021 को भारतीय क्षयरोग संघ के पदाधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक आयोजित की है। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने टीएआई की भूमिका के बारे में अवधारणा नोट प्रस्तुत किया।

17. 29 जून 2021 को कोविड–19 परीक्षण के लिए ट्रूनेट और जेनएक्सपर्ट के संबंध में एनडीटीबी केंद्र में निजी नैदानिक केंद्रों के माइक्रोबायोलॉजिस्ट और प्रयोगशाला तकनीशियनों ने प्रेरण प्रशिक्षण में भाग लिया।

18. 5 जुलाई 2021 को एनडीटीबी केन्द्र संकाय और ईसीएचओ के बीच विर्चुअल बैठक हुईं। बैठक में सटीडीसी ईको हब के गुणवत्ता मूल्यांकन पर चर्चा की गई।

19. 6 जुलाई 2021 को ईको प्लेटफार्मपर एनटीईपी की राष्ट्रीय समीक्षा की गई। एनडीटीबी के संकाय ने इसमें भाग लिया और दिल्ली राज्य एसटीडीसी एवं आईआरएल क्रियाकलापों का प्रतिनिधित्व किया।

20. एनटीईपी में मेडिकल कॉलेजों की क्षेत्रवार भूमिका पर चर्चा करने के लिए 7 जुलाई 2021 को राष्ट्रीय टास्क फोर्स की वर्चुअल बैठक की गई। डा के के चोपड़ा ने बैठक में भाग लिया।

21. एसटीडीसी को सुदृढ़ करने के लिए केन्द्र आईडीएफईएटी टीबी परियोजना के तहत कार्य कर रहा है। इसकी गतिवविधियों में से एक गतिविधी एसटीडीसी का बेसलाइन आकलन करना है जो कि संकाय साझीदार आईक्यूवीआईएस के साथ की जा रही है। इस गतिविधी के तहत एसटीडीसी का आकलन करने के लिए उन्होनें 12 जुलाई 2021 को एनडीटीबी केन्द्र का दौरा किया। डा के के चोपड़ाख निदेशक ने एसटीडीसी के कार्यो को विस्तार से सामने रखा।

22. 14 जुलाई 2021 को बालरोग विभाग, एमएएमसी में दवा प्रतिरोधक क्षयरोग पर सीएमई का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक संकाय के रूप में इसमें भाग लिया

23 इंडियन चेस्ट सोसाइटी (उत्तर क्षेत्र) ने 17 जुलाई 2021 को कोविड काल में प्लमनरी संक्रमण पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने ''पीएमडीटी दिशानिर्देश 2021'' पर एक वार्ता दी।

24. संघ 'यूनाइट टू एक्ट' परियोजना का संचालन कर रहा है जिसके तहत जिलों में क्षयरोग कार्यकर्त्ताओं को एनटीईपी गतिविधियों के लिए जागरूक किया जाता है। दिल्ली के जिलों को परियोजना के तहत शामिल करने को अंतिम रूप देने के लिए 19 जुलाई 2021 को एनडीटीबी केंद्र में एक बैठक आयोजित की गई। दिल्ली राज्य टीबी सेल, रिसोर्स ग्रुप फॉर एजुकेशन एंड एडवोकेसी फॉर कम्युनिटी हेल्थ (रीच) और एनडीटीबी सेंटर के फैकल्टी के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया और परियोजना में शामिल होने के लिए दिल्ली के पांच राजस्व जिलों को अंतिम रूप दिया।

25. आरबीआईपीएमटी की वैज्ञानिक समिति की बैठक 20 जुलाई 2021 को हुई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक, डॉ. एम. हनीफ, बैक्टीरियोलॉजिस्ट और डॉ. निशि, सांख्यिकीविद ने बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

26. डब्ल्यूएचओ–इंडिया के सहयोग से सीटीडी ने 26–29 जुलाई 2021 के बीच पीएमटीपीटी के लिए दिशानिर्देशों में प्रशिक्षकों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण (टीओटी) का आयोजन किया है। एनडीटीबी केंद्र से डॉ. के.के.चोपडा, निदेशक, डॉ हनीफ, बैक्टियिरोलाजिस्ट, डॉ शंकर माटा, महामारी विज्ञानी ,डॉ शिवानी पवार, चिकित्सा अधिकारी, डॉ जीशान, माइक्रोबायोलॉजिस्ट और डॉ कौशल, माइक्रोबायोलॉजिस्ट ने प्रशिक्षण में भाग लिया। एनडीटीबी केंद्र के प्रशिक्षित संकायी एनटीईपी के तहत काम कर रहे अन्य मेडिकल और पैरा मेडिकल स्टाफ के प्रशिक्षण के लिए आगे काम करेंगे।

27. एनडीटीबीसी–एसटीडीसी – ईसीएचओ प्लेटफॉर्म से 6 अगस्त 2021 को टीबी निवारक उपचार नीति और कार्य योजना पर एक वर्चुअल जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के दौरान दिल्ली एनटीईपी स्टाफ के सभी डीटीओ, एमओ और पर्यवेक्षकों को टीपीटी के प्रति जागरूककिया गया।

28. अगस्त, 2021 से ईसीएचओ प्लेटफॉर्म के माध्यम से डीटीओ, एमओ और पर्यवेक्षकों के लिए 'क्षयरोग क्लिनिक इलाज में कठिनाई' शुरू किया गया है। इस क्लिनिक के अंतर्गत 11 अगस्त, 2021 को एलएन डीआरटीबी साइट के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अब्बास द्वारा केस परिचर्चा प्रस्तुत की गई और डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक, एनडीटीबीसी। सत्र में लगभग 85 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

29. भारत में क्षयरोग (टीबी) और दवा प्रतिरोधी क्षयरोग (डीआर–टीबी) के लिए संस्थागत :सुदृत्रढ़ीकरण की दिशा में आईडिफीट टीबी परियोजना की एक पहल के रूप में, सीटीडी, आईक्यूवीआईए और यूनियन की टीम ने एसटीडीसी का आधारभूत मूल्यांकन शुरू किया है। इस मूल्यांकन का उद्देश्य राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत एसटीडीसी के प्रशिक्षण और कार्यक्रम की निगरानी क्षमता को मजबूत करना और बढ़ाना है। मूल्यांकन 7 शहरों में किया जाना है। परियोजना के तहत पहली बार एनडीटीबी केंद्र में 26 अगस्त, 2021 से दौरा किया गया। टीम ने एसटीडीसी की स्थापना के बाद से सभी कामकाज को अच्छी तरह से देखा है और उन्हें उनकी जरूरतों के अनुसार सभी दस्तावेज और आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

30. दिल्ली राज्य प्रचीन अनुसंधान समिति की बैठक 27 अगस्त 2021 को एनडीटीबी सेंटर में हुई। बैठक में केंद्र के शिक्षकों ने भाग लिया। नए और पुराने या प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए और उन पर चर्चा की गई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक एन.डी.टी.बी केंद्र में चल रहे अध्ययन की स्थिति प्रस्तुत की।

31. ईसीएचओ प्लेटफॉर्म के माध्यम से डीटीओ, एमओ और पर्यवेक्षकों के लिए 'टीबी क्लिनिक के उपचार में कठिनाई' शुरू किया गया है। इस क्लिनिक के तहत 1 सितंबर, 2021 को हेडगेवार अस्पताल के डीटीओ डॉ शिल्पी गोयल और डॉ दिनेश, डीटीओ, चौ. देशराज हस्पताल ने ''क्षयरोग के सर्जिकल प्रबंधन'' पर एक केस परिचर्चा प्रस्तुत की। सत्र में लगभग 85 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

32. आरबीआईपीएमटीकी वैज्ञानिक समिति की बैठक 2 सितंबर 2021 को हुई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक, डॉ. एम. हनीफ, बैक्टीरियोलॉजिस्ट और डॉ. निशि, सांख्यिकीविद ने बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

33. दिल्ली एनटीईपी समीक्षा बैठक एवं जागरूकता कार्यक्रम 17 सितंबर 2021 को आयोजित किया गया। बैठक एसटीडीसी ईसीएचओ प्लेटफॉर्म से हाइब्रिड मोड के रूप में आयोजित की गई थी। दूसरी तिमाही के लिएदिल्ली राज्य के जिलेवार प्रदर्शन का विश्लेषण किया गया और डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने इसे प्रस्तुत किया। अलग–अलग चेस्ट क्लिनिक के प्रदर्शन में सुधार के उपायों पर संबंधित जिला टीबी अधिकारी के साथ चर्चा की गई। इसके अलावा, कोविड 19 के काल में एनटीपईपी सेवाओं को बनाए रखने में आने वाली चुनौतियों पर भी चर्चा की गई। चर्चा में सभी डीटीओ, एमओ, निरीक्षकों और पैरा मेडिकल स्टाफ ने भाग लिया।

34. एनटीएम परियोजना समीक्षा बैठक 17 सितंबर 2021 को आयोजित की गई। डॉ हनीफ ने परियोजना के तहत प्रगति पर चर्चा करने के लिए बैठक में भाग लिया।

35. 18 सितंबर 2021 को जयपुर गोल्डन हॉस्पिटल में बाल क्षयरोग प्रबंधन तथ्यों के बारे में एक सीएमई का आयोजन किया गया। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और इस अवसर पर एक व्याख्यान दिया।

36. दिल्ली राज्य में टीपीटी को लागू करने के लिए रणनीति बनाने के लिए 21 सितंबर 2021 को एक बैठक आयोजित की गई। एसटीओ दिल्ली, दिल्ली राज्य एनटीईपी सलाहकार और टीबी अलर्ट के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

37. दूसरी तिमाही 2021 के लिए दिल्ली राज्य पीएमडीटी समीक्षा बैठक और जागरूकता कार्यक्रम 23 सितंबर 2021 (हाइब्रिड) को एसटीडीसी दिल्ली से आयोजित किया गया। आईआरएल के माइक्रोबायोलॉजिस्ट, सी एंड डीएसटी लैब और डीआर टीबी केंद्र स्थलों के नोडल अधिकारियों ने तिमाही के लिए अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने दूसरी तिमाही 2021 के दौरान अलग–अलग चैस्ट क्लीनिकों के प्रदर्शन का विश्लेषण प्रस्तुत किया और अल्प मौखिक एमडीआर पथ्य के कार्यान्वयन के बारे में जानकारी दी। प्रयोगशाला और नोडल डीआरटीबी केंद्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और उनका समाधान किया गया।

38. डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (भारत), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ट्यूबरकुलोसिस एंड रेस्पिरेटरी डिजीज (एनआईटीआरडी) के सहयोग से 25 सितंबर 2021 को 'टीबी डे इवेंट' आयोजित किया गया। डॉ के के चोपड़ा, निदेशक और डॉ एम हनीफ, बैक्टीरियोलॉजिस्ट ने सम्मेलन में भाग लिया। .

39. नैटकॉन 2021 के लिए प्रारंभिक वैज्ञानिक कार्यक्रम तैयार करने के लिए एक बैठक 1 अक्टूबर 2021 को भारतीय क्षयरोग परिसंघ में आयोजित की गई । डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

40. 2021 टीबी सील अभियान का उद्घाटन 2 अक्टूबर 2021 को राष्ट्रपति भवन में हुआ। भारत के राष्ट्रपति ने ''टीबी और कोविड 19'' थीम पर टीबी सील का विमोचन किया। डॉ के के चोपड़ा, निदेशक ने उपमहानिदेशक (टीबी) और ट्रस्टी, टीएआई के साथ उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

41. 4 अक्टूबर 2021 को आयोजितआईसीएमआर एनटीएम कार्यक्रम की स्थिति पर चर्चा के लिए वर्चुअल मासिक समीक्षा बैठक हुई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक, डॉ. एम. हनीफ, बैक्टीरियोलॉजिस्ट ने बैठक में भाग लिया। डॉ हनीफ ने एनडीटीबी स्थल पर परियोजना के आंकड़े प्रस्तुत किए।

42. दिल्ली राज्य मासिक 'डिफिकल्ट टू ट्रीट टीबी क्लिनिक (डी3टी)' का आयोजन 6 अक्टूबर 2021 को एसटीडीसी हब से किया गया। डॉ. कौशल, माइक्रोबायोलॉजिस्ट, एनडीटीबी सेंटर द्वारा ''टीबी सेटिंग्स में संक्रमण नियंत्रण उपायों'' पर व्याख्यान दिया गया। केस डीटीओ, शास्त्री पार्क चेस्ट क्लिनिक द्वारा प्रस्तुत किया गया।

43. दिल्ली एनटीईपी राज्य स्तरीय बैठक 22 अक्टूबर 2021 को एनडीटीबी केंद्र के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। यह बैठक 2025 तक टीबी को समाप्त करने के लिए राज्य स्तरीय नीतिगत योजना पर चर्चा और अंतिम रूप देने के लिए आयोजित की गई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

44. केंद्रीय क्षयरोग प्रभाग और पीएटीएच की एक टीम ने 25 अक्टूबर 2021 को राज्य तकनीकी सहायता इकाइयों (एसटीएसयू) की स्थापना के लिए आवश्यकताओं के आकलन के लिए दिल्ली राज्य का दौरा किया। टीम ने राज्य के अधिकारियों के साथ अंतराल मूल्यांकन और आवश्यक सहायता प्रणाली के बारे में चर्चा की। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

45. 2025 तक टीबी को समाप्त करने के लिए राज्य की रणनीतिक योजनाओं पर चर्चा हेतु राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला 29 और 30 अक्टूबर को हयात रीजेंसी, नई दिल्ली में आयोजित की गई। डॉ. के. के. चोपड़ा, निदेशक और डॉ. बी.के. वशिष्ट, राज्य क्षयरोग अधिकारी ने बैठक में भाग लिया।

46. लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के सभागार में दिल्ली सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ रेशनल यूज ऑफ ड्रग्स द्वारा मानक क्षयरोग दिशानिर्देशों का शुभारंभ किया गया। डॉ.के.के. चोपड़ा, निदेशक ने समारोह में भाग लिया। उन्होंने टीबी पर अध्याय को संशोधित करने में भी योगदान दिया।

47. केंद्रीय क्षयरोगप्रभाग ने 2 नवंबर 2021 को 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एलपीए रिपोर्ट की व्याख्या' पर एक वर्चुअल सत्र का आयोजन किया। डॉ. एम. हनीफ, बैक्टीरियोलॉजिस्ट ने सत्र में भाग लिया।

48. दिल्ली राज्य मासिक 'क्षयरोग क्लिनिक उपचार में कठिनाई (डी3टी)' का आयोजन 9 नवंबर 2021 को एसटीडीसी हब से किया गया। डॉ. बाला मेनन, निदेशक प्रोफेसर पल्मनरी मेडिसिन, वी.पी. डीटीओ, एसपीएम चेस्ट क्लिनिक की ओर से चेस्ट इंस्टिट्यूट की ओर से केस पेश किया गया।

49. जॉनसन एंड जॉनसन (अकादमिक डिवीजन) ने 20 नवंबर 2021 को मामले ज्ञात करने की नीति पर एक वेबिनार आयोजित किया। डॉ के.के. चोपड़ा, निदेशक ने ''टीबी और डीआरटीबी के शीघ्र निदान और शीघ्र उपचार पर डब्ल्यूएचओ की सिफारिशों की समीक्षा'' पर एक व्याख्यान दिया।

50. केंद्रीय क्षयरोग प्रभाग ने 22 नवंबर, 2021 को अल्पकाली पथ्य और टीबी निवारक उपचार की शुरूआत के लिए राज्यों की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक वर्चुअल बैठक आयोजित की। डॉ. के. के. चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

51. दिल्ली राज्य में टीबी निवारक उपचार की समीक्षा के लिए 24 नवंबर 2021 को राज्य स्तरीय बैठक आयोजित की गई। जेडएमक्यू प्रतिनिधि ने एनडीटीबी केंद्र में आयोजित बैठक में भाग लिया। बैठक में दिल्ली राज्य टीबी अधिकारी, निदेशक, एनडीटीबी केंद्र और राज्य टीबी प्रकोष्ठ के अधिकारी शामिल हुए।

52. पल्मनरी मेडिसिन विभाग, टीबी अस्पताल, पटियाला ने 28 नवंबर 2021 को 'पल्मोनिस 2021' का आयोजन किया है। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने ''पीएमडीटी 2021 पर संशोधित दिशानिर्देश'' पर व्याख्यान दिया।

53. केंद्रीय टीबी प्रभाग ने 29 नवंबर 2021 को वर्चुअल मोड पर एनटीईपी गतिविधियों की राज्यवार समीक्षा की। डीडीजी (टीबी) ने कार्यक्रम निगरानी के मानकों के अनुसार सभी राज्यों के प्रदर्शन की समीक्षा की। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने दिल्ली राज्य के टीबी अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लिया।

54. तीसरी तिमाही 2021 के लिए दिल्ली राज्य पीएमडीटी समीक्षा बैठक एवं जांगरूकता कार्यकम 2 दिसंबर 2021 (हाइब्रिड) को एसटीडीसी दिल्ली से आयोजित किया गया। आईआरएल के माइक्रोबायोलॉजिस्ट, सी एंड डीएसटी प्रयोगशीला और डीआर टीबी केंद्र स्थलों के नोडल अधिकारियों ने तिमाही के लिए अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने तीसरी तिमाही 2021 के दौरान अलग–अलग चैस्ट क्लनीनिकों के प्रदर्शन का विश्लेषण प्रस्तुत किया और अलप मौखिक एमडीआर पथ्य के कार्यान्वयन के बारे में जानकारी दी। प्रयोगशालाओं और नोडल डीआरटीबी केंद्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और उनका समाधान किया गया।

55. अधिसूचनाओं से संबंधित मुद्दों के संबंध में 7 दिसंबर, 2021 को डॉ. लाल पैथ लैब के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने एसटीओ दिल्ली के साथ लाल पैथ लैब में आने वाले मरीजों की अधिसूचना में राज्य के सामने आने वाली समस्याओं के बारे में संबोधित किया।

56. दिल्ली एनटीईपी समीक्षा बैठक एवं जागरूकता कार्यक्रम 8 दिसंबर 2021 को आयोजित किया गया। तीसरी तिमाही के लिए दिल्ली राज्य के जिलेवार प्रदर्शन का विश्लेषण किया गया और डॉ के.के. चोपड़ा, निदेशक ने प्रस्तुत किया। व्यक्तिगत चेस्ट क्लिनिक के प्रदर्शन को बेहतर करने के उपायों पर संबंधित जिला टीबी अधिकारी के साथ चर्चा की गई। सभी डीटीओ और एमओ ने चर्चा में भाग लिया।

57. दिल्ली राज्य मासिक 'टीबी क्लीनिक के उपचार में कठिनाई (डी3टी)' 9 दिसंबर 2021 को एसटीडीसी हब से आयोजित किया गया। डॉ. परवीन, एनटीईपी सलाहकार ने ''टीपीटी और टीबी ऐप निवारणं'' पर व्याख्यान दिया। केस डॉ. उमेश, डीटीओ, नेहरू नगर चेस्ट क्लिनिक द्वारा प्रस्तुत किया गया।

58. निक्षय के संबंध में दिल्ली राज्य के सभी डीटीओ एनटीईपी के लिए जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। उन्हें निक्षय पोर्टल, रिपोर्ट तैयार करने और उसके विश्लेषण के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यशालाएं 10, 13, 14, 15 और 17 दिसंबर 2021 को आयोजित की गईं।

59. केंद्रीय क्षयरोग प्रभाग ने दिल्ली राज्य में संपर्क ज्ञात करने और टीबी निवारक ऐप पर चर्चा करने के लिए 10 दिसंबर 2021 को एक वर्चुअल बैठक आयोजित की। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने दिल्ली राज्य के राज्य टीबी अधिकारी, एनटीईपी टीम के साथ बैठक में भाग लिया।

60. एनडीएमसी सम्मेलन हॉल में 10 से 12 दिसंबर 2021 तक रेस्पिकॉन सम्मेलन आयोजित किया गया। डॉ के.के. चोपड़ा, निदेशक ने ''हाल के पीएमडीटी दिशानिर्देश'' पर एक व्याख्यान दिया और ''एमडीआर और एक्सडीआर'' पैनल चर्चा में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

61. संघ, केंद्रीय टीबी प्रभाग और डब्ल्यूएचओ की स्वस्थ ई–गुरुकुल टीम ने 14 और 15 दिसंबर 2021 को 'एनटीईपी पर उपचार सहायकों के प्रशिक्षण' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ. के.के.चोपड़ा, निदेशक और डॉ. एस. माटा, महामारी विज्ञानी ने कार्यशाला में भाग लिया।

62. गीता घाट के यमुना पुश्ता क्षेत्र में 23 दिसंबर 2021 को निराश्रित परियोजना की शुरुआत हुई। क्षेत्र के सभी फुटपाथ पर रहने वाले लोगों का मोबाइल एक्स–रे वैन से एक्स–रे किया गया है और असामान्य एक्स–रे वाले व्यक्तियों की जांच की गई तथा उनका इलाज किया जा रहा है।

63. आधुनिक प्रशिक्षण प्रणाली के अनुसार आशा कार्यकर्ताओं की जागरूकता योजना पर चर्चा करने के लिए ईसीएचओ प्लेटफॉर्म पर 27 दिसंबर 2021 को वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।

64. केंद्रीय क्षयरोग प्रभाग ने 28 दिसंबर 2021 को वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर राज्यवार समीक्षा की। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक, डॉ. एस. माटा, महामारी विज्ञानी और राज्य क्षयरोग अधिकारी ने अपनी टीम के साथ चर्चा में भाग लिया।

65. दिल्ली राज्य मासिक 'टीबी क्लीनिक के उपचार में कठिनाई (डी3टी)' 5 जनवरी 2022 को एसटीडीसी हब से आयोजित किया गया। डॉ. अमन गुप्ता, एनटीईपी सलाहकार ने ''एनटीईपी में हाल ही में आए बदलाव'' पर व्याख्यान दिया। केस मोती नगर चेस के डीटीओ डॉ. सुनील कुमार ने पेश किया।

66. 24 जनवरी 2022 को दिल्ली राज्य की पीएमटीपीटी स्केल अप योजना का आकलन करने के लिए केंद्रीय टीबी प्रभाग द्वारा समीक्षा बैठक (वर्चुअल) आयोजित की गई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक और डॉ. एम. हनीफ, बैक्टीरियोलॉजिस्ट ने इसके सदस्यों के रूप में बैठक में भाग लिया।

67. सीबीएनएएटी ईक्यूए पर एक वर्चुअल जागरूकता कार्यशाला 28 जनवरी 2022 को फाइंड इंडिया के प्रतिनिधियों द्वारा आयोजित की गई। कार्यशाला में पैनल की प्राप्ति से लेकर पोर्टल में परिणामों की प्रविष्टि तक ईक्यूए प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ. जीशान ने भाग लिया।

68. 31 जनवरी 2022 को जेएस–टीबी और जेएस–एनयूएचएम की अध्यक्षता में एनटीईपी और एनयूएचएम सहयोग की संयुक्त वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

69. दिल्ली राज्य मासिक 'टीबी क्लीनिक के उपचार में कठिनाई (डी3टी)' 2 फरवरी 2022 को एसटीडीसी हब से आयोजित किया गया । डॉ खालिद, डीटीओ, एनआईटीआरडी द्वारा ''एनटीईपी में हालिया परिवर्धन'' पर व्याख्यान दिया। केस डॉ. दीप मणि, डीटीओ, मालवीय नगर चेस्ट क्लिनिक ने प्रस्तुत किया।

70. केंद्रीय क्षयरोग प्रभाग ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कफ सॉल्यूशन डेटा संग्रह मुद्दों की समीक्षा के लिए 3 फरवरी 2022 को एक वर्चुअल बैठक आयोजित की। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

71. आईसीएमआर–एनआईआरटी टीम द्वारा 4 फरवरी 2022 को आयोजित 'राज्य टीमों के ंवेदीकरण–उप राष्ट्रीय प्रमाणन (डीएलएएस)' परियोजना के लिए एक वर्चुअल बैठक की। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

72. आईसीएमआर परियोजना के तहत किंग्सवे चेस्ट क्लिनिक की बाहरी समीक्षा ''त्वरित निदान के उपयोग में गुणवत्ता सुधार'' पर 10 और 11 फरवरी 2022 को आयोजित की गई। आईआरएल एनडीटीबी केंद्र के माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ जीशान समीक्षा समिति के सदस्य थे। इसी तरह की समीक्षा आर.के. मिशन चेस्ट क्लिनिक 15 और 16 फरवरी 2022 को की गई।

73. केंदीय क्षयरोग प्रभाग द्वारा आयोजित ''क्षयरोग कार्यकर्त्ताओं के लिए स्व–प्रशिक्षण पाठ्यक्रम'' का वर्चुअल लॉन्च 10 फरवरी 2022 को हुआ। एनडीटीबी सेंटर के संकाय ने जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया।

74. एनडीटीबी केंद्र में 10 फरवरी 2022 को आयोजित डीआरटीबी रोगियों की काउंसलिंग से संबंधित ड्रीम दिल्ली परियोजना पर चर्चा के लिए प्रत्यक्ष बैठक की। परियोजना का संचालन करने वाले राज्य टीबी प्रकोष्ठ और बीसीटीए (एनजीओ) के प्रतिनिधियों ने एनडीटीबी केंद्र के संकाय के साथ भाग लिय

75. एनटीईपी की दिल्ली स्टेट टास्क फोर्स की बैठक 11 फरवरी 2022 को ईसीएचओ प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित की गई। सभी 13 मेडिकल कॉलेज प्रतिनिधियों ने अपनी गतिविधियों की प्रस्तुति दी। एनडीटीबी केंद्र के संकाय सदस्यों ने बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने पीएमटीपीटी पर व्याख्यान दिया।

76. संघ ईको मंच पर अपने सलाहकारों के लिए प्रत्येक शुक्रवार को एक अकादमिक सत्र आयोजित करता है। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक को 18 फरवरी 2022 को एनटीईपी संरचना पर सत्र के लिए एक विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

77. नई दिल्ली टीबी केंद्र में 22 फरवरी 2022 को एकजागरूकता कार्यशाला/बैठक का आयोजन किया गया जिसमें संख्या में अधिसूचित रोगियों की का इलाज शुरू न किए जाने से संबंधित कारणों और मुद्दों की समीक्षा और चर्चा की गई । दिल्ली के चेस्ट क्लीनिक के डीटीओ ने कार्यशाला में भाग लिया।

78. विश्व टीबी दिवस के अवसर पर मार्च, 2022 के पूरे माह के दौरान नई दिल्ली क्षय रोग केंद्र में कई गतिविधियां आयोंजित की गईं। इस वर्ष एसपीवाईएम (युवाओं और जनता के प्रचार के लिए सोसायटी) के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। बच्चों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। टीबी पर चित्रकला प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता और कविता पाठ प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। आईईसी के साथ–साथ मेट्रो स्टेशनों, बाजारों और स्लम एरिया में हेल्थ टॉक का आयोजन किया गया। दिल्ली के हौज काजी इलाके में एक सामुदायिक बैठक भी आयोजित की गई जिसमें समुदाय को क्षय रोग, इसके उपचार और रोकथाम के बारे में जागरूक किया गया। अंतिम टीबी उत्सव 28 मार्च 2021 को नई दिल्ली क्षय रोग केंद्र में आयोजित किया गया जहां चित्रकला और कविता प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दो चेस्ट क्लीनिकों को प्रमाणपत्र दिए गए अर्थात् आर.के. मिशन और किंग्सवे कैंप चेस्ट क्लिनिक, जहां आईसीएमआर परियोजना उनके एक डीएमसी के गुणवत्ता प्रबंधन में सुधार के लिए आयोजित की गई।

79. दिल्ली राज्य एनटीईपी के तहत सभी निदान/अधिसूचित टीबी मामलों के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्रवाई में सुधार के लिए विभिन्न चैस्ट क्लीनिकों के एसटीएलएस, एमओ, एमओ–टीसी और मेडिकल कॉलेज रेफरल इकाइयों के लिए एसटीडीसी दिल्ली में 7, 9, 14 और 16 मार्च, 2022 को जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

80. केंद्रीय क्षयरोग प्रभाग ने राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में आईईसीएचओ टीबी हब की स्थापना के लिए आईडिफीट टीबी परियोजना के तहत यूएसएआईडी के साथ सहयोग किया है। परियोजना के तहत4 मार्च, 2022 को डीडीजी (टीबी), एमओएच एंड एफडब्ल्यू द्वारा 15 आईईसीएचओ टीबी हब लॉन्च किए गए। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने लॉन्च कार्यक्रम में भाग लिया।

81. 5 मार्च, 2022 को तपेदिक और संक्रामक रोगों पर दिल्ली, मुंबई और कलकत्ता के सेंट फ्रांसिस स्कूल के शिक्षकों के लिए संवादात्मक और जागस्कता सत्र आयोजित किया गया। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने एक व्याख्यान दिया और शिक्षकों को क्षयरोग के बारे में जागरूक किया।

82. दिल्ली एनटीईपी समीक्षा बैठक एवं जागरूकता कार्यक्रम 8 मार्च 2022 को आयोजित किया गया । चौथी तिमाही 2021 के लिए डॉ के.के. चोपड़ा, निदेशक नेदिल्ली राज्य के जिलेवार विश्लेषण किया और उसे प्रस्तुत किया।अलग–अलग चेस्ट क्लिनिकोंकी कार्यप्रणाली में सुधार के उपायों पर संबंधित जिला टीबी अधिकारी के साथ चर्चा की गई। सभी डीटीओ और एमओ ने चर्चा में भाग लिया।

83. 9 मार्च 2022 को बत्रा अस्पताल द्वारा एक सीएमई का आयोजन किया गया था। डॉ के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''भारत में टीबी निवारक उपचार (पीएमटीपीटी) के प्रोग्रामेटिक प्रबंधन हेतु दिशा:निर्देश'' पर एक व्याख्यान दिया।

84. दिल्ली राज्य मासिक 'डिफिकल्ट टू ट्रीट टीबी क्लिनिक (डी3टी)' का आयोजन 10 मार्च 2022 को एसटीडीसी हब से कया गया। डॉ.बी.के. वशिष्ट, एसटीओ दिल्ली ने''ई–लर्निंग मॉड्यूल'' पर एक व्याख्यान दिया। यायह मामला डॉ. बख्शी, डीटीओ, एनडीएमसी चेस्ट क्लिनिक द्वारा प्रस्तुत किया गया। सत्र के दौरान ईको से आईईको प्लेटफॉर्म पर संक्रमण से संबंधित एक विशेष सत्र भी आयोजित किया गया।

85. ''लार के नमूनों की पैकेजिंग और परिवहन'' के संबंध में एसटीएलएस और एलटी के लिए 11 मार्च 2022 को एसटीडीसी हब के माध्यम से ईसीएचओ प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक जागरूकता /क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया डॉ. जीशान और डॉ. कौशल, माइक्रोबायोलॉजिस्ट ने एसटीएलएस और एलटी को जागरूककिया।

86. बीसीटीए इंडिया ने 14 मार्च 2022 को प्रोजेक्ट ''प्रोजेक्ट कौशलअर्जन'' के पूरा होने पर कार्यक्रम का आयोजन किया, जहां ठीक हो चुके क्षयरोगियों को सामुदायिक व्यावसायिक सेवाओं के लिए प्रशिक्षित किया गया, उन्हें पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए गए। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक और सुश्री वनिशा, एमपीएचडब्ल्यू ने कार्यक्रम में भाग लिया।

87. 16 मार्च 2022 को दिल्ली कैंट में एनडीएमसी चेस्ट क्लिनिक द्वारा एक सीएमई का आयोजन किया गया। डॉ के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''प्रोग्रामेटिक मैनेजमेंट ड्रग रेसिस्टेंट टीबी पर नवीनतम दिशा–निर्देशों'' पर एक व्याख्यान दिया।

88. विश्व क्षयरोग दिवस मनाने के लिए, केंद्रीय क्षयरोग प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने 24 मार्च, 2022 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में ''एसटीपी अप टू एंड टीबी शिखर सम्मेलन'' का आयोजन किया। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य टीबी उन्मूलन की प्रगति में तेजी लाने के लिएउच्चतम स्तर के नेतृत्व, प्रमुख हितधारकों और भागीदारों को 2025 तक एक साथ लाना है। डॉ के के चोपड़ा, निदेशक ने कार्यक्रम में भाग लिया।

89. 26 मार्च 2022 को लेडी हार्डिंग अस्पताल द्वारा एक सीएमई का आयोजन किया गया। डॉ. के.के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''प्रोग्रामेटिक मैनेजमेंट ड्रग रेसिस्टेंट टीबी पर नवीनतम दिशा–निर्देशों'' पर एक व्याख्यान दिया।

90. चौथी तिमाही 2021 के लिए दिल्ली राज्य पीएमडीटी समीक्षा बैठक एवं जागरूकता कार्यक्रम 28 मार्च 2022 (हाइब्रिड) को एसटीडीसी दिल्ली से आयोजित किया गया। आईआरएल के माइक्रोबायोलॉजिस्ट, सी एंड डीएसटी लैब और डीआर टीबी केंद्र साइटों के नोडल अधिकारियों ने तिमाही के लिए अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने चौथी तिमाही 2021 के दौरान अलग–अलग चैस्ट क्लीनिकों के प्रदर्शन का विश्लेषण प्रस्तुत किया। प्रयोगशालाओं और नोडल डीआरटीबी केंद्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और उनका समाधान किया गया।

91. एनडीएमसी चेस्ट क्लिनिक द्वारा 30 और 31 मार्च 2022 को दो सीएमई का आयोजन किया गया। डॉ के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''दवा संवदी क्षयरोग के निदान और उपचार'' पर एक व्याख्यान दिया।

बैठकें

1. आईसीएमआर परियोजनाओं में विभिन्न पदों के लिए दो कर्मचारियों का चयन करने के लिए वर्चुअल साक्षात्कार 1 अप्रैल, 2021 को आयोजित किया गया जिसके लिए एनडीटीबी केंद्र एक स्थल है। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

2. एनडीटीबी केंद्र के विभिन्न मुद्दों के संबंध में 3 अप्रैल, 2021 को अध्यक्ष, एनडीटीबी केंद्र के साथ एक बैठक आयोजित की गई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक और श्री एस.के. सैनी, प्रशासनिक अधिकारी ने बैठक में भाग लिया।

3. आरबीआईपीएमटी की नीतीगत समिति की बैठक 23 जून 2021 को हुई थी। डॉ. के.के.चोपरा, निदेशक ने इसके अध्यक्ष के रूप में बैठक में भाग लिया।

4. दिल्ली राज्य क्षयरोग प्रकोष्ठ ने 12 जुलाई 2021 को एनपीसीआई में दिल्ली एनटीईपी डीबीटी योजनाओं को पीएफएमएस पर बोर्डिंग करने के साथ–साथ एनपीसीआई में दिल्ली एनटीईपी डीबीटी योजनाओं की गैर–दृश्यता से संबंधित योजना विभाग जीएनसीटीडी द्वारा उठाए गए कुछ मुद्दों को स्पष्ट करने के लिए एक आभासी बैठक आयोजित की है। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

5. एनआईटीआरडी की नीतिगत समिति की बैठक 23 जुलाई 2021 को जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित की गई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने एनआईटीआरडी की नीतिगत समिति के अध्यक्ष के रूप में बैठक में भाग लिया।

6. यूनियन ने अपने कंसोर्टियम पार्टनर आईक्यूवीआईए के साथ 30 जुलाई 2021 को एसटीडीसी के आधारभूत मूल्यांकन के लिए एक बैठक आयोजित की। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

7. आरबीआईपीएमटी की नैतिक समिति की बैठक 4 अगस्त 2021 को आयोजित की गई थी। डॉ. के. के.चोपडा, निदेशक ने इसके अध्यक्ष के रूप में बैठक में भाग लिया।

8. डॉ. के.के. चोपड़ा (निदेशक) ने 20 अगस्त 2021 को टीबी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान, 2 अक्टूबर 2021 को जारी किए जाने वाले टीबी सील डिजाइन पर चर्चा की और इसे अंतिम रूप दिया।

9. दिल्ली राज्य कोविड 19 समन्वय समिति की बैठक 8 सितंबर 2021 को डॉ अश्विनी खन्ना, सलाहकार, दिल्ली राज्य की अध्यक्षता में हुई। डॉ. के.के.चोपरा, निदेशक, डॉ. एम. हनीफ, बैक्टीरियोलॉजिस्ट और डॉ. जीशान, माइक्रोबायोलॉजिस्ट ने समिति के सदस्य के रूप में बैठक में भाग लिया।

10. लोक नायक डीआरटीबी साइट की पीएमडीटी कोर कमेटी की बैठक 14 अक्टूबर को एलएन चेस्ट क्लिनिक में हुई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

11. जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी द्वारा आयोजित टीबी और डीआर–टीबी के लिए एसईए केओएल परिषद की बैठक 28.10.2021 को आयोजित की गई। बैठक के दौरान पांच अलग–अलग देशों के प्रतिनिधि मौजूद थे। भारत से डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक और डॉ अश्विनी खन्ना, सलाहकार ने बैठक में भाग लिया।

12. हाइब्रिड मोड में आयोजितकिए जाने वाले नेटकॉन के लिए वेंडर को अंतिम रूप देने के लिए एक वर्चुअल बैठक 15 नवंबर 2021 को आयोजित की गई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने वैज्ञानिक कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में बैठक में भाग लिया।

13. एनडीटीबी केंद्र की प्रबंध समिति की बैठक 17 नवंबर, 2021 को हुई। बैठक के दौरान प्रबंध समिति द्वारा बजट और लेखा परीक्षा रिपोर्ट पारित की गई। साथ ही बैठक में कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों और एनडीटीबी केंद्र के लंबित मामलों पर चर्चा की गई।

14. एनडीटीबीकेंद्र में 10 दिसंबर 2021 को मेदांता टीम के साथ सक्रिय केस फाइंडिंग गतिविधियों के संबंध में एक बैठक आयोजित की गई। मेदांता टीम ने दिल्ली राज्य में समय–समय पर नियोजित एसीएफ गतिविधियों के लिए वैन को मोबाइल एक्स–रे मशीन प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की।

15. एनआईटीआरडी की नीतिगत समिति की बैठक 27 दिसंबर 2020 को ज़ूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित की गई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने एनआईटीआरडी की नीतिगत समिति के अध्यक्ष के रूप में बैठक में भाग लिया।

16. प्रयोगशाला रसद की खरीद के संबंध में 17 जनवरी 2022 को डॉ शंकर माटाा (महामारी विशेषज्ञ) के तहत एसटीडीसी में विशेषज्ञों की एक बैठक आयोजित की गई। अनुबंधों को अंतिम रूप देने के लिए 27 जनवरी 2022 को कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ अनुवर्ती बैठक आयोजित की गई।

17. दिल्ली राज्य टीबी फोरम की बैठक 20.1.2022 को सचिव स्वास्थ्य, दिल्ली सरकार की अध्यक्षता में हुई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

18. आशा कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण की योजना के संबंध में संघ और ईसीएचओ टीम के साथ एक आभासी बैठक 7 फरवरी 2022 को आयोजित की गई। डॉ. शंकर माटा, महामारी विशेषज्ञ ने बैठक में भाग लिया।

19. एनडीटीबीकेंद्र में 8 फरवरी 2022 को टेक महिंद्रा हेल्थ सेंटर के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। यह किंग्सवे कैंप चेस्ट क्लिनिक क्षेत्र में उनके छात्रों द्वारा सक्रिय मामले ज्ञात करने की परियोजना के संबंध मे थी।

20. मोबाइल एक्स–रे वैन फील्ड के कामगारों के साथ बैठक 11 फरवरी 2022 को हुई। कार्यक्षेत्र के दौरान आने वाले विभिन्न मुद्दों पर डॉ. चोपड़ा के साथ चर्चा की गई और तदनुसार समाधान किया गया।

21. ईको प्लेटफॉर्म आईईको में स्थानांतरित किया जा रहां है। ईसीएचओ (श्री बाबू और श्री प्रतीक) की प्रक्रिया पर चर्चा करने के लिए केंद्र का दौरा किया और एनडीटीबी केंद्र के संकाय के साथ चर्चा की।

22. दिल्ली राज्य में एमडीआर मामलों को सहायता प्रदान करने के लिए दिल्ली राज्य एनटीईपी के साथ एक गैर सरकारी संगठन, बीसीटीए इंडिया द्वारा एक परियोजना ''ड्रीम दिल्ली''शुरू की गई है। इसकी कार्यान्वयन योजना पर चर्चा के लिए बैठक 17 फरवरी 2022 को हुई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

23. दिल्ली राज्य में ट्रूनेट और सीबीएनएएटी परीक्षणों की कीमतों के निर्धारण पर चर्चा करने के लिए 21 फरवरी 2022 को दिल्ली राज्य कोविड–19 निगरानी समिति की बैठक हुई।

24. 22 फरवरी 2022 को केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग द्वारा ''टीबी चैंपियंस के लिए सेल्फ–लर्निंग कोर्स'' के कार्यान्वयन पर राज्य एनटीईपी टीमों और भागीदारों के साथ एक वर्चुल बैठक आयोजित की गई। डॉ. एस. माटा, महामारी विज्ञानी ने बैठक में भाग लिया।

25. एनटीईपी में सोशल मीडिया के प्रभावी जुड़ाव पर 22 फरवरी 2022 को केंद्रीय टीबी प्रभाग द्वारा एक वर्चुल बैठक आयोजित की गई। बैठक में एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. एस. माटा ने भाग लिया।

26. स्वायत्त निकायों की समीक्षा की सिफारिशों के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए गठित समिति की दूसरी बैठक 22 फरवरी 2022 को डॉ राजीव गर्ग, प्रोफेसर ऑफ एक्सीलेंस, डीटीई.जीएचएस की अध्यक्षता में आयोजित की गई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

27. फुटपाथ पर रहने वाले लोगों के लिए संचालित मोबाइल टीबी क्लिनिक पर चर्चा और समीक्षा करने के लिएडॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने24 फरवरी 2022 को दिल्ली टीबी एसोसिएशन का दौरा किया।

28. दिल्ली के 8 चेस्ट क्लीनिक अर्थात लोक नायक, आरटीआरएम, नेहरू नगर, एमएनसीएच, एनआईटीआरडी, करावल नगर, पटपडगंज और एसपीएमएच में टीपीटी दिशा–निर्देशों के कार्यान्वयन और कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा करने के लिए 15 मार्च 2022 को एसटीडीसी दिल्ली में एक संवेदीकरण/बैठक आयोजित की गई।

29. एनआईटीआरडी की नीतिगत समिति की बैठक 15 मार्च 2022 को 'जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित की गई। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने एनआईटीआरडी की नीतिगतसमिति के अध्यक्ष के रूप में बैठक में भाग लिया।

प्रशिक्षण एवं मॉनीटरिंग अनुभाग

एनटीईपी प्रशिक्षण

केंद्र में अत्याधुनिक ऑडियो विजुअल सुविधाओं के साथ एक सभागार, एक सम्मेलन कक्ष और एक व्याख्यान कक्ष से सुसज्जित प्रशिक्षण और निगरानी अनुभाग है। नई दिल्ली क्षयरोग केंद्र एसटीडीसी के रूप में वर्ष भर एनटीईपी के विभिन्न पहलुओं पर चिकित्सा और पैरामेडिकल स्टाफ के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है। इस वर्ष भी विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनका विवरण तालिकीबद्ध रूप में दिया गया है।

इन प्रशिक्षण गतिविधियों को लक्षित किया गया था:

- दिल्ली के विभिन्न चेस्ट क्लीनिकों में कार्यरत चिकित्सा अधिकारी
- पैरामेडिकल एनटीईपी कर्मचारी
- मेडिकल कालेज के इंटर्नस एवं स्नातकोतर
- विभिन्न नर्सिंग कॉलेजों के नर्सिंग स्टाफ
- अन्य (एनजीओ आदि)

प्रशिक्षण के लिए संसाधन व्यक्ति एनडीटीबी केंद्र, एमएएमसी और दिल्ली राज्य के जिला टीबी अधिकारी के संकाय हैं।

प्रशिक्षणों का विवरण नीचे दिया गया है:

एक अप्रैल, 2021, 5 अप्रैल, 2021 और 8 अप्रैल, 2021 को तीन बैचों में एनडीटीबी केंद्र में दिल्ली राज्य एपटीईपी के डीएमसी के प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए ट्रूनेट मशीनों में व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इन सत्रों में 11 प्रयोगशाला तकनीशियनों को प्रशिक्षित किया गया।

2. एनडीटीबी केंद्र प्रयोगशाला में 4 और 5 मई, 2021 को आईसीएमआर वित्त पोषित प्रयोगशाला गुणवत्ता प्रबंधन परियोजना के कर्मचारियों का दो दिवसीय प्रारंभिक प्रशिक्षण संचालित किया गया। डॉ. जीशान, माइक्रोबायोलॉजिस्ट सत्र के प्रशिक्षक थे। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक और डॉ. एम. हनीफ, बैक्टीरियोलॉजिस्ट ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया।

3. निजी निदान केंद्रों के माइक्रोबायोलॉजिस्ट और प्रयोगशाला तकनीशियनों ने 10 मई 2021 को कोविड –19 परीक्षण के लिए ट्रूनेट और जेनएक्सपर्ट के संबंध में एनडीटीबी केंद्र में प्रेरण प्रशिक्षण में भाग लिया।

4. 13 जुलाई 2021 को प्रिवेंट टीबी इंडिया ऐप में टीबी निवारक उपचार की रिकॉर्डिंग और रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय टीबी प्रभाग द्वारा राज्य टीमों के साथ एक वर्चुल प्रशिक्षण आयोजित किया गया। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक ने निदेशक एसटीडीसी के रूप में प्रशिक्षण में भाग लिया।

5. निजी निदान केंद्रों के माइक्रोबायोलॉजिस्ट और प्रयोगशाला तकनीशियनों ने 16 जुलाई 2021 को कोविड–19 परीक्षण के लिए ट्रूनेट और जेनएक्सपर्ट से संबंधित एनडीटीबी केंद्र में प्रेरण प्रशिक्षण में भाग लिया।

6. 19 जुलाई 2021 को एनडीटीबी केंद्र में ट्यूबरकुलिन परीक्षण के संबंध में आईसीएमआर वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना के कर्मचारियों का संवेदीकरण किया गया। डॉ के.के. चोपड़ा, निदेशक और सुश्री वनिशा, एमपीएचडब्ल्यू ने परियोजना के छ कर्मचारियो को जागरूक किया

7. मिलाप प्रशिक्षण संस्थान ने 28 से 31 जुलाई 2021 तक एनएबीएल मान्यता बनाए रखने के लिए आईए और क्यूएमएस प्रशिक्षण का आयोजन किया। श्री परवीन कुमार, वरिष्ठ प्रयोगशाला तकनीशियन ने उक्त प्रशिक्षण में भाग लिया।

8. निजी निदान केंद्रों के माइक्रोबायोलॉजिस्ट और प्रयोगशाला तकनीशियनों ने 5 अगस्त 2021 को कोविड–19 परीक्षण के लिए ट्रूनेट और जेनएक्सपर्ट के संबंध में एनडीटीबी केंद्र में प्रेरण प्रशिक्षण में भाग लिया।

9. डीआरटीबी पर्यवेक्षकों के लिए पीएमडीटी 2021 दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण 12 और 13 अगस्त 2021 को एनडीटीबी केंद्र के सभागार में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सत्र ई–स्वस्थ गुरुकुल ईसीएचओ प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया गया।

10. जिला टीबी अधिकारियों के लिए पीएमडीटी 2021 दिशानिर्देशों पर प्रशिक्षण 16 से 18 अगस्त 2021 तक आयोजित किया गया थाप्रशिक्षण सत्र ई–स्वास्थ्य गुरुकुल ईसीएचओ प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया गया।

11. चिकित्सा अधिकारियों के लिए पीएमडीटी 2021 दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण 23 से 25 अगस्त 2021 तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सत्र ई–स्वस्थ गुरुकुल ईसीएचओ प्लेटफॉर्म पर आयोजित किए गए।

12. एसटीएस के लिए पीएमडीटी 2021 दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण एनडीटीबी केंद्र के सभागार में 6 और 7 सितंबर 2021 को आयोजित किया गया । प्रशिक्षण सत्र ई–स्वस्थ गुरुकुल ईसीएचओ प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया गया।

13. निजी निदान केंद्रों के माइक्रोबायोलॉजिस्ट और प्रयोगशाला तकनीशियनों ने 8 सितंबर 2021 को कोविड–19 परीक्षण के लिए ट्रूनेट और जेनएक्सपर्ट के संबंध में एनडीटीबी केंद्र में प्रेरण प्रशिक्षण में भाग लिया।

14. पंजाब चेस्ट सोसाइटी ने पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर एक सत्र का आयोजन किया। पंजाब के सभी मेडिकल कॉलेजों के प्लमनरी दवाओं के एचओडी सहित पीजी छात्रों, फैकल्टी ने चर्चा में भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 82 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

15. एसटीएस/एसटीएलएस/एसए के लिए पीएमडीटी 2021 दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण 9 और 10 सितंबर 2021 को एनडीटीबी केंद्र के सभागार में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सत्र ई–स्वस्थ गुरुकुल और ईसीएचओ प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया गया।

16. एसटीएस/एसटीएलएस/एसए के लिए पीएमडीटी 2021 दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण 13 और 14 सितंबर 2021 को एनडीटीबी केंद्र के सभागार में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सत्र ई–स्वस्थ गुरुकुल और ईसीएचओ प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया गया ।

17. 4 सितंबर 2021 और 18 सितंबर को विभिन्न स्कूलों के छात्रों के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम (वस्तुतः) आयोजित किया गया। छात्रों को क्षय रोग, उपचार और रोकथाम के बारे में जागरूक किया गया। डॉ. शंकर माटा, महामारी विज्ञानी, श्रीमती शादाब, एमएसडब्ल्यू और श्रीमती वनिशा, एमपीएचडब्ल्यू ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को सुगम बनाया।

18. 16 अक्टूबर 2021 को स्कूली छात्रों के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम (वर्चुअलः) आयोजित किया गया। छात्रों को क्षयरोग, उपचार और रोकथाम के बारे में जागरूक किया गया। डॉ. शंकर माटा, महामारी विज्ञानी और श्रीमती शादाब खान ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को सुगम बनाया।

19. 21 अक्टूबर 2021 को होली फैमिली कॉलेज ऑफ नर्सिंग से बी.एससी नर्सिंग छात्रों (द्वितीय और तृतीय वर्ष) के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम (फिजीकलः) आयोजित किया गया। बी.एससी के कुल 112 छात्रों नर्सिंग छात्रों ने प्रशिक्षण में भाग लिया जिसमें उन्हें बीमारी, उपचार और क्षयरोग की रोकथाम

और क्षयरोगियों ं की देखभाल में नर्सों की भूमिका के बारे में संवेदित किया गया। स्वास्थ्य नर्स श्रीमती गुरप्रीत ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहयोग दिया।

20. डीटीओ के लिए ''टीबी निवारक उपचार के प्रोग्रामेटिक प्रबंधन'' पर दो दिवसीय प्रशिक्षण 26 और 27 अक्टूबर 2021 को आयोजित किया गया । सभी डीटीओ और संबद्ध मेडिकल कॉलेजों के संकाय ने प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक और डॉ. शंकर मट्टा, महामारी विज्ञानी प्रशिक्षण सत्र के सूत्रधार थे।

21. चिकित्सा अधिकारियों के लिए ''टीबी निवारक उपचार के प्रोग्रामेटिक प्रबंधन'' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण 29 अक्टूबर 2021 को आयोजित किया गया । सभी डीटीओ और संबद्ध मेडिकल कॉलेजों के संकाय ने प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक और डॉ. शंकर मट्टा, महामारी विज्ञानी प्रशिक्षण सत्र के सूत्रधार थे।

22. आईडफीट परियोजना के तहत सीईटीआई ने डीटीओ के लिए गुणवत्ता सुधार प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए हैं। 13 नवंबर 2021 को चालू सत्र के समापन दिवस में डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक को अतिथि विशेषज्ञ के रूप में 'कर्तव्यों के प्रत्यायोजन' पर अपने अनुभवों पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया।

23. 16 नवंबर 2021 को नर्सिंग संकाय, एसजीटी विश्वविद्यालय से बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम (फिजीकल) आयोजित किया गया। कुल 112 बीएससी नर्सिंग छात्रों ने प्रशिक्षण में भाग लिया जिसमें उन्हें तपेदिक की बीमारी, उपचार और रोकथाम के बारे में जागरूक किया गया और टीबी रोगियों की देखभाल में नर्सों की भूमिका। डॉ. शंकर माटा, एपिडेमियोलॉजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, पब्लिक हेल्थ नर्स ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को सुगम बनाया।

24. एनटीईपी कार्यक्रम के तहत कार्यरत पर्यवेक्षकों के लिए 23 और 25 नवंबर 2021 को स्वस्थ ई–गुरुकुल प्लेटफॉर्म के माध्यम से 'भारत में टीबी निवारक उपचार के कार्यक्रम प्रबंधन के लिए दिशा–निर्देश – 2021' पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

25. 4 दिसंबर 2021 और 18 दिसंबर 2021 को विभिन्न स्कूलों के छात्रों के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम (फिजीकल) आयोजित किया गया। छात्रों को क्षयरोग, उपचार और रोकथाम के बारे में जागरूक किया गया। डॉ. शंकर मट्टा, महामारी विज्ञानी और श्रीमती शादाब, एमएसडब्ल्यू ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को सुगम बनाया।

26. बैपटिस्ट, चौरिटेबल ट्रस्ट, दरियागंज द्वारा बनाए गए व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन 9 दिसंबर, 2021 को किया गया। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक कार्यक्रम में शामिल हुए।

27. एनडीटीबी. केन्द्र में 21 दिसम्बर 2021 को आयोजित निराश्रित परियोजना कर्मचारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में एनजीओ, मेदांता और दिल्ली टीबी एसोसिएशन के कार्यक्षेत्र में काम करने वाले कार्यकत्ताओं ने भाग लिया। डॉ. एस. माटा, एपिडेमियोलॉजिस्ट और

सुश्री गुरप्रीत, पीएचएन ने उन्हें निदान और उपचार में हाल के दिशा–निर्देशों के बारे में जागरूक किया।

28. एईआरबी ने 28 दिसंबर 2021 को डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी (मेडिकल एक्स–रे सुविधाओं) के उपयोगकर्ताओं के लिए ''डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी में विकिरण संरक्षण'' पर एक ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। श्री वीरेंद्र, सीनियर एक्स–रे तकनीशियन और श्री अजय कुमार, कार्यक्रम में जूनियर एक्स–रे तकनीशियन ने भाग लिया।

29. 15 जनवरी 2022 को विभिन्न स्कूली छात्रों के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम (फिजीकल) आयोजित किया गया। छात्रों को क्षयरोग के उपचार और रोकथाम के बारे में जागरूक किया गया। डॉ. शंकर माटा, महामारी विज्ञानी और श्रीमती शादाब, एमएसडब्ल्यू ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को सुगम बनाया।

30. केंद्रीय टीबी प्रभाग द्वारा 21 जनवरी 2022 को टीबी का पता लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित समाधान के लिए खांसी की आवाज के संग्रह की प्रक्रिया पर एक वर्चुल प्रशिक्षण आयोजित किया गया। डॉ के.के. चोपड़ा, निदेशक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

31. टीएसए प्रणाली के सार्वभौमिक कार्यान्वयन की सुविधा के लिए 28 जनवरी 2022 को एमओएचएफडब्ल्यू और आयुष मंत्रालय के तहत स्वायत्त निकायों के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण और संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया । श्री मयंक शर्मा, लेखाकार ने कार्यक्रम में भाग लिया।

32. 15 फरवरी 2022 को बीसीटीए स्कूलों के छात्रों के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम (फिजीकलः) आयोजित किया गया। छात्रों को क्षयरोग के उपचार और रोकथाम के बारे में जागरूक किया गया। डॉ. शंकर माटा, महामारी विज्ञानी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को सुगम बनाया।

33. टेक महिंद्रा के छात्रों और कार्यक्षेत्र कार्यकर्त्ताओं का वर्चुअल संवेदीकरण 15 फरवरी 2022 को आयोजित किया गया। कुल 95 छात्रों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

34. निक्षय अखिल भारतीय में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अकाउंट (एएचबीए) बनाने के लिए एक सुविधा जारी करने के संबंध में पूरे राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों को संवेदनशील बनाने के लिए 21 फरवरी 2022 को केंद्रीय टीबी प्रभाग द्वारा आभासी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक और डॉ. एस. माटा, महामारी विज्ञानी ने बैठक में भाग लिया।

35. आरएके कॉलेज ऑफ नर्सिंग के एम.एससी अंतिम वर्ष के नर्सिंग छात्रों के लिए 23 फरवरी 2022 को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्रों को क्षयरोग के उपचार और रोकथाम और टीबी रोगियों की देखभाल में नर्सों की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। डॉ. शंकर माटा, एपिडेमियोलॉजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, पब्लिक हेल्थ नर्स ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को सुगम बनाया।

36. निजी निदान केंद्रों के माइक्रोबायोलॉजिस्ट और प्रयोगशाला तकनीशियनों ने एनडीटीबी केंद्र में ट्रूनेट और .जीनएक्सपर्ट से संबंधित प्रेरण प्रशिक्षण में भाग लिया।

37. एसटीडीसी दिल्ली में 17 मार्च 2022 को एनजीओ बीसीटीए के गुरुकुल परियोजना के तहत सामुदायिक डॉट प्रदाता के रूप में काम कर रहे प्रशिक्षकों/स्वयंसेवकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. के.के. चोपड़ा, निदेशक, डॉ. माटा, महामारी विज्ञानी और सुश्री वनिशा, एमपीएचडब्ल्यू ने उन्हें क्षयरोग की रोकथाम और समुदाय को घातक बीमारी के बारे में शिक्षित करने के बारे में जागरूक किया।

38. श्लोकया कॉलेज ऑफ नर्सिंग के जीएनएम और एएनएम नर्सिंग छात्रों के लिए 23 और 24 मार्च 2022 को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्रों को क्षय रोगियों की देखभाल में क्षयरोग के उपचार और रोकथाम में नर्सों की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। जन स्वास्थ्य नर्स श्रीमती गुरप्रीत ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को सुगम बनाया।

39. प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण 29 मार्च 2022 को एसटीडीसी दिल्ली में आयोजित किया गया जिसमें मास्टर प्रशिक्षकों को दिल्ली के विभिन्न चेस्ट क्लीनिकों से जुड़ी आशा कार्यकर्ताओं को आगे प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। ईसीएचओ टीम और यूनियन के प्रतिनिधियों ने मास्टर प्रशिक्षकों के लिए सत्र का आयोजन किया।

40. 30 मार्च 2022 और 31 मार्च 2022 (2 दिन) को सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवकों (सीएचवी) के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पांच चेस्ट क्लीनिकों की आशा कार्यकर्ताओं के साथ एसटीएस ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। प्रशिक्षण ई–स्वस्थ गुरुकुल पर था।

01 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक
नई दिल्ली टीबी केंद्र (एसटीडीसी) में आयोजित प्रशिक्षण का विवरण

प्रशिक्षण	प्रतिभागियों की संख्या
एनटीईपी कार्मिक (मेडिकल और पैरा–मेडिकल)	2442
नर्सिंग छात्र	957
विविध– (एनटीईपी कार्मिक के अलावा)	960
प्रशिक्षित कुल कार्मिक	**4359**

अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के बीच आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों में कुल 4359 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें 2442 एनटीईपी कर्मियों को शामिल किया गया था जिन्हें एनटीईपी के विभिन्न पक्षों के बारे में प्रशिक्षित किया गया।विभिन्न कॉलेजों के 957 नर्सिंग छात्रों को प्रशिक्षित किया गया और एनटीईपी के अलावा 960 कर्मियों को ''एनटीईपी के विभिन्न विषय पक्षों'' पर प्रशिक्षित किया गया। सभी प्रशिक्षणों का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:–

	प्रशिक्षण	भागीदारी शीर्षक	तिथि	वर्चुल / फिजीकल	भागीदारों की संख्या
1	ट्रूनेट मशीनों पर प्रायोगिक प्रशिक्षण	प्रयोगशाला तकनीशियन	01.04.2021	फिजीकल	3
2	ट्रूनेट मशीनों पर प्रायोगिक प्रशिक्षण	प्रयोगशाला तकनीशियन	05.04.2021	फिजीकल	3
3	ट्रूनेट मशीनों पर प्रायोगिक प्रशिक्षण	प्रयोगशाला तकनीशियन	08.04.2021	फिजीकल	5
4	दिल्ली राज्य डीटीओ की जागरूकता एवं समीक्षा बैठक	डीटीओ, चिकित्सा अधिकारी एवं निरीक्षक	21.06.2021	वर्चुल	117
5	पीएमडीटी गतिविधियों पर दिल्ली राज्य की जागरूकता एवं समीक्षा बैठक	डीटीओ, चिकित्सा अधिकारी,सीडीएसटी प्रयोगशालाओं और डीआरटीबी स्थलों के नोडल अधिकारी	28.06.2020	वर्चुल	115
6	क्षयरोग रोकाथाम नीति एवं कार्ययोजना पर जागरूकता कार्यशाला	डीटीओ, चिकित्सा अधिकारी और निरीक्षक	06.08.2021	वर्चुल	75
7	'टीबी क्लीनिक के उपचार में कठिनाई'	डीटीओ, चिकित्सा अधिकारी और निरीक्षक	11.08.2021	वर्चुल	85
8	पीएमडीटी 2021 दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण	डीआरटीबी निरीक्षक	12.08.2021 & 13.08.2021	फिजीकल	26
9	पीएमडीटी 2021 दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण	जिला क्षयरोग अधिकारी	16.08.2021 to 18.08.2021	वर्चुल	41
10	पीएमडीटी 2021 दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण	चिकित्सा अधिकारी	23.08.2021 to 25.08.2021	वर्चुल	45
11	'टीबी क्लीनिक के उपचार में कठिनाई'	डीटीओ, चिकित्सा अधिकारी और निरीक्षक	01.09.2021	वर्चुल	85
12	पीएमडीटी 2021 दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण	एसटीएस	06.09.2021 to 07.09.2021	फिजीकल	26
13	पीएमडीटी 2021 दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण	एसटीएलएस	09.09.2021 to 10.09.2021	फिजीकल	23
14	पीएमडीटी 2021	एसए, एसटीएस एवं	13.09.2021 to	फिजीकल	27

	दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण	एसटीएलएस	14.09.2021		
15	दिल्ली राज्य डीटीओ की जागरूकता एवं समीक्षा बैठक	डीटीओ, चिकित्सा अधिकारी एवं निरीक्षक	17.09.2021	हाइब्रिड	318
16	पीएमडीटी गतिविधियों पर दिल्ली राज्य जागरूकता एवं समीक्षा बैठक	डीटीओ, चिकित्सा अधिकारी,सीडीएसटी प्रयोगशालाओं और डीआरटीबी स्थलों के नोडल अधिकारी	23.09.2021	हाइब्रिड	277
17	'टीबी क्लीनिक के उपचार में कठिनाई'	डीटीओ, चिकित्सा अधिकारी एवं निरीक्षक	06.10.2021	वर्चुल	94
18	'क्षयरोग रोकथाम उपचार के प्रोगमेटिक प्रबंधन' पर प्रशिक्षण	संबद्ध मेडिकल कॉलजों के सभी डीटीओ और संकाय	26.10.2021 and 27.10.2021	फिजीकल	41
19	'क्षयरोग रोकथाम उपचार के प्रोगमेटिक प्रबंधन' पर प्रशिक्षण	चिकित्सा अधिकारी	29.10.2021	फिजीकल	40
20	'टीबी क्लीनिक के उपचार में कठिनाई'	डीटीओ, चिकित्सा अधिकारी और निरीक्षक	09.11.2021	वर्चुल	61
21	'भारत–2021 में क्षयरोग रोकथाम के प्रोगमेटिक प्रबंधन के दिशा–निर्देशों' पर प्रशिक्षण	निरीक्षक	23.11.2021	फिजीकल	2
22	'भारत–2021 में क्षयरोग रोकथाम के प्रोगमेटिक प्रबंधन के दिशा–निर्देशों' पर प्रशिक्षण	निरीक्षक	25.11.2021	फिजीकल	5
23	पीएमडीटी गतिविधियों पर दिल्ली राज्य की जागरूकता एवं समीक्षा बैठक	डीटीओ, चिकित्सा अधिकारी,सीडीएसटी प्रयोगशालाओं और डीआरटीबी स्थलों के नोडल अधिकारी	02.12.2021	हाइब्रिड	76
24	दिल्ली राज्य डीटीओ की जागरूकता एवं समीक्षा बैठक	डीटीओ, चिकित्सा अधिकारी और निरीक्षक	08.12.2021	फिजीकल	49
25	'टीबी क्लीनिक के उपचार में कठिनाई'	डीटीओ, चिकित्सा अधिकारी और निरीक्षक	09.12.2021	वर्चुल	46

26	निक्षय के बारे में दिल्ली राज्य एनटीईपी के सभी डीटीओ के लिए जागरूकता कार्यशाला का आयोजन	डीटीओ	10.12.2021	फिजीकल	9
27	निक्षय के बारे में दिल्ली राज्य एनटीईपी के सभी डीटीओ के लिए जागरूकता कार्यशाला का आयोजन	डीटीओ	13.12.2021	फिजीकल	8
28	निक्षय के बारे में दिल्ली राज्य एनटीईपी के सभी डीटीओ के लिए जागरूकता कार्यशाला का आयोजन	डीटीओ	14.12.2021	फिजीकल	6
29	निक्षय के बारे में दिल्ली राज्य एनटीईपी के सभी डीटीओ के लिए जागरूकता कार्यशाला का आयोजन	डीटीओ	15.12.2021	फिजीकल	5
30	निक्षय के बारे में दिल्ली राज्य एनटीईपी के सभी डीटीओ के लिए जागरूकता कार्यशाला का आयोजन	डीटीओ	17.12.2021	फिजीकल	7
31	'टीबी क्लीनिक के उपचार में कठिनाई'	डीटीओ, चिकित्सा अधिकारी और निरीक्षक	05.01.2022	वर्चुल	51
32	'टीबी क्लीनिक के उपचार में कठिनाई'	डीटीओ, चिकित्सा अधिकारी और निरीक्षक	02.02.2022	वर्चुल	70
33	बडी संख्या में अधिसूचित रोगियों का उपचार न शुरू हो पाने के कारणों और मुद्दों समीक्षा एवं चर्चा हेतु जागरूकता कार्यशाला	डीटीओ	22.02.2022	फिजीकल	6
34	दिल्ली राज्य एनटीईपी के अंतर्गत सभी नैदानिक/ अधिसूचित क्षयरोग मामलों के लिए जन स्वास्थ्य क्रियाकलाप बेहतर करने हेतु जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यशाला	एसटीएल, चिकित्सा अधिकारी, एमओटीसी	03.03.2022	फिजीकल	7
35	दिल्ली राज्य एनटीईपी के अंतर्गत सभी नैदानिक/ अधिसूचित क्षयरोग मामलों	एसटीएल, चिकित्सा अधिकारी, एमओटीसी	04.03.2022	फिजीकल	6

	के लिए जन स्वास्थ्य क्रियाकलाप बेहतर करने हेतु जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यशाला				
36	दिल्ली राज्य एनटीईपी के अंतर्गत सभी नैदानिक/अधिसूचित क्षयरोग मामलों के लिए जन स्वास्थ्य क्रियाकलाप बेहतर करने हेतु जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यशाला	एसटीएल, चिकित्सा अधिकारी, एमओटीसी	07.03.2022	फिजीकल	9
37	दिल्ली राज्य एनटीईपी के अंतर्गत सभी नैदानिक/अधिसूचित क्षयरोग मामलों के लिए जन स्वास्थ्य क्रियाकलाप बेहतर करने हेतु जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यशाला	डीटीओ और चिकित्सा अधिकारी	08.03.2022	फिजीकल	42
38	दिल्ली राज्य डीटीओ की जागरूकता एवं समीक्षा बैठक	एसटीएल, चिकित्सा अधिकारी, एमओटीसी	09.03.2022	फिजीकल	16
39	'टीबी क्लीनिक के उपचार में कठिनाई'	डीटीओ, चिकित्सा अधिकारी और निरीक्षक	10.03.2022	वर्चुल	93
40	'लार के नमूनों की पैकेजिंग एवं परिवहन'' के बारे में जागरूकता/क्षमता निर्माण कार्यक्रम	एसटीएलएस एवं एलटी	11.03.2022	वर्चुल	250
41	दिल्ली राज्य एनटीईपी के अंतर्गत सभी नैदानिक/अधिसूचित क्षयरोग मामलों के लिए जन स्वास्थ्य क्रियाकलाप बेहतर करने हेतु जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यशाला	एसटीएल, चिकित्सा अधिकारी, एमओटीसी	14.03.2022	फिजीकल	11
42	दिल्ली के 8 चैस्ट क्लीनिकों में टीपीटी दिशा–निर्देश के रोल आउट एवं कार्यान्वयन	डीटीओ और चिकित्सा अधिकारी	15.03.2022	फिजीकल	17

	की स्थिति की समीक्षा के लिए एसटीडीसी में 15 मार्च 2022 को जागरूकता/बैठक आयोजित की गई।				
43	दिल्ली राज्य एनटीईपी के अंतर्गत सभी नैदानिक/अधिसूचित क्षयरोग मामलों के लिए जन स्वास्थ्य क्रियाकलाप बेहतर करने हेतु जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यशाला	एसटीएल, चिकित्सा अधिकारी, एमओटीसी	16.03.2022	फिजीकल	13
44	पीएमडीटी गतिविधियों पर दिल्ली राज्य जागरूकता एवं समीक्षा बैठक	डीटीओ, चिकित्सा अधिकारी, सीडीएसटी प्रयोगशालाओं एवं डीआरटीबी स्थलों के नोडल अधिकारी	28.03.2022	हाइब्रिड	51
45	आशा कार्यकर्त्ताओं को अधिक प्रशिक्षित करने के लिए कुशल प्रशिक्षकों हेतु प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	समुदायिक डॉट प्रदाता	29.03.2022	हाइब्रिड	13
46	समुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया (सीएचवी)	समुदायिक कार्यकर्त्ता (सीएचवी)	30.03.2022 और 31.03.2022	वर्चुल	67
					2442

जैसा की उपर तालिका में दर्शाया गया है कि 2442 एनटीइपी कर्मियों का प्रशिक्षण 46 विभिन्न बैचों में किया गया।

<u>विविध प्रशिक्षण</u>

तालिकाः दिल्ली राज्य एनटीईपी कर्मियों (मेडिकल और पैरा मेडिकल) के लिए नई दिल्ली टीबी केंद्र (एसटीडीसी) में 01 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक आयोजित प्रशिक्षण का विवरण

	प्रशिक्षण	भागीदारी शीर्षक	तिथि	वर्चुल / फिजीकल	भागीदारों की संख्या
1.	''क्षय रोग (टीबी) और इसके लक्षण और रोकथाम'' पर संवेदीकरण	महिला हॉस्टल वासी	02.04.2021	फिजीकल	30
2.	आईसीएमआर परियोजना के तहत कार्यरत कर्मचारियों के एनटीईपी के तहत प्रयोगशाला सेवाओं के लिए उन्मुखीकरण	प्रयोगशाला तकनीशियन	05.04.2021	फिजीकल	6
3.	आईसीएमआर वित्त पोषित प्रयोगशाला गुणवत्ता प्रबंधन परियोजना के कर्मचारियों का प्रारंभिक प्रशिक्षण	डाक्टर और प्रयोगशाला तकनीशियन	04.05.2021 से05.05.2021	फिजीकल	7
4.	कोविड 19 परीक्षण के लिए ट्रूनेट और सीबीएनएएटी के संबंध में निजी प्रयोगशालाओं के डॉक्टरों और एलटी का प्रशिक्षण	डाक्टर और प्रयोगशाला तकनीशियन	10.05.2021	फिजीकल	5
5.	कोविड 19 परीक्षण के लिए ट्रूनेट और सीबीएनएएटी के संबंध में निजी प्रयोगशालाओं के डॉक्टरों और एलटी का प्रशिक्षण	डाक्टर और प्रयोगशाला तकनीशियन	29.06.2021	फिजीकल	6
6.	कोविड 19 परीक्षण के लिए ट्रूनेट और सीबीएनएएटी के संबंध में निजी प्रयोगशालाओं के डॉक्टरों और एलटी का प्रशिक्षण	डाक्टर और प्रयोगशाला तकनीशियन	16.07.2021	फिजीकल	8
7.	आईसीएमआर परियोजना के तहत काम करने वाले कर्मचारियों का प्रशिक्षण जिसका नाम था ''टीबी प्रसार और रिक्शा चालकों और निर्माण श्रमिकों की	स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता	19.07.2021	फिजीकल	6

	उच्च जोखिम वाली प्रमुख आबादी में टीबी और एलटीआई को कम करने के लिए कार्य''।				
8.	आईसीएमआर परियोजना के तहत कार्यरत कर्मचारियों का ट्यूबरकुलिन परीक्षण प्रशिक्षण	स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता	19.07.2021	फिजीकल	2
9.	कोविड 19 परीक्षण के लिए ट्रूनेट और सीबीएनएएटी के संबंध में निजी प्रयोगशालाओं के डॉक्टरों और एलटी का प्रशिक्षण	डाक्टर और प्रयोगशाला तकनीशियन	05.08.2021	फिजीकल	5
10.	स्कूली छात्रों के लिए आयोजित किया गया जागरुकता कार्यक्रम	स्कूली छात्र	04.09.2021	वर्चुल	90
11.	कोविड 19 परीक्षण के लिए ट्रूनेट और सीबीएनएएटी के संबंध में निजी प्रयोगशालाओं के डॉक्टरों और एलटी का प्रशिक्षण	डाक्टर और प्रयोगशाला तकनीशियन	08.09.2021	फिजीकल	6
12.	पंजाब चेस्ट सोसाइटी द्वारा आयोजित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों के बारे में पीजी छात्रों को संवेदनशील बनाना	पीजी छात्र और संकाय	08.09.2021	वर्चुल	82
13.	स्कूली छात्रों के लिए आयोजित किया गया जागरुकता कार्यक्रम	स्कूली छात्र	18.09.2021	वर्चुल	32
14.	जयपुर गोल्डन हॉस्पिटल द्वारा आयोजित बाल चिकित्सा टीबी प्रबंधन अनिवार्य के बारे में चिकित्सा अधिकारियों को संवेदनशील बनाना	पीजी छात्र और संकाय	18.09.2021	वर्चुल	95
15.	कोविड 19 परीक्षण के लिए ट्रूनेट और सीबीएनएएटी के संबंध में निजी प्रयोगशालाओं के डॉक्टरों और एलटी का	डाक्टर और प्रयोगशाला तकनीशियन	22.09.2021	फिजीकल	6

	प्रशिक्षण				
16.	स्कूली छात्रों के लिए आयोजित किया गया जागरुकता कार्यक्रम	स्कूली छात्र	16.10.2021	वर्चुल	60
17.	स्कूली छात्रों के लिए आयोजित किया गया जागरुकता कार्यक्रम	स्कूली छात्र	04.12.2021	वर्चुल	35
18.	स्कूली छात्रों के लिए आयोजित किया गया जागरुकता कार्यक्रम	स्कूली छात्र	18.12.2021	वर्चुल	60
19.	मेदांता अस्पताल और दिल्ली टीबी एसोसिएशन से निराश्रित परियोजना कर्मचारियों का प्रशिक्षण	कार्यक्षेत्र कार्यकत्ता	21.12.2021	फिजीकल	6
20.	स्कूली छात्रों के लिए आयोजित किया गया जागरुकता कार्यक्रम	स्कूली छात्र	15.01.2022	वर्चुल	73
21.	कोविड 19 परीक्षण के लिए ट्रूनेट और सीबीएनएएटी के संबंध में निजी प्रयोगशालाओं के डॉक्टरों और एलटी का प्रशिक्षण	डाक्टर और प्रयोगशाला तकनीशियन	14.02.2022	फिजीकल	3
22.	बीसीटीए स्कूल के स्कूली छात्रों के लिए आयोजित किया गया संवेदीकरण कार्यक्रम	स्कूली छात्र	15.02.2021	वर्चुल	60
23.	स्कूली छात्रों के लिए आयोजित किया गया जागरुकता कार्यक्रम	छात्र और कार्यक्षेत्र कार्यकर्त्ता	15.02.2022	वर्चुल	95
24.	बीसीटीए स्कूल के स्कूली छात्रों के लिए आयोजित किया गया संवेदीकरण कार्यक्रम	छात्र और कार्यक्षेत्र कार्यकर्त्ता	19.02.2021	वर्चुल	98
25.	टेक महिंद्रा के छात्रों और कार्यक्षेत्र कार्यकत्ताओं को जागरूक करना	डाक्टर और प्रयोगशाला तकनीशियन	25.02.2022	फिजीकल	5
26.	बीसीटीए स्कूल के स्कूली छात्रों के लिए आयोजित किया गया संवेदीकरण कार्यक्रम	अध्यापक	05.03.2022	वर्चुल	30

27.	कोविड 19 परीक्षण के लिए ट्रूनेट और सीबीएनएएटी के संबंध में निजी प्रयोगशालाओं के डॉक्टरों और एलटी का प्रशिक्षण	सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता	14.03.2022	फिजीकल	30
28.	एनजीओ बीसीटीए के गुरुकुल परियोजना के तहत सामुदायिक डॉट प्रदाता के रूप में कार्यरत प्रशिक्षकोंध्स्वयंसेवकों के लिए टीआरटी कार्यक्रम	सामुदायिक डॉट प्रदाता	17.03.2022	फिजीकल	19
	कुल				960

एनटीइपी के अलावा अन्य कर्मियों जैसे की स्कूली बच्चे, सामुदायिक स्वंयसेवको, शिक्षकों का 28 बैचों में कुल 960 कर्मियों का प्रशिक्षण किया गया।

तलिका : नई दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों के नर्सिंग छात्रों के लिए 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण

	प्रशिक्षण	भागीदारी शीर्षक	तिथि	वर्चुल/फिजीकल	भागीदारों की संख्या
1	गलगोटिया नर्सिंग कॉलेज के बीएससी नर्सिंग के छात्रों के लिए एनटीईपी जागरूकता कार्यक्रम।	नर्सिंग छात्र	14.08.2021	वर्चुल	154
2	होली फैमिली कॉलेज ऑफ नर्सिंग के बीएससीनर्सिंग छात्रों के लिएएनटीईपी संवेदीकरण कार्यक्रम	नर्सिंग छात्र	21.10.2021	वर्चुल	112
3	फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एसजीटी विश्विद्यालय के नर्सिंग छात्रों के लिए एनटीईपी संवेदीकरण कार्यक्रम	नर्सिंग छात्र	16.11.2021	वर्चुल	588
4	आरएके कॉलेज ऑफ नर्सिंग के नर्सिंग छात्रों के लिए	नर्सिंग छात्र	23.03.2022	फिजीकल	22

	एनटीईपी संवेदीकरण कार्यक्रम				
5	सलोकाया कॉलेज ऑफ नर्सिंग के नर्सिंग छात्रों के लिए एनटीईपी संवेदीकरण कार्यक्रम	नर्सिंग छात्र	23.03.2022	फिजीकल	42
6	सलोकाया कॉलेज ऑफ नर्सिंग के नर्सिंग छात्रों के लिए एनटीईपी संवेदीकरण कार्यक्रम	नर्सिंग छात्र	24.03.2022	फिजीकल	39
					957

दिल्ली राज्य के एनसीआर क्षेत्र के विभिन्न कॉलेजों की कुल 957 नर्सों को क्षयरोग के विभिन्न पक्षों पर प्रशिक्षित किया गया

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के मेडिकल छात्र

नई दिल्ली क्षय रोग केंद्र मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, सामुदायिक चिकित्सा विभाग से तैनात स्नातकोत्तर छात्रों के प्रशिक्षण और मार्गदर्शन का कार्य भी करता है। सभी स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एक सप्ताह की पोस्टिंग द्वारा उन्हें वर्ष भर एनडीटीबी केंद्र के विभिन्न विभागों में तैनात किया गया। इसका प्रयोजन उन्हें नवीनतम दिशा–निदेशों और एनटीईपी की कार्यप्रणाली के साथ व्यावहारिक जानकारी देना था। इस व्यावहारिक जानकारी में विभिन्न विषय जैसे निक्षय, डीआरटीबी प्रबंधन, क्षयरोग अधिसूचना और इसके महत्त्व, क्षयरोगियों के नैदानिक प्रबंधन इत्यादि शामिल थे।एमएएमसी के प्रशिक्षुओं को पूरे वर्ष एनडीटीबी केन्द्र के नैदानिक अनुभाग में तैनात किया जाता है जिसके द्वारा उन्हें एनटीईपी, डीआरटीबी प्रबंधन और डॉटस केन्द्र की कार्यप्रणाली का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाता है। इस वर्ष अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के बीच 163 प्रशिक्षुओं को एनडीटीबी में तैनात किया गया और विभिन्न पक्षों पर प्रशिक्षित/सजग किया गया।

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र (एसटीडीसी) में 01 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक मौलाना आजाद कॉलेज के चिकित्सा छात्रों के लिए आयोजित प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यक्रम

क्र सं	मास	प्रतिभागियों की संख्या
1	अक्टूबर 2021	47
2	नवंबर 2021	24
3	दिसंबर 2021	22
4	जनवरी 2022	24
5	फरवरी 2022	22
6	मार्च 2022	24
	कुल	163

डिफीकल्ट टू ट्रीट टीबी क्लिनिक(डी 3 टी)

पीएमडीटी दिशा–निर्देश 2021 सभी राज्यो ंको डिफीकल्ट टू ट्रीट टीबी क्लिनिक (एसडी3टी) शुरू करने की अनुशंसा करता है। राज्य के सभी जिला टीबी अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी और निजी चिकित्सक एसडी3टी क्लिनिक में चर्चा के लिए दवा प्रतिरोध के मामलों को प्रबंधित करने के लिए अपने कठिन मामलों को भेज सकते हैं। राज्य के शैक्षणिक संस्थानों के संकाय और प्रमुख निजी चिकित्सकों को सत्र के लिए विशेषज्ञ चुना जाता है। पीपीटी फॉर्म में मानकपूर्व – डिजाइन किए गए प्रारूप में मामलों को इस क्लिनिक में भेजा जाता है। यह उनके परामर्श के लिए विशेषज्ञों में से एक को सौंपा जाता हैं। सत्र के दौरान, रेफर करने वाला डॉक्टर सभी जांच और अनुवर्ती विवरणों के साथ चिकित्सा और विगत उपचाार सहित मामले के इतिहास का विवरण देते हैं और फिर विशेष मामलों के प्रबंधन में आने वाली समस्याओं को सामने रखते हैं। सत्र में भाग लेने वाले राज्य के सभी प्रतिभागी (डीटीओ, एमओ और पर्यवेक्षक) भी अपनी राय देते हैं और ऐसे मामलों के प्रबंधन में अपना अनुभव साझा करतेहैं। इसके बाद विशेषज्ञ मामले के प्रबंधन में अपने सुझाव देते हैं। समापन सत्र में समन्वयक केस प्रबंधन के लिए अुशंसाए ंतैयार करता है जिसे केस प्रस्तुत करने वाले डॉक्टर को भेजा जाता है।

दिल्ली राज्य में, यह एस डी टी 3 दिल्ली राज्य एसटीडीसी ईको हब पर संचालित किया जा रहा है और अगस्त, 2011 से नई दिल्ली टीबी केंद्र के संकाय द्वारा प्रबंधित किया जा रहा है।

वास्तव में 2017 में एसटीडीसी ईको हब की शुरुआत से ही पैरामेडिकल स्टाफ के लिए प्रत्येक माह के पहले बुधवार को केस आधारित क्लीनिकल चर्चा की जाती थीा। पीएमडीटी 2021 के दिशा–निर्देशों के अनुसार, अब इसका नाम बदलकर एसडी3टी क्लिनिक कर दिया गया है और अब प्रतिभागियों में डीटीओ,

चिकित्सा अधिकारी और निजीचिकित्सक शामिल हैं। एसडी3टी का दूसरा भाग परिचर्चात्मक है जो आमतौर पर प्रस्तुत मामले से संबंधित या एनडीटीबीकेंद्र, मेडिकल कॉलेजों और दिल्ली राज्य के अन्य शैक्षणिक संस्थानों के संकाय द्वारा दिए जाने वाले टीबी प्रबंधन के नवीनतम पक्ष से संबंधित होता है।

एसटीडीसी हब से 2021–22 के दौरान आयोजित डी3टी क्लीनिक की सूची

क्रम सं.	तिथि	केस प्रस्तुतकर्त्ता	द्वारा परिचर्चा
1.	11.8.2021	एल एन डी आर टी बी स्थल के चिकित्सा अधिकारी डा अब्बास	डा के के चोपडा, निदेशक, एनडीटीबीसी, क्षयराकबकि निरोधक उपचार पर
2.	1.9.2021	डा शिल्पी गोयल,, हेडगेवार हस्पताल की डीटीओ	डा दिनेश, डीटीओ, चौ.देसराज हस्पताल, ''क्षयरोग के सर्जिकल प्रबंधन
3.	6.10.2021	डीटओ, शास्त्री पार्क चैस्ट क्लीनिक	डा कौशल, एनडीटी बीके न्द माइक्रोबायोलॉजिस्ट क्षयरोग में संक्रमण नियंत्रण'' पर
4.	9.11.2021	डीटओ, एसपीएम चैस्ट क्लीनिक	डा बालामेनन, निदेशक,प्रोफेसर प्लमनरी मेडिसन, वीपी चैस्ट क्लीनिक संस्थान, ''क्षयरोग में रेडियालॉजिकल इमेजिंग'' पर'
5.	9.12.2021	डा उमेश, डीटओ, नेहरू नगर चैस्ट क्लीनिक .	डा प्रवीण, एनटीईपी परामर्शक, 'टीपीटी एव ंनिरोधक टीबी एप्प'' पर
6.	5.1.2022	डा सुनील कुमार, डीटीओ, मोती नगर चैस्ट क्लीनिक.	डा अमनगुप्ता, एनटीईपी, परामर्शक,''एनटीईपी नवीन परिवर्तन'' पर
7.	2.2.2022	डा दीपमणि, डीटीओ, मालवीय नगर चैस्ट क्लीनिक	डा खालिद, डीटीओ, एनआईटीआरडी '' एनटीईपी में नवीन संवर्धन'' पर
8.	10.3.2022	डा बख्शी, डीटीओ, एनडीएमसी चैस्ट क्लीनिक	डा बी के वशिष्ट, एसटीओ, दिल्ली,''ई–लर्निंग मॉड़यूल'' पर

एनटीईपी की तिमाही रिपोर्टो का विश्लेषण

दिल्ली राज्य की एनटीईपी के अंतर्गत सभी चैस्ट क्लीनिकों की तिमाही रिपोर्टों (लार संपरिवर्तन, उपचार परिणाम एवं कार्यक्रम प्रबंधन) का संकलन और तैयार करना तथा उनकी फीडबैक एसटीडीसी की प्रमुख गतिविधियों में से एक है। दिल्ली में प्रत्येक चैस्ट क्लीनिक की तिमाही रिपोर्टो का विश्लेषण किया जाता है और फीडबैक तैयार की जाती है जिसमें सुधार के लिए आवश्यक निर्देश शामिल होते हैं और जिला क्षयरोग अधिकारियों की तिमाही समीक्षा बैठकों में इसकी समीक्षा की जाती है। ये सभी फीडबैक और राज्य की संकलित रिपोर्टों जिला क्षयरोग अधिकारियों को भेजा गया तथा इनकी प्रतियां राज्य क्षयरोग नियंत्रण अधिकारी तथा केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग,स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को दी गई।

तालिका –

दिल्ली राज्य में छाती क्लानिकों में कुल क्षयरोग मामलों की अधिसूचना का क्रमवार वार्षिक प्रदर्शन

1–1–2021 से 31–12–2022 तक

क्र सं	छाती क्लीनिक	सार्वजनिक क्षेत्र से अधिसूचना	निजी क्षेत्र से अधिसूचना
1	बिजवासन	1094	818
2	बी जे आर एम	1851	268
3	बी एस ए	2638	17827
4	चैाधरी देसराज	1413	374
5	डी डी यू एच	1371	775
6	जी टी बी एच	3114	680
7	गुलाबी बाग	2569	983
8	हैडगेवार	703	129
9	झंडेवालान	1259	370
10	करावल नगर	792	112
11	के सी सी	2573	957
12	लोकनायक ह	3080	538
13	एनआईटीआरडी	3395	317
14	मालवीय नगर	13640	1278
15	मोती नगर	3133	581
16	नरेला	2409	1373
17	एन डी एम सी	4931	229
18	नेहरु नगर	3873	2106
19	पटपड़गंज	3937	752
20	आर के मिशन	659	1168

21	आर टी आर एम	1769	326
22	एस जी एम एच	2592	170
23	शाहदरा	2009	780
24	एस पी एम	907	898
25	जे पी अस्पताल	2567	1773
	कुल	**68278**	**35582**

1 जनवरी 2021 से 31 दिसंबर 2021 के दौरान, कुल 103860 मामले दिल्ली राज्य में अधिसूचित किये गये जिनमें से 35582 मामले निजी क्षेत्र से एवं 68278 मामले सार्वजनिक क्षेत्र से अधिसूचित किये गये ।

निक्षय पोर्टल में डेटा के आधार पर कार्यक्रम संकेतकों का हर तिमाही विश्लेषण किया जाता है। राज्य में एनटीईपी गतिविधियों से जूड़े जिला क्षयरोगी अधिकारियों, राज्य क्षयरोग सेल के कर्मचारियों, गैर सरकारी संगठनों और भागीदारों के साथ समीक्षा बैठक में निष्कर्षों को संकलित और चर्चा की गई है। वर्ष के दौरान समीक्षा की गई एनटीईपी गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार है –

अनुमानित क्षयरोग परीक्षा दर (प्रति लाख)

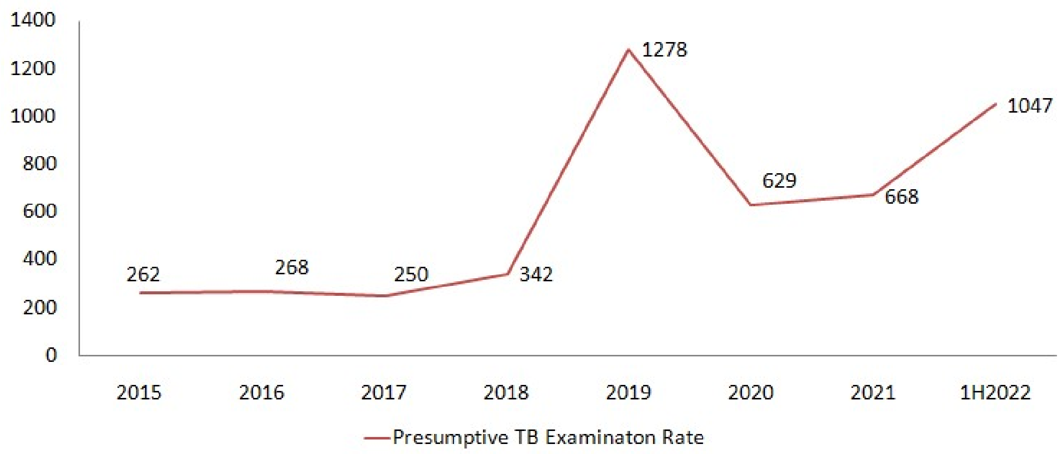

2018 के बाद से तेजी से आणविक नैदानिक परीक्षणों की शुरुआत के साथ अनुमानित परीक्षा दर में वृद्धि हुई है। कोविड महामारी के कारण 2020–2021 के दौरान दर में अचानक गिरावट आई थी, जो 2022 की पहली छमाही के दौरान बढ़ी है।

वार्षिक क्षयरोग मामलों की अधिसूचना दर

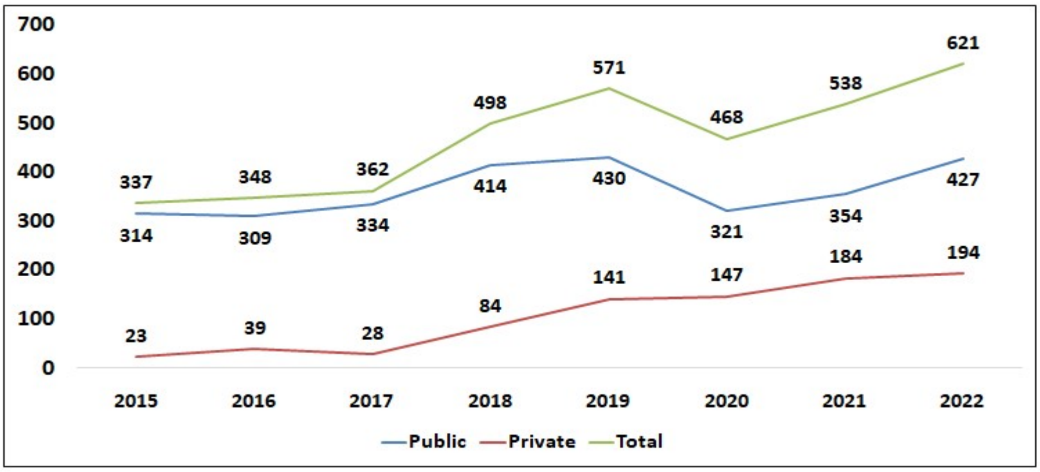

कोविड महामारी के कारण 2019 और 2020 के अंतिम भाग में गिरावट को छोड़कर सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में क्षयरोग मामलों की अधिसूचना दर में लगातार वृद्धि हुई है और तब से इसमें तेजी आई है।

क्षयरोग अधिसूचना (सार्वजनिक एवं निजी)

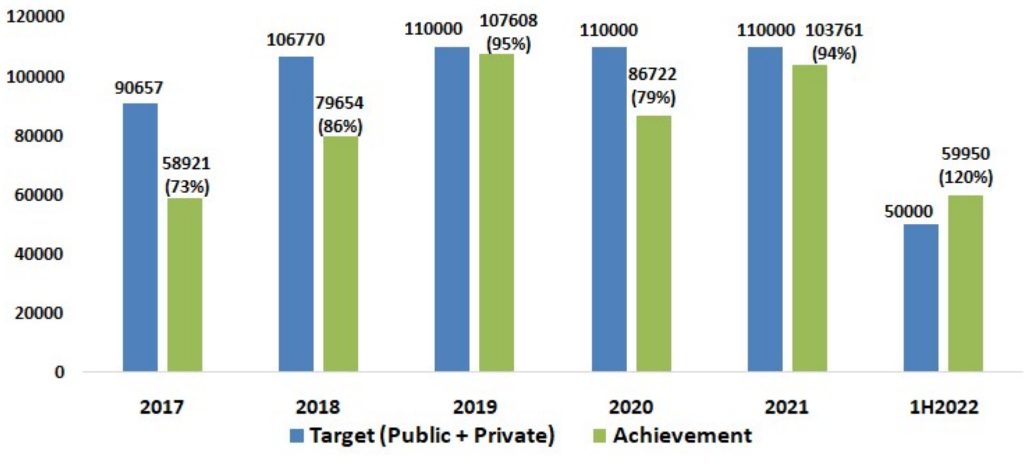

राज्य के लिए निर्धारित लक्ष्य के संदर्भ में क्षयरोग अधिसूचना में लगातार वृद्धि हुई है। दरसहल साल 2022 के शुरुआती दौर में 120 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल हुई है।

डीआरटीबी मरीज जो इलाज पर रखे गये

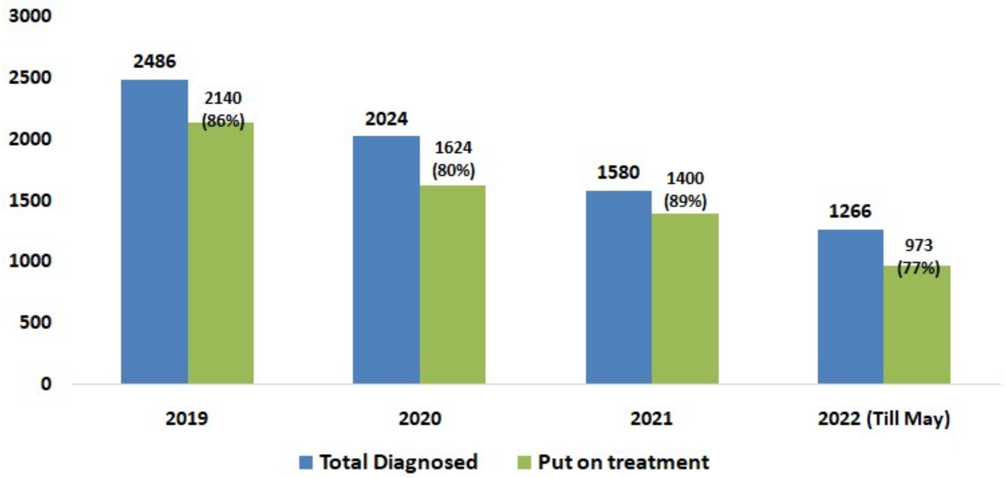

बार चार्ट हमारे राज्य में निदान किए गए लोगों के बीच डीआरटीबी मरीजों का इलाज दिशाता है। दर कम है क्योंकि पड़ोसी राज्यों से कई रोगी निदान (बेहतर सुविधाओं के कारण) के लिये दिल्ली आते है और इलाज के लिये अपने मूल स्थान पर भेज दिये जाते हैं ।

एचआईवी स्थिति

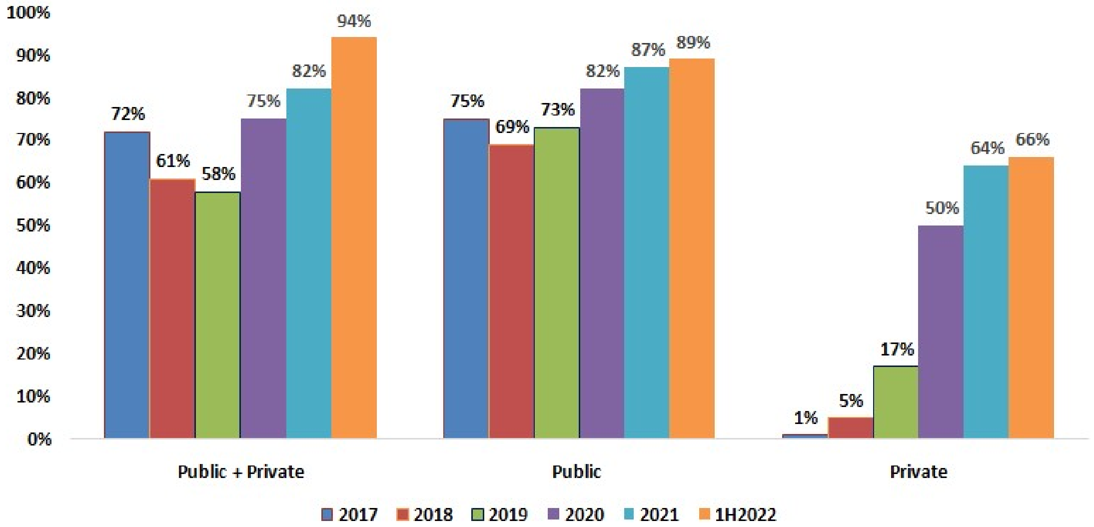

चार्ट जाने गये एचआईवी स्थिति वाले पंजीकृत क्षयरोग मामलों की संख्या को दर्शाता है। हमारे राज्य में पंजीकृत क्षयरोग के 90 प्रतिशत से अधिक मामलों में उनकी एचआईवी स्थिति दर्शाता है (सार्वजनिक एवं निजी दोनों)। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यदि क्षयरोगी एचआईवी से सह–संक्रमित होता है तो उन्हें बेहतर उपचार परिणाम प्राप्त करने के लिये एआरटी पर भी रखा जाता है।

सार्वजनिक दवा संवेदनशीलता परीक्षण (यूएसडीटी)स्थिति

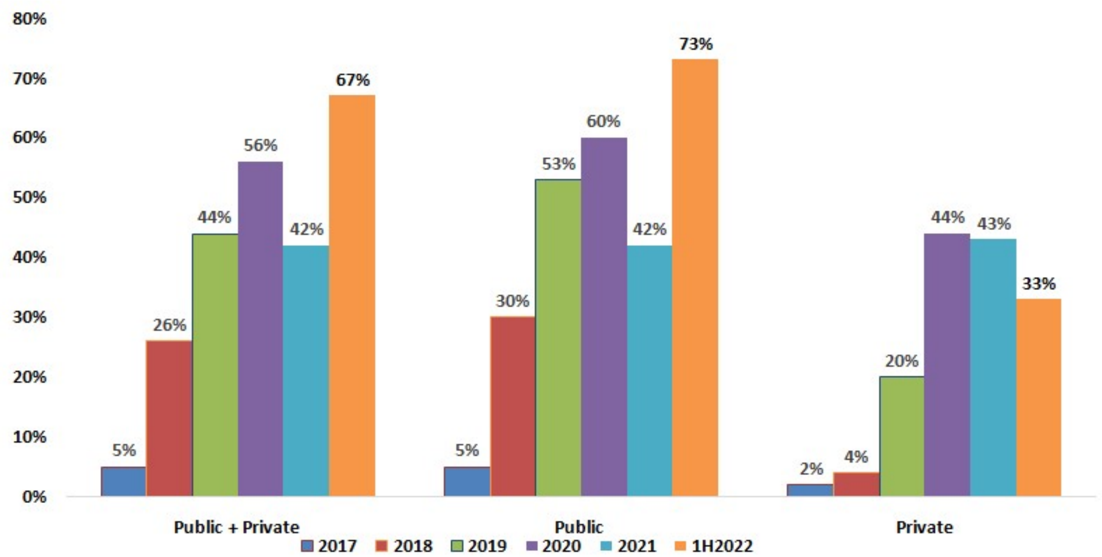

यह चार्ट निदान किये गये क्षयरोग मामलों के अनुपात को उनकी ज्ञात डीएसटी स्थिति (कम से कम रिफैम्पिसिन के लिये प्रतिरोध) के साथ दिखाता है ताकि रोगी को उचित उपचार पर रखा जा सके। हमारे राज्य में कुल क्षयरोग के 67 प्रतिशत मामलों में उनकी यूएसडीटी स्थिति (सार्वजनिक एवं निजी दोनों) का पता चलता है।

निक्षय पोक्षण योजना (एनपीवाई) स्थिति

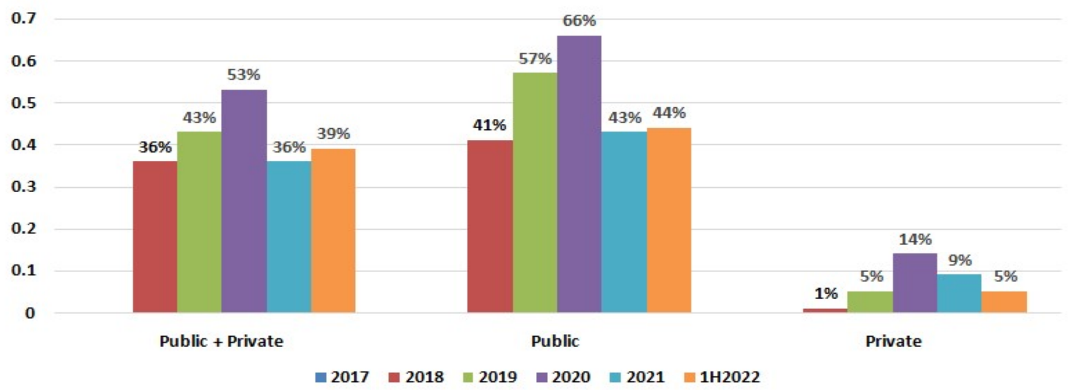

यह उन क्षयरोग मामलों के अनुपात को दर्शाता हैं जिन्हें एनपीवाई की कम से कम एक किस्त का भुगतान किया गया है (सीधे बैंक हस्तांतरण द्वारा टीबी रोगी को पोषण संबधी सहायता के लिये धन) । कुल 39 प्रतिशत मामलों (सार्वजनिक एवं निजी दोनों) को यह लाभ मिला है।

उपचार के परिणाम की स्थिति

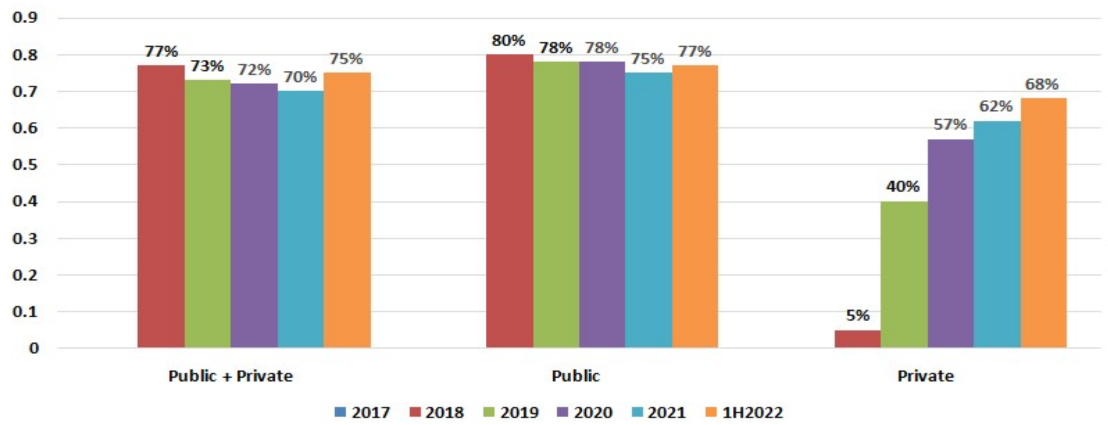

चार्ट पिछले वर्षों के दौरान सफल उपचार परिणाम दिखाता है। यह लगभग 75 प्रतिशत (सार्वजनिक एवं निजी दोनों) है। यह कम है क्योंकि एनटीईपी के तहत हम निदान किये गये मामलों में परिणाम की गणना करते है लेकिन दिल्ली में कम से कम 30 प्रतिशत मामलें पड़ोसी राज्यों के लिये है जिन्हें निदान के बाद रेफर किया जाता है और उनके उपचार के परिणाम को एकत्र करना मुश्किल होता है।

नैदानिक अनुभाग

1940 में निर्मित नैदानिक अनुभाग एनडीटीबीकेंद्र का एक अभिन्न अंग है। इसे एक मॉडल टीबी क्लिनिक के प्रोटोटाइप के रूप में स्थापित किया गया था। यह सभी रोगियों को सर्वोत्तम कल्पनीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित है। यह राज्य औ दिल्ली के पड़ोसी राज्यों के भीतर सभी जटिल और कठिन मामलों के लिए सुपर–स्पेशियलिटी रेफरल ओपीडी के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त है।

राज्य–स्तरीय टीबी केंद्र के भीतर एक क्लिनिक होने के अलावा हम अस्थमा, सीओपीडी, निमोनिया, आईएलडी, एचएसपी, एबीपीए, सारकॉइडोसिस, पल्मनरी हाइडैटिडोसिस और मैलिग्नेंसी से लेकर विभिन्न प्लमनरी स्थितियों वाले रोगियों के साथ अनैदानिक अतिरिक्त प्लमनरी क्षयरोगियों को भी सेवाएं प्रदान करते हैं। रेडियोलॉजिकल विभाग और फार्मेसी के साथ ओपीडी प्रतिदिन (सप्ताह में छः दिन) सुबह 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक चलती है। ।

क्लिनिकल सेक्शन द्वारा एक विशेष कोविड क्लिनिक संचालित किया जाता है। यह ओपीडी के आधार पर वायुमार्ग की रुकावट के सभी मामलों में रोगी केंद्रित समाधान और राहत प्रदान करता है।

वर्ष 2021–2022 में कोविड–19 महामारी व्याप्त रही जिसमें डेल्टा लहर का सर्वत्र प्रकोप रहा। इसके परिणामस्वरूप कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा जिसमें सभी स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के संपर्क और संक्रमण का निरंतर जोखिम, उच्च स्तर का तनाव, सामाजिक व्यवधान और अनिश्चितता शामिल है।

मौजूदा स्वास्थ्य संकट को ध्यान में रखते हुए हमने अपने प्रोटोकॉल को मजबूत किया, ऐसे कठिन समय में सभी रोगियों को बिना किसी रुकावट के सेवाएं प्रदान की गई।

पिछले बारह महीनों में हमारी ओपीडी में 16325 लोग आए। हमारे विशेष सीओएडी क्लिनिक ने 767 रोगियों को रोग निवारण किया। हमारी रेडियोलॉजी सेवाएं भी साल भर जारी रहीं और 2170 छाती का एक्स–रे किए गए।

रोगी देखभाल के अतिरिक्त चिकित्सा और पैरा–मेडिकल स्टाफ को व्यावसायिक विकास के अवसरों के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण और शिक्षण प्रदान करने में नैदानिक अनुभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। पिछले एक साल में यहां एमएएमसी के 163 इंटर्न और एमबीबीएस स्नातकों को प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने नियमित शिक्षण गतिविधियों में भाग लिया जिसमें 12 संगोष्ठियां और 24 नैदानिक मामले की चर्चा, 18 जर्नल समीक्षा और 16 केस समीक्षा शामिल हैं। इस वर्ष क्लिनिकल सेक्शन के डॉक्टरों के लिए अतिसंवेदनशीलता न्यूमोनाइटिस, कोविड–19 और कोविडोत्तर ध्यान दिए जाने योग्यप्रमुख क्षेत्र थे।

विगत का विवरण लेने के सभी बुनियादी कौशल, नैदानिक परीक्षा, छाती के एक्स–रे की व्याख्या और सभी प्रासंगिक नैदानिक परीक्षण और उपचार कौशल उन्हें प्रदान किए जाते हैं। प्लमनरी मेडिसिन, रेडियोलॉजी और टीबी के क्षेत्र में क्लिनिकल प्रशिक्षण केंद्र में चल रही ओपीडी के सुदृढ बिंदु हैं। विगत का विवरण लेने और सही निदान पर उपयुक्त बल दिया जाता है जिसमें मूल नैदानिक कौशल और रेडियोलॉजी के साथ–साथ लार की जांच का एक बुनियादी प्रोटोकॉल के रूप में पालन किया जाता है।

इस वर्ष निम्नलिखित संगोष्ठियां/मामलों पर चर्चा/समीक्षाएं की गई :–

नैदानिक कौशल

1. सामान्य प्लमनरी लक्षण
2. पुरानी खांसी
3. हेमियोप्टाइसिस
4. इतिहास जानना
5. छाती एक्स–रे
6. प्लमनरी फंक्शन जांच

क्षयरोग

1. क्षयरोग का प्रयोगशाला निदान
2. नई नैदानिक जांच
3. विशेषस्थितियों में क्षयरोग : मधुमेह, एचआईवी और सहरोग
4. विशेष जनसंख्या में क्षयरोग : बच्चे, गर्भवती महिलाएं और वरिष्ठ जन
5. एटीटी के साइड अफेक्ट
6. दवा प्रतिरोधक क्षयरोग का प्रबंधन (एमडीआर एवं एक्सडीआर)
7. एक्सट्रा प्लमनरी क्षयरोग
8. टीपीटी – टीबी रोकथाम उपचार

अन्य

1. कोविड 19 : क्लीनिकल प्रजेन्टेशन और नैदानिक जांच
2. कोविड में सीएसएस
3. म्यॅटेन्ट स्टेन कोविड–19
4. पोस्ट कोविड
5. ब्रोंकाइटिंस
6. प्लीरल इफ्यूजन
7. हाइपरसेसटिवटी Pneumonitis
8. जीआईएनए दिशा–निदेश
9. जीओएलडी दिशा–निदेश
10. समुदाय अर्जित निमोनिया
11. प्लमनरी पुनर्वास

वर्ष के दौरान कुल ओपीडी उपस्थिति (2021-2022)

क्रम सं	माह	ओपीडी उपस्थिति			विशेष ओपीडी (सीओएडी)	एक्सरे
		नई ओपीडी	ओपीडी दुबारा	कुल		
01	अप्रैल	283	275	558	27	126
02	मई	108	89	197	33	61
03	जून	170	117	287	47	142
04	जुलाई	521	389	910	67	136
05	अगस्त	730	651	1381	73	209
06	सितंबर	1252	1187	2439	74	224
07	अक्टूबर	1129	1125	2254	74	228
08	नवंबर	862	874	1736	74	204
09	दिसंबर	664	646	1310	98	240
10	जनवरी	388	418	806	53	133
11	फरवरी	699	637	1336	64	183
12	मार्च	1111	1037	2148	83	284
	कुल	**7917**	**7445**	**15362**	**767**	**2170**

जनपादिक अनुभाग

महामारी विज्ञान अनुभाग एनटीईपी कार्यक्रम की निगरानी और दिल्ली राज्य के मूल्यांकन से संबंधित गतिविधियों में शामिल है। गतिविधियों का विश्लेषण, संकलन और राज्य और राष्ट्रीय स्तर की समीक्षा में प्रस्तुत किया जाता है। इस वर्ष से, यहां तक कि पीएचआई वार जिले की समीक्षा भी शुरू की गई जिसमें जिले के प्रत्येक पीएचआई में जिला टीबी स्तर के प्रदर्शन संकेतकों का मूल्यांकन किया जाता है ताकि पीएचआई की कार्यकारिता में कमी का पता लगाया जा सके और कार्यकारिता कम होने में कोई समस्या हो तो उसका समाधान किया जा सके। वर्ष के दौरान इस गतिविधि का विवरण निगरानी और पर्यवेक्षण अनुभाग में दिया गया है।

महामारी विज्ञान खंड की प्रमुख उपलब्धियों में से एक इस वर्ष स्वस्थ ई–गुरुकुल मंच पर प्रशिक्षण की शुरुआत थी जिसके तहत दिल्ली के 5 चेस्ट क्लीनिकों से आशा कार्यकर्ताओं के पहले बैच को यूनियन और ईसीएचओ इंडिया टीम की मदद से प्रशिक्षित किया गया।

एनडीटीबीकेन्द्र–एसटीडीसी ईको टीबी हब

सामुदायिक स्वास्थ्य परिणामों का विस्तार (ईसीएचओ) भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य जानकारी नेटवर्क को बदलने का एक प्रयास है जो देश के लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करता हैईसीएचओ इंडिया ने राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) कार्यक्रम में सहायता के लिए देश भर में टीबी ईसीएचओ शुरू करने के उनके अनुरोध को पूरा करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत क्षयरोग प्रभाग (सीटीडी) के साथ भागीदारी की और राज्य टीबी सेल (एसटीसी) और राज्य टीबी और निरूपण केंद्र (एसटीसीडी) की तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करते हुए प्रति कार्यात्मक कार्य किया तथा उसके बाद, 2025 तक टीबी को समाप्त करने के भारत सरकार (जीओआई) के लक्ष्य को प्राप्त करने में निरंतर सहायता कर रहा है। प्रशिक्षण और समीक्षा सत्रों के लिए ई–मॉड्यूल और ईसीएचओ प्लेटफॉर्म का निरंतर उपयोग किया जा रहा हैं।

छात्र पोस्टिंग

महामारी विज्ञान अनुभाग का एक अभिन्न अंग मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के छात्रों की पोस्टिंग है। इन पोस्टिंग के दौरान छात्रो का मूल्यवान अनुभव प्राप्त होता है जिससे उन्हें क्षयरोग कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया जाता है। इस वर्ष जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय की एक छात्रा को फरवरी 2022 में नई दिल्ली क्षय रोग में तैनात किया गया था। उसे इंटरैक्टिव सत्रों द्वारा क्षयरोग के विभिन्न पहलुओं को जानने के लिए केंद्र के विभिन्न विभागों में तैनात किया गया था।

विभिन्न संगठनों के कर्मचारियों की स्क्रीनिंग

विभिन्न संगठनों से टीबी के लिए कर्मचारियों की स्क्रीनिंग केंद्र की एक वार्षिक गतिविधि है। विभिन्न दूतावासों, राष्ट्रीय प्राणी उद्यान और अन्य संगठनों के कर्मचारी निश्चित दिनों और समय पर केंद्र में आते हैं और टीबी की जांच की जाती है। प्रकल्पित मामलों को तदनुसार चैस्ट क्लीनिकों में भेजा जाता है। इस वर्ष कोविड–19 प्रतिबंध के कारण विभिन्न संगठनों के कर्मचारी स्क्रीनिंग के लिए केंद्र नहीं आ सके।

जनस्वास्थ्य अनुभाग

सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुभाग उक्त लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य नर्स, चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता और बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता जैसे कर्मियों के स्वास्थ्य में सुधार के उद्देश्य से काम करता है। वे विभिन्न समुदाय आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार के विशिष्ट उद्देश्य के साथ क्षयरोग पर विभिन्न गहन कार्यक्रमों की योजना बनाने में शामिल हैं। अनुभाग की गतिविधियां इस प्रकार हैः

स्कूल स्वास्थ्य गतिविधियां

सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुभाग जनता के स्वास्थ्य में सुधार के उद्देश्य से काम करता है। वर्ष के दौरान, जन स्वास्थ्य अनुभाग के कर्मचारी मुख्य रूप से दिल्ली के विभिन्न स्कूलों के स्कूली बच्चों को प्रशिक्षण और संवेदनशील बनाने में शामिल थे। यह एक प्रमुख गतिविधि थी जिसमें बच्चों के अलावा स्कूल के कर्मचारियों और शिक्षकों को भी निकट के चैस्ट क्लिनिक में टीबी छाती के लक्षणों की पहचान करने और रेफर करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। दिल्ली के विभिन्न स्कूलों के बच्चों को लक्षित कर हर महीने दो संवेदीकरण सत्र आयोजित किए गए।

कक्षा 9वीं से 12वीं के साठ से अधिक छात्रों को क्षयरोग इसके बचाव और उपचार के बारे में एनडीटीबी केंद्र के स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा क्षयरोग पर प्रश्नोत्तर सत्र के साथ जागरूक किया गया। एसपीवाईएम (सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ यूथ एंड मास) के सात स्टाफ टीम लीडर्स को 9/03/2021 को क्षयरोग रोग के विभिन्न पक्षों के बारे में जागरूक किया गया और उसके बाद समूह चर्चा की गई।

स्वास्थ्य चर्चाएं

लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न उपाय किए जाते हैं उनमें से एक उपाय स्वास्थ्य चर्चा है। स्वास्थय चर्चा में व्यक्ति से विभिन्न मुद्दो पर बात की जाती है जिसमें उसके साथ कुछ बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए अच्छे के महत्त्व प्रति स्वास्थ्य के प्रति सजग किया जाता है। इस विचार को ध्यान में रखते हुए ओपीडी हाल में नियमित आधार पर क्षयरोग पर स्वास्थय चर्चा की जाती है। रोगियों को फ्लिप चार्ट द्वारा क्षयरोग के बारे में मूल जानकारी दी जाती है। इस फ्लिप चार्ट को रोगी देख और पढ़ सकते हैं। वर्ष के दौरान 60 से अधिक छात्रों जो 9 से 12वी कक्षा के थे उनको क्षयरोग बीमारी, निदान, उपचार के बारे में बताया गया जिसके बाद प्रशन–उतर अधिवेशन भी किया गया।

क्षयरोग जागरूकता

पूरे वर्ष संवेदनशील समूहों और सामान्य जनता के साथ स्वास्थ्य वार्ताएं की जाती हैं। यह वार्ताएं नुक्कड नाटकों/नाटकों, व्याख्यानों, फ्लिपचार्ट, चित्रकला प्रतियोगिता इत्यादि के माध्यम से की जाती हैं।

टीबी सुपरवाइजरी कोर्स

टीबी सुपरवाइजरी कोर्स एनडीटीबी द्वारा संचालित 3 माह का पाठ्यक्रम है। यह कोर्स स्वास्थय अनुभाग द्वारा नैदानिक अनुभाग के सहयोग से संचालित किया जाता है। यह तीन माह का कोर्स है जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से छात्रों का चयन किया जाता है। कोर्स में क्षयरोग के विभिन्न पक्ष शामिल है जिसमें अध्यापन, व्यावहारिक प्रशिक्षण, क्षेत्र के दौरे और प्रतिपादन प्रशिक्षण के प्रमुख अंग हैं। छात्रों को केन्द्र के विभिन्न विभागों में भेजा जाता है जिसमें एपीडिमलॉजी विभाग, नैदानिक अनुभाग, डॉट केन्द्र और मॉनटॉक्स कक्ष शामिल है। छात्र केन्द्र की विभिन्न गतिविधियों में शामिल होते हैं जैसे रोगियों में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए उनसे बात करना, उनकी काउंसलिंग करना इत्यादि। कोर्स समाप्त होने पर छात्रों की प्रायोगिक और सैद्धांतिक परीक्षा ली जाती है और कोर्स सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें टीबीएचवी कम्पलीशन कोर्स प्रमाणपत्र दिया जाता है। यह कोर्स एनटीईपी द्वारा मान्यता प्राप्त है। 3 माह की अवधि के दौरान छात्रों को निम्नलिखित के बारे में सजग किया गया :

- क्षयरोग
- एनटीईपी
- समुदाय आधारित परस्परता सहित क्षयरोग के सामान्य पक्ष

रोगी प्रदाता बैठकें

पर्यवेक्षित उपचार रोगियों को उनकी दवाएं नियमित रूप से लेने और क्षयरोग का उपचार पूरा करने में सहायता करता है। इसके माध्यम से यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि प्रदाता सही देखभाल प्रदान करे और वह उपचार में आने वाली बाधा को जानने में सक्षम हों। रोगी प्रदाता बैठकों से यह सुनिश्चित होता है कि रोगी को सही अंतराल पर सही डोज पर सही एटीटी ले। डॉट केन्द्र में रोगी और प्रदाता की साप्ताहिक बैठक पैरा मेडिकल स्टाफ द्वारा की जाती है।

सामुदायिक बैठकें

एनटीईपी के अंतर्गत सामुदायिक बैठकें नियमित तौर पर पूरे राज्य में की जाती है। एनडीटबी केन्द्र पर भी यह बैठकें नियमित की जाती हैं। ये बैठकें एनडीटबी के स्टाफ/टीबीएचवी छात्रों द्वारा संचालित की जाती हैं। उपचाराधीन/स्वस्थ हो चुके लगभग 20 से 30 क्षयरोगी और उनके परिवार के सदस्य प्रत्येक बैठक में भाग लेते हैं और उपचार की सुविधाओं के बारे में अपने अनुभव साझा करते हैं और उपचार से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान करते हैं। इस क्रियाकलाप के पीछे यह विचार कार्य करता है कि क्षयरोग और उसके उपचार के बारे में जन जागरूकता पैदा हों। वर्ष के दौरान 26 स्वास्थ्य चर्चा, 24 पीपीएम मिलन, 5 सामुदायिक बैठके एवं 10 विभिन्न बैठके (कुल 65) की गयी।

मैनटॉक्स जांच

मैनटॉक्स जांच एनडीटीबी केन्द्र पर की जाती है। एडीटीबी केन्द्र की ओपीडी के अतिरिक्त विभिन्न सरकारी हस्पतालों और निजी चिकित्सकों द्वारा भी रोगियों को मैनटॉक्स जांच के लिए केन्द्र में रेफर किया जाता है। अप्रैल 2021 से मार्च 2022 की अवधि में एनडीटीबी में 6409 मैनटॉक्स परीक्षण किए गए। इनमें से

5777 रोगियों के परिणाम उपलब्ध हैं। इनमे से 3116 मरीजो का रीएक्टर्स 10 एमएम से अधिक है 2116 मरीजो का रीएक्टर्स 10 एमएम से कम है।

मैन्टॉक्स जांच का माह वार विवरण नीचे दिया गया हैः

माह	कुल परीक्षण	पठित	रीएक्टर्स >10 एमएम	रीएक्टर्स <10 एमएम
अप्रैल 2021	192	176	89	87
मई 2021	14	12	7	5
जून 2021	23	19	11	8
जुलाई 2021	324	289	176	113
अगस्त 2021	597	525	299	226
सितंबर 2021	1188	1049	535	514
अक्टूबर 2021	1007	925	544	381
नवंबर 2021	747	688	509	179
दिसंबर 2021	539	483	313	170
जनवरी 2022	312	283	202	81
फरवरी 2022	551	501	382	119
मार्च 2022	915	827	594	233
कुल	**6409**	**5777**	**3661**	**2116**

विश्व टीबी दिवस समारोह

हर साल हम विश्व टीबी दिवस को विश्व टीबी सप्ताह के रूप में मनाते हैं जहां हम पूरे सप्ताह टीबी पर विभिन्न गतिविधियों का संचालन करते हैं और फिर विजेता को पुरस्कार प्रदान कर कार्यक्रम को समापन करते हैं। इस वर्ष 3 से 9 जनवरी 2022 तक एक सप्ताह तक चलने वाला विशिष्ट कार्यक्रम ''आजादी का अमृत महोत्सव'' विश्व टीबी दिवस–2022 के साथ मनाया गया। विश्व टीबी दिवस बहुत बड़े स्तर पर मनाया गया जहां हमने एक महीने का कार्यक्रम आयोजित किया जो 23 फरवरी 2022 से– 28 मार्च 2022 तक चला। नई गविधियां की गई जैसे वृक्षारोपणके साथ एनडीटीबी और एलएनजेपी अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा टीबी परिप्रेक्ष्य पर निर्मित कोलाज को टीबी के दिग्गजों द्वारा जारी किया गया ।

इस वर्ष केंद्र प्लान इंडिया द्वारा वित्त पोषित दिल्ली में कार्यरत ''द्वितीय अधिनियम'' नाम के एक गैर सरकारी संगठन के साथ जुड़ा। ''प्लान इंडिया'' दिल्ली के सभी क्षेत्रों में द्वितीय अधिनियम द्वारा प्रबंधित एमसीडी के गुलाबी शौचालयों के कर्मचारियों को प्रशिक्षित करता है। दिल्ली के विभिन्न जोन में 18 गुलाबी शौचालयों का प्रबंधन द्वितीय एक्ट द्वारा किया जा रहा है और वे महिलाओं को क्षमता निर्माण/प्रशिक्षण देते हैं, बुक क्लब, स्तनपान, सैनिटरी पैड निपटान आदि प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त इन गुलाबी शौचालयों के कर्मचारी उन महिलाओं की मदद करते हैं जो अपने क्षेत्रों में उनसे मिलने जाती हैं। गुलाबी शौचालयों का एक बहुत अच्छा और आरामदेह परिवेश निर्मित किया गयाजिसमें महिलाओं के पास चाय और कॉफी के लिए अलग रसोईघर, अलग किताब पढ़ने की जगह, बच्चे के स्तनपान के लिए अलग जगह दी जाती है जिससे कि गुलाबी शौचालय आने वाली महिलाओं को एक अलग अनुभव दिया जा सके जहां वेअपने घर की चिंताओं से मुक्त होकर कुछ अच्छा समय बिता सकें ।

टीबी रोधक माह के दौरान अन्य प्रमुख गतिविधियां

- घर में स्वास्थ्य की बातः : 32
- पीपीएम(रोगी प्रदाता बैठक): 32
- बाहरी स्वास्थ्य वार्ता : 6
(बच्चोंका घर (अनाथालय)

एसपीवाईएम (बाल नशा मुक्ति केंद्र) पुरुष और महिला

- समुदाय बैठकें: 2 (रोशन पुरा, हौज काजी)
- मेट्रो स्टेशन टीबी संवेदीकरणः 3 बार
- डॉट्स रोगियों द्वारा वृक्षारोपण : 7 (पौधे)
- सड़क पर काम करने वालों का टीबी संवेदीकरणः 3
- समुदाय के लिए स्टाफ द्वारा निर्मित और दिल्ली नगर निगम द्वारा अनुरक्षित गुलाबी शौचालय का संवेदीकरण 1

क्षयरोगरोधी सप्ताह का आयोजन

प्रत्येक वर्ष मार्च मे ंहम विश्व क्षयरोग दिवस अर्थात 24 मार्च 2021 को क्षयरोग रोधी सप्ताह का आयोजन करते हैं। कोविड–19 को ध्यान में रखते हुए हमने इस वर्ष उपरोक्त सप्ताह कुछ तरीके से 18 मार्च 2021 से 25 मार्च 2021 के बीच आयोजित किया। इस वर्ष कोविड 19 की वैश्विक महामारी के कारण उद्घाटन एवं समापन समारोह को छोड कर सभी स्वास्थ्य कार्यकम विभिन्न स्थलों पर उनके स्टाफ द्वारा आयोजित किए गए और हमने उन्हें विभिन्न कार्यक्रम अपने स्तर पर आयोजित करने की सुविधा दी ताकि लोगों को एनडीटीबी केन्द्र में व्यक्तिगत रूप से न आना पड़े।

ये कार्यक्रम निम्नलिखित थे :

- चित्रकला प्रतियोगिता
- कविता प्रतियोगिता
- स्लोगन प्रतियागिता
- स्वास्थ्य चर्चाएं
- सामुदायिक बैठक

<u>विश्व क्षयरोग दिवस 2022 के अवसर पर नई दिल्ली केन्द्र द्वारा आयोजित गतिविधियां</u>

संख्या	गतिविधि का नाम	तिथि एवं समय	स्थान	उदेश्य	प्रतिभागियों की संख्या
1.	स्वास्थय चचा	22.2.2022	एनडीटीबीसी	जागरुकता के लिये	15
2.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	22.2.2022	एनडीटीबीसी	जागरुकता के लिये	6
3.	स्वास्थ्य चर्चा	23.2.2022	एसपीवाईएम (पु)	जागरुकता के लिये	25
4.	स्वास्थ्य चर्चा	23.2.2022	एनडीटीबीसी	जागरुकता के लिये	20
5.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	22.2.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	जागरुकता के लिये	6
6.	सामुदायिक मिलन	24.2.2022	रोशनपुरा नई सड़क	जागरुकता के लिये	12
7.	स्वास्थ्य चर्चा	23.2.2022	एनडीटीबीसी	जागरुकता के लिये	19
8.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	24.2.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	जागरुकता के लिये	5
9.	रोगियों के द्वारा वृक्षारोपण	24.2.2022	एनडीटीबीसी का बाग	उन्हें पौधो का महत्व बताने के लिए	4
10.	स्वास्थ्य चर्चा	25.2.2022	एनडीटीबीसी	जागरुकता के लिये	20
11.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	25.2.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	जागरुकता के लिये	7
12.	रोगियो द्वारा नारा लेखन	26.2.2022	डाटस केन्द्र	जागरुकता के लिये	2

संख्या	गतिविधि का नाम	तिथि एवं समय	स्थान	उदेश्य	प्रतिभागियों की संख्या
13.	स्वास्थ्य चर्चा	28.2.2022	एनडीटीबीसी	जागरुकता के लिये	9
14.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	28.2.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	जागरुकता के लिये	3
15.	स्वास्थ्य चर्चा	3.3.2022	एनडीटीबीसी	जागरुकता के लिये	15
16.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	3.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	जागरुकता के लिये	2
17.	केन्द्र के सामने रेहडी पटरी करने वालों को टीबी संवेदीकरण	3.3.2022	एनडीटीबीसी एवं एलएन का गेट	जागरुकता के लिये	12
18.	स्वास्थ्य चर्चा	4.3.2022	एनडीटीबीसी	जागरुकता के लिये	8
19.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	4.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	जागरुकता के लिये	4
20.	स्वास्थ्य चर्चा	5.3.2022	एनडीटीबीसी	जागरुकता के लिये	10
21.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	5.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	मरीजों की पूछताछ का जवाब देना	3
22.	कविता लेखन	5.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	उन्हें बीमारियों के लिये जागरुक करना	4
23.	स्वास्थ्य चर्चा	7.3.2022	एनडीटीबीसी	जागरुकता के लिये	5
24.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	7.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	जागरुकता के लिये	3
25.	स्वास्थ्य चर्चा	8.3.2022	एनडीटीबीसी	जागरुकता के लिये	10
26.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	8.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	जागरुकता के लिये	1
27.	स्वास्थ्य चर्चा	9.3.2022	एनडीटीबीसी	टीबी की रोकथाम	8
28.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	9.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	टीबी की रोकथाम	2

संख्या	गतिविधि का नाम	तिथि एवं समय	स्थान	उदेश्य	प्रतिभागियों की संख्या
29.	स्वास्थ्य चर्चा	10.3.2022	एनडीटीबीसी	टीबी का उपचार	6
30.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	10.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	टीबी का उपचार	3
31.	स्वास्थ्य चर्चा	11.3.2022	एनडीटीबीसी	टीबी की दवा के साइड प्रभाव	12
32.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	11.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	टीबी की दवा के साइड प्रभाव	3
33.	स्वास्थ्य चर्चा	12.3.2022	एनडीटीबीसी	टीबी प्रभाव	13
34.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	12.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	रोगियों के बीच टीबी जागरुकता बढ़ाने के लिये	3
35.	स्वास्थ्य चर्चा	14.3.2022	एनडीटीबीसी	जनता के बीच टीबी के प्रति जागरुकता पैदा करने के लिये	10
36.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	14.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	टीबी की दवा पर चर्चा	3
37.	मेट्रो स्टेशन दिल्ली गेट पर सामुदायिक जागरुकता वार्ता	14.3.2022	मेट्रो स्टेशन दिल्ली गेट	लोगो को बीमारी के बारे में शिक्षित करना	11
38.	सामुदायिक जागरुकता वार्ता/चर्चा	14.3.2022	एनडीटीबीसी के सामने खडे रेहडीवाले	जनता के बीच टीबी के प्रति जागरुकता पैदा करने के लिए	6
39.	स्वास्थ्य चर्चा	15.3.2022	एनडीटीबीसी	टीबी की जानकारी एनडीटीबीसी में आने वाले सभी लोगों तक पहुंचनी चाहिए	10
40.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	15.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	रोगी जागरुकता (उन्हें हमसे बार–बार हस्तेक्षप की आवश्यकता है)	3
41.	स्वास्थ्य चर्चा	16.3.2022	एनडीटीबीसी	सामुदायिक जागरुकता	22

संख्या	गतिविधि का नाम	तिथि एवं समय	स्थान	उदेश्य	प्रतिभागियों की संख्या
42.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	16.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	बीमारी पर चर्चा	4
43.	सड़क किनारे समुदाय के लोगो के साथ स्वास्थ्या जागरुकता वार्ता	17.3.2022	एनडीटीबीसी का गेट	टीबी और उसके हानिकारक प्रभावों पर चर्चा की	16
44.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	17.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	बार बार जानकारी देने के लिए ताकि वे इसे स्पष्ट रुप से पकड़ सकें	5
45.	स्वास्थ्य चर्चा	19.3.2022	एनडीटीबीसी	टीबी के बारे में जागरुक करने के लिये	14
46.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	19.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	उपचार की आवश्यकता को बढ़ाया	3
47.	बच्चों के लिये टीबी पर स्वास्थ्य चर्चा के साथ पेटिंग प्रतियोगिता	19.3.2022	एसपीवाईएम (पु)	इस तरह की गतिविधि आयोजित करके बच्चों में टीबी के प्रति जागरुकता पैदा करना।	20
48.	स्वास्थ्य चर्चा	21.3.2022	एनडीटीबीसी	दर्शकों को शिक्षित करने के लिये	10
49.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	21.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	रोगियों के टीबी उपचार संबधी मामलों पर चर्चा करना	5
50.	टीबी पर स्लोगन प्रतियोगिता	21.3.2022	एसपीवाईएम (म)	वंचित बच्चों को बीमारी के प्रति जागरुक करना	20
51.	स्वास्थ्य चर्चा	22.3.2022	एनडीटीबीसी का गेट	आम जनता को टीबी के प्रति जागरुक करना	9
52.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	22.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	टीबी के रोगियों के इलाज को लेकर उनकी	4

संख्या	गतिविधि का नाम	तिथि एवं समय	स्थान	उदेश्य	प्रतिभागियों की संख्या
				शंकाओं का समाधान किया गया।	
53.	स्वास्थ्य जागरुकता बैठक	22.3.2022	एनडीटीबीसी का गेट	टीबी संवेदीकरण	13
54.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	23.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	जागरुकता के लिये	5
55.	स्वास्थ्य चर्चा	24.3.2022	एनडीटीबीसी बाग	फलैश कार्ड का उपयोग करके आंगतुकों को टीबी के बारे में तथ्य और टीबी सें बचाव के तरीके के बारे में बताया गया।	30
56.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	24.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	टीबी के मरीजों को बेहतर इलाज के लिये टीबी की जानकारी दी गई।	3
57.	डाटस रोगियों के द्वारा वृक्षारोपण	24.3.2022	एनडीटीबीसी बाग	हमारे जीवन में पेड़ों के महत्व और उनके योगदान को बढ़ाने के लिये	3
58.	दिल्ली पिंक शौचालय के कर्मचारियों और समुदाय के निवासियों के साथ 'द्वितीय अधिनियम' द्वारा आयोजित सामुदायिक बैठक और टीबी पर व्यापक स्वास्थ्य वार्ता दी	24.3.2022	पिंक शौचालय	पिंक शौचालय के कर्मचारियों और समुदाय को समान्य स्वच्छता और टी बी के बारे में संवेदनशील बनाना।	35

संख्या	गतिविधि का नाम	तिथि एवं समय	स्थान	उदेश्य	प्रतिभागियों की संख्या
59.	सामुदायिक वार्ता	24.2.2022	रोशनपुरा नई सड़क	बेहतर टी बी उपचार पालन के लिये क्षयरोग के बारे में पड़ोसी समुदायों को संवेदनशील बनाया गया।	21
60.	स्वास्थ्य चर्चा	25.3.2022	एनडीटीबीसी	दैनिक आधार पर टी बी के बारे में जागरुकता पैदा करें	11
61.	स्वास्थ्य चर्चा	25.3.2022	बच्चों का घर आसफ अली मार्ग	बच्चों को बीमारी के प्रति जागरुक किया गया	10
62.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	25.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	दवा को लेकर मरीजों की शंका दूर की	3
63.	स्वास्थ्य चर्चा	26.3.2022	एनडीटीबीसी का गेट	महिला समूह को टी बी और उन पर पडने वाले प्रभावों के बारे में जागरुक किया गया।	12
64.	पीपीएम (रोगी प्रदाता बैठक)	26.3.2022	एनडीटीबीसी (डाटस केन्द्र)	मरीजों को टीबी की जानकारी दी गई और इलाज पर चर्चा की गई	4
65.	समापन समारोह के बाद स्टाफ और अतिथि के साथ भोजन	28.3.2022	एनडीटीबीसी सभागार	सभी के योगदान को स्वीकार कर कार्यक्रम का समापन किया	स्टाफ और अतिथि
अ)	सभी विजेताओं को पुरस्कार वितरण	28.3.2022	एनडीटीबीसी सभागार	मुख्य कार्यक्रम का समापन	
ब)	एनडीटीबीसी द्वारा बनाए गए कोलाज का विमोचन (टीबी	28.3.2022	एनडीटीबीसी सभागार	मुख्य कार्यक्रम का समापन	

संख्या	गतिविधि का नाम	तिथि एवं समय	स्थान	उदेश्य	प्रतिभागियों की संख्या
	के क्षेत्र में काम करने वाले सभी वरिष्ठ डाक्टरों ने टीबी के बारे में अपना द्धष्टिकोण लिखा) उस परिप्रेक्ष्य को टीबी के दिग्गजों के द्धारा टीबी परिप्रेक्ष्य नाम के कोलाज के रुप में बनाया गया था।				

सामुदायिक बैठक

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र के चिकित्सा सामाजिका कार्यकर्ता द्धारा प्रशिक्षित समुदाय निवासी द्धारा 24.2.2022 को हौजकाजी में सामुदायिक बैठक का आयोजन किया गया।

क्षयरोग विरोधी सप्ताह पर की गई अन्य गतिविधियों का विवरण

1 25.2.2022 को डाटस मरीजों के द्धारा वृक्षारोपण

2 वृक्षारोपण की आवश्यकता के सबंध में उन्मुखीकरण

3 23.2.2022 को एसपीवाईएम में स्वास्थ्य चर्चा

4 22.2.2022 को रोगी प्रदाता बैठक

5 22.2.2022 को केन्द्र में स्वास्थ्य चर्चा

6 22.2.2022 को स्लोगन लेख

7 28.2.2022 को केन्द्र में स्वास्थ्य चर्चा

8 28.2.2022 को रोगी प्रदाता बैठक

9 3.3.2022 को केन्द्र में स्वास्थ्य चर्चा

10 3.3.0222 को रोगी प्रदाता बैठक

माइक्रोबैक्ट्रीरियल प्रयोगशाला

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की प्रयोगशाला दिल्ली राज्य के लिए इंटमीडिएट रेफरंस प्रयोगशाला के रूप में केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग, परिवार एवं स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल), विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विभाग, भारत सरकार द्वारा भी परीक्षण एवं अंशशोधन के लिए प्रत्यायित है।

यह प्रयोगशाला पूरे राज्य की स्मियर माइक्रोस्कोपी की बाहरी गुणता आश्वासन गतिविधियों का समग्र निरीक्षण करती है। यह नेशनल रेफरंस प्रयोगशाला, राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान तथा श्वसन रोग, नई दिल्ली, भारत सरकार द्वारा स्मियर माइक्रोस्कोपी, एलपीएऔर कल्चर एवं डीएसटी के लिए नियमित तौर पर वार्षिक कौशल जांच (पीटी) में भागीदारी करती हैं।

यह प्रयोगशाला दिल्ली में 25 संशोधित राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम–अभिनामित क्षयरोग जिलों (जिन्हें चैस्ट क्लीनिक भी कहा जाता है) में से 17 को पीएमडीटी के अंतर्गत नैदानिक एवं उपचार फालोअप प्रदान कर रही है। यह प्रयोगशाला दवा प्रतिरोधक क्षयरोग का पता लगाने के लिए कार्टिज आधारित न्यूक्लिक एसिड सिम्पलीफीकेशन (सीबीएनएएटी), ट्रूनेट, लाइन प्रोब एसे (एलपीए) और इल्यूमिना Miseq प्लेटफार्म पर नेक्स्ट जनरेशन सीक्वेंसिगंजैसे नवीनतम मॉलीक्यूलर डायग्नोस्टिक जांच कर रही हैं। इसके अतिरिक्त प्रयोगशाला के पास आटोमेटिड लिक्विड कल्चर प्रणाली (एमजीआईटी 960) है। यह प्रणाली पहली और दूसरी लाइन की क्षयरोग प्रतिरोधक दवाओं के दवा सुग्राहता परीक्षण के लिए है।

इसके अतिरिक्त एनडीटीबी की प्रयोगशाला निम्नलिखित भूमिकाओं का निर्वाह भी करती हैः–

प्रशिक्षण

यह प्रयोगशाला एनटीईपी के तहत प्रयोगशाला स्टाफ के लिए विभिन्न प्रशिक्षण संचालित करती है। इसमें स्मियर माइक्रोस्कोपी, लार माइक्रोस्कोपी का गुणवत्ता आवश्वासन, सीबीएनएएटी और अन्य नैदानिक कार्य प्रणालियों पर प्रशिक्षण शामिल हैं। प्रयोगशाला आवश्यकता पड़ने पर अन्य सीएण्डडीएसटी को तकनीकी सहायता भी प्रदान करती है।

गुणवत्ता आश्वासन

प्रयोगशाला 25 जिलों का स्थल मूल्यांकन करती है और राज्य क्षयरोग अधिकारी और राष्ट्रीय रेफरंस प्रयोगशाला को परिणामों की रिपोर्ट देती है।

आंकड़ों का संग्रहण

आईआरआई जिलों से आंकडों को इकठ्ठा करती है और उनका संकलन करती है और संबंधित प्राधिकारियों को संकलित आंकडे देती हैं। इसमे अनुलग्नक एम, अनुलग्नक जी, सीबीएनएएटी सूचक और अन्य विभिन्न कार्यकारिता सूचक शामिल हैं।

अनुसंधान

प्रयोगशाला सक्रिय रूप से विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाओं में भागीदारी करती है। हाल ही में की गई महत्त्वपूर्ण परियोजनाएं हैं द स्ट्रीम ट्रेल, द बीट ट्रायल, राष्ट्रीय डीआरएस परियोजना। प्रयोगशाला दिल्ली एनटीईपी द्वारा स्वीकृत विभिन्न प्रचालनगत अनुसंधान प्रोटोकॉल में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करती है।

प्राण्ण

प्रयोगशाला प्रयोगशाला रसायनों और उपभोग्य सामग्री के प्राण्ण और गुणवत्ता आश्वासन में भी सहायता करती है।

सीडीएसटी प्रयोगशाला मे मानक प्रचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाए रखना

राज्य में और दायित्व दिए जाने पर अन्य राज्यो में अन्य कल्चर और डीएसटी प्रयागशालाओं (सीबीएनएएटी प्रयोगशालाएं) को तकनीकी सहायता देना।

एनएबीएल द्वारा मान्यता : प्रयोगशाला के लिए किस प्रकार सहायक सिद्ध हुई

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की माइकोबैक्टिरियल प्रयोगशाला को जुलाई 2018 में चिकित्सा जांच के क्षेत्र में मान्यता मिली। इस मान्यता से प्रयोगशाला का निम्नलिखित लाभ हुए :

- मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से रिपोर्ट जारी होने से ग्राहक के विश्वास और संतोष में वृद्धि होती है।
- ठोस गुणवत्ता आश्वासन होने से प्रयोगशाला के कार्यो का नियंत्रण बेहतर होता है।
- पुर्नजांच की आवश्यकता में कमी या समाप्त होने से समय और धन की बचत।

मान्यता प्राप्त करने के लिए प्रयोगशाला निम्नलिखित कार्य संस्कृति और दस्तावेज़ तैयार किए :

- प्रयोगशाला ने अपने दो माइक्रोबायोलॉजिस्ट को आईएसओ 15189 : 2012 में प्रशिक्षित किया और उनको गुणवत्ता और तकनीकी प्रबंधन के लिए अभिनामित किया।
- प्रयोगशाला ने सभी प्रमुख उपस्करो के लिए लगभग 30 गुणवत्ता प्रणाली प्रक्रियाएं, तकनीकी एसओपी और एसओपी तैयार की।
- गुणवत्ता मैन्युअल, नमूना संग्रहण मैन्युअल, जैव सुरक्षा मैन्युअल, सुरक्षा एसओपी और और सेवा निर्देशिका भी तैयार की गई।
- आंतरिक परीक्षण और प्रबधन समीक्षा बैठक; नियोजित योजना एवं कार्यक्रम के अनुसार प्रत्येक वर्ष किए जाते हैं।

- यथासंभव जोखिम आकलन और जोखिम प्रबंधन नीतियां परिभाषित और क्रियान्वित की गई हैं।
- अब रोगी की जांच से पूर्व अभिकर्मक/किट स्वीकार्यता जांच की जाती है।
- मूल कारण विश्लेषण के साथ सुधारात्मक और निरोधक कार्य (सीएपीए) किया जाता है जो कि पहले किया जाता था लेकिन उसका प्रलेखन नहीं किया जाता था, अब इसका समुचित प्रलेखन किया जाता है।

प्रयोगशाला के कर्मचारियों का प्रशिक्षण कैलंडर बनाया गया है और प्रयोग किया जाता है। विभिन्न अनुभागों के लिए सक्षमता आकलन फार्म प्रयुक्त किया जाता है।

<u>कोविड–19 वैश्विक महामारी के दौरान प्रयोगशाला की भूमिका</u>

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की प्रयोगशाला ने वर्तमान कोविड–19 महामारी में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है। यह राज्य की जांच की आवश्यकताओं में सहायता प्रदान करने के अलावा प्रयोगशाला कोविड–19 की जांच मे विभिन्न प्रयोगशालाओं के लिए ट्रूनेट और सीबीएनएएटी उपभोग्य सामग्री (consumables) का वितरण केन्द्र भी है। प्रयोगशाला ने सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र में विभिन्न ट्रूनेट प्रयोगशालाओं के प्रशिक्षण और ऑडिट निरीक्षण में राज्य की सहायता की है। प्रयोगशाला द्वारा निभाई गई भूमिका का बिंदुवार संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है :

- प्रतिदिन 100 से अधिक क्षयरोग निदान के नमूनों की जांच के कार्यभार के अतिरिक्त प्रयोगशाला ने राज्य की कोविड 19 जांच की क्षमता में संवर्द्धन सहायता की।प्रयोगशाला अब तक 1100 से अधिक ट्रूनेट जांच कर चुकी है। आरंभ में प्रयागशाला ने मध्य दिल्ली के नमूनों का भार बांटा और उसके बाद जीबी पंत हस्पताल और अरूणा आसिफ अली हस्पताल के लिए यह कार्य किया।

- राज्य की जांच क्षमता को सुदृढ करने के लिए प्रयोगशाला सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की प्रयागेशालाओं के लिए ट्रूनेट और सीबीएनएएटी के प्रशिक्षण संचालित करने में राज्य की मदद कर रही ह। ये प्रशिक्षण तंकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करने के अतिरिक्त हैं जिसमें कई जैव सुरक्षा और जैव सुरक्षा संबंधी विषय शामिल हैं। निजी और सार्वजनिक क्षेत्र में नई ट्रूनेट सुविधाओं में प्रयोगशालाओं के ऑडिट निरीक्षण मे भी प्रयोगशाला राज्य की सक्रिय सहायता कर रही है। अब तक प्रयोगशाला 16 बैचों को प्रशिक्षित कर चुकी है और 22 से अधिक ट्रूनेट ऑडिट किए गए हैं।

- दिल्ली में विभिन्न स्थानों के लिए केन्द्र द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले एक्सपर्ट सॉर्स CoV–2 कार्टिज और ट्रूनेट तथा उपभोग्य सामग्री के वितरण के लिए प्रयोगशाला केन्द्रीय स्थल है। इससे संबंधित सभी रसद का प्रबंधन प्रयोगशाला द्वारा किया जाता है।

दिल्ली राज्य के एनटीइपी (2019–2020) के तहत सूक्ष्म गतिविधियॉ

जिला	व्यसक ओपीडी की संख्या	निदान हेतु जांचे गये आनुमानिक क्षयरोगी	सकारात्मक पाये गये आनुमानिक क्षयरोगी	पुनः थूक परीक्षण आनुमानिक क्षयरोगी	पुनः परीक्षण पर सकरात्मक पाये गये आनुमानिक क्षयरोगी	परीक्षित अनुवर्ती रोगी	अनुवर्तन में सकरातक पाये गये क्षयरोगी	जांची गयी स्लाइडों की कुल संख्या
बी जे आर एम	147397	2196	239	1	1	2395	20	8552
जी टी बी एच	269566	4922	607	48	0	1976	45	11861
हैडगेवार	132059	2618	292	0	0	955	14	6163
के सी सी	132770	4030	506	10	0	1982	32	9984
लोकनायक ह	64211	7416	417	13	0	507	21	15250
झंडेवालान	14884	1325	246	0	0	1107	29	3758
एस पी एम	50694	1327	137	0	46	611	60	3719
आर के मिशन	18273	718	110	0	27	511	37	2212
नेहरु नगर	284399	8742	1387	82	6	5524	163	22707
मोती नगर	133445	5394	753	11	1	2494	98	13296
आर टी आर एम	145910	7839	1083	0	11	2794	312	19790
नरेला	29376	1724	336	0	0	848	50	4301
करावल नगर	0	4964	901	0	0	2657	117	13042
एन डी एम सी	316071	7770	990	2	1	2457	65	17913
बी एस ए	106873	2469	435	8	0	1662	85	6476
डी डी यू एच	451821	6200	859	1	0	2691	60	14952
गुलाबी बाग	84111	1939	250	0	0	709	44	4618

एस जी एम एच	204145	3838	578	0	0	1706	47	9310
पटपड़गंज	146859	3157	472	1	1	2102	29	8323
चौधरी देसराज	161250	3528	472	0	0	1628	66	8665
मालवीय नगर	252705	3263	475	1	0	2599	216	9155
एनआईटीआर डी	124819	6595	866	0	0	1792	73	15034
शाहदरा	296801	5459	740	115	3	2348	88	13253
बिजवासन	149297	6158	688	1	0	2690	182	17902
पटपड़गंज टीयू 1	281183	7539	1611	2	1	4800	325	18941
	3998919	**111130**	**15450**	**296**	**98**	**51545**	**2278**	**279177**

वर्ष के दौरान दिल्ली राज्य के सभी 25 क्लीनिकों में क्षयरोग शंका वाले कुल 111130 मामलों की रोग का पता लगाने के लिए जांच की गई जिसमें से 15450 मामले पॉजीटिव पाए गए। टीबी प्रयोगशाला के परिणामों से प्राप्त आंकडों के अनुसार 2,79,177 स्लाइडों की जांच की गई ।

स्थल मूल्यांकन दौरा एवं पैनल परीक्षण

कोविड–19 वैश्विक महामारी के कारण स्थल मूल्यांकन और पैनल परीक्षण के लिए दौरे नहीं किए जा सके। गुणवत्तापूर्ण माइक्रोस्कोपी सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रयोगशालाओं का प्रश्नावली के आधार पर मूल्यांकन विर्चुल माध्यम से किया गया। स्टाक, प्रक्रियाओं और रिकॉर्ड के सभी ब्यौरे लेने के लिए एक व्यापक प्रोफार्मा हमारी टीम ने तैयार कियाऔर विर्चुल माध्यम से मूल्यांकन से पूर्व जिलों को परिचालित किया गया।

विर्चुल मूल्यांकन की तिथि के दिन प्रश्नावली में भरे गए मानदंडो की समीक्षा की गई और जिला स्टाफ के साथ उसकी समीक्षा की गई और आईआरएल टीम ने कार्यप्रणाली को बेंहतर करने के लिए सुझाव दिए।

<u>आई आर एल दल द्वारा जांचे गये डी टी सी</u>

क सं.	छाती क्लीनिक	दौरे की तिथि	अभासी/ स्थल पर
1.	शास्त्री पार्क छाती क्लीनिक	05/7/2021	अभासी
2.	आर के मिशन छाती क्लीनिक	08/07/2021	स्थल पर
3.	हेडगेवार छाती क्लीनिक	20/9/2021	अभासी
4.	आर टी आर एम छाती क्लीनिक	20/9/2021	अभासी
5.	करावल नगर छाती क्लीनिक	20/9/2021	अभासी
6.	बिजवासन छाती क्लीनिक	21/9/2021	अभासी
7.	मालवीय नगर छाती क्लीनिक	21/9/2021	अभासी
8.	झंडेवालान छाती क्लीनिक	24/9/2021	अभासी
9.	नेहरु नगर छाती क्लीनिक	18/10/2021	अभासी
10.	गुलाबी बाग छाती क्लीनिक	18/10/2021	अभासी
11.	एन आई टी आर डी छाती क्लीनिक	19/10/2021	अभासी
12.	नरेला छाती क्लीनिक	19/10/2021	अभासी
13.	बी जे आर एम छाती क्लीनिक	21/10/2021	स्थल पर
14.	बी एस ए छाती क्लीनिक	25/10/2021	स्थल पर
15.	चौधरी देसराज छाती क्लीनिक	28/10/2021	स्थल पर
16.	एन डी एम सी छाती क्लीनिक	01/11/2021	अभासी
17.	एस जी एम एच छाती क्लीनिक	01/11/2021	स्थल पर
18.	डी डी यू छाती क्लीनिक	08/11/2021	अभासी
19.	किंग्सवे कैम्प छाती क्लीनिक	02/12/2021	स्थल पर

क्र सं.	छाती क्लीनिक	दौरे की तिथि	अभासी / स्थल पर
20.	लोकनायक हस्पताल छाती क्लीनिक	02/12/2021	स्थल पर
21.	जी टी बी एच छाती क्लीनिक	03/12/2021	स्थल पर
22.	शाहदरा छाती क्लीनिक	03/12/2021	स्थल पर
23.	पटपड़गंज छाती क्लीनिक	16/12/2021	स्थल पर
24.	पीली कोठी छाती क्लीनिक	17/12/2021	स्थल पर

दवा प्रतिरोधक क्षयरोग कियाकलापों का कार्यबद्ध प्रबंधन (पीएमडीटी)

प्रयोगशाला को लाइन प्रोब एसे, सॉलिड एवं लिक्विड तथा डीएसटी के लिए सीटीडी से प्रमाणन मिला है। वर्तमान में दिल्ली में पीएमडीटी के अंतर्गत 08 चैस्ट क्लीनिकों से निदान के लिए थूक के नमूने और 17 चैस्ट क्लीनिकों से आगे के परीक्षण के लिए प्राप्त हुए।

वर्ष अप्रैल 2021–मार्च 2022 के दौरान संचालित पीएमडीटी गतिविधियां

.		किए गए एफएल–एलपीए					किए गए एसएल–एलपीए				
तिमाही.. 2 2019 से तिमाही 1 2020	कल्चर के लिए संरोपित नमूने	की गई एलएल–एल पीए डीएसटी	एच .+आर प्रतिरोधकता	ज्ञात एच .+आर प्रतिरोधकता	केवल ज्ञात एच प्रतिरोधकता	केवल ज्ञात आर प्रतिरोधकता	की गई एसएल–ए लपीए	अज्ञात एफए लक्यू +एस एलआई प्रतिरोधकता	ज्ञात एफएलक यू +एसए लआई प्रतिरोधकता	एफएल क्यू केवल आरईए स ज्ञात	एसएलआई केवल प्रतिरोधक ताज्ञात
तिमाही.. 2	4640	2007	1698	154	129	13	384	268	4	108	1
तिमाही.. 3	4654	2296	1910	169	175	6	340	245	6	83	2
तिमाही.. 4	1161	649	533	64	42	8	118	72	1	44	1
तिमाही.. 1	2185	1316	1088	123	83	16	257	170	4	74	4
कुल	**12640**	**6268**	**5229**	**510**	**429**	**43**	**1099**	**755**	**15**	**309**	**8**

सारणी में वर्ष 2021–22 में पीएमडीटी के अंतर्गत की गई जांच का विवरण दिया गया है। लार के कुल 12,640 नमूनों की जांच की गई जिसमें से 510 मामले एमडीआर–क्षयरोग के निकले और 43 मामले रिफएम्पिसिन मोनो प्रतिरोधक थे।

एनडीटीबी केन्द्र के माइक्रोबायोलाजिस्ट कोविड–19 के निदान हेतु ट्रूनेट/सीबीएनएएटी और एबॉट आईडीएनओडब्लू जांच के लिए राज्य कोर समिति के सदस्य हैं। गतिविधियों के अंग के रूप में हमारे केन्द्र के माइक्रोबायोलॉजिस्ट अन्य सदस्यों के साथ निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की उन प्रयोगशालाओं का दौरा करते हैं जो एनएएटी प्रयुक्त करते हुए कोविड–19 का निदान आरंभ करना चाहती हैं। यह दौरे आरंभिक मूल्यांकन और परवर्ती अनुमोदन के लिए किए जाते हैं। अब तक निम्नलिखित प्रयोगशालाओं के दौर किए जा चुके हैं : –

कोविड प्रयोगशाला ऑडिट दौरे (2021–2022)

क्रम सं.	स्थल का नाम	निरीक्षण की तिथि
1	इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल मथुरा रोड नई दिल्लीा	07.10.2021
2	मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, 1, 2, प्रेस एन्क्लेव मार्ग, साकेत इंस्टीट्यूशनल एरिया, साकेत, नई दिल्ली,	17.04.2021
3	माइक्रोमोल सॉल्यूशंस, जसोला – पॉकेट – 2, प्लॉट नंबर – 88, फर्स्ट फ्लोर, अपोलो अस्पताल के पास, जसोला विहार, नई दिल्ली	10.10.2021
4	यूनिपथ डायग्नोस्टिक्स, सी–4, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली	01.10.2021
5	एनटीपीसी बदरपुर	09.06.2021
6	प्रयोगशाला सेवा विभाग, बीएलके सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल। पूसा रोड, नई दिल्लीः 110005	05.07.2021
7	जेनेस्ट्रिंग्स डायग्नोस्टिक सेंटर प्रा.लिमिटेड, चौथी मंजिल, मल्टी लेवल कार पार्किंग, इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, नई दिल्ली	05.10.2021

कोविड परीक्षण के प्रदत्त प्रशिक्षण दौरे (2021–2022)

क्रम सं.	स्थल का नाम	निरीक्षण की तिथि
1	एनटीपीसी बदरपुर	10-05-2021
2	स्टेशन मेडिकेयर सेंटर, वायु सेना स्टेशन पालम, थिमय्या मार्ग, दिल्ली कैंट, नई दिल्ली–110010।	10-05-2021
3	प्रयोगशाला सेवा विभाग, बीएलके सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, पूसा रोड, नई दिल्लीः 110005	29-06-2021
4	ओंक्क्वेस्ट लेबोरेटरीज लिमिटेड	29-06-2021
5	1ए, अफ्रीका एवेन्यू, ब्लॉक बी 2, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली–110029	29-06-2021
6	सीआरपीएफ उत्तरी सेक्टर अस्पताल, सेक्टर 7 आर के पुरम नई दिल्ली 22	16-07-2021
7	मणिपाल अस्पताल, द्वारका	16-07-2021

8	माइक्रोमोल सॉल्यूशंस, जसोला – पॉकेट – 2, प्लॉट नंबर – 88, पहली मंजिल, निकट अपोलो अस्पताल, जसोला विहार, नई दिल्ली – 110025	16-07-2021
9	लाइफलाइन प्रयोगशाला, एच–11, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली– 110016	16-07-2021
10	लाइफलाइन प्रयोगशाला, एच–11, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली– 110016	16-07-2021
11	मेडिकेयर सेंटर, वायु सेना स्टेशन, रेस कोर्स रोड, नई दिल्ली	05-08-2021
12	डॉ लाल पैथ लैब्स लिमिटेड, नेशनल रेफरेंस लैब, सेक्टर 18ई, रोहिणी, नई दिल्ली	05-08-2021
13	डॉ. एस.एस. डोडा का अल्ट्रासाउंड सेंटर–पैथोलॉजी लैब, 23–बी, पूसा रोड, नई दिल्ली–110005	05-08-2021
14	यूनिपथ डायग्नोस्टिक्स, सी–4, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली–110016	08-09-2021
15	जेनेस्ट्रिंग्स डायग्नोस्टिक सेंटर प्रा. लिमिटेड, चौथी मंजिल, मल्टी लेवल कार पार्किंग, इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, नई दिल्ली	08-09-2021
16	मेडजोन मेडिकल, 5/बी 3 सेक्टर 17, द्वारका, नई दिल्ली – 110075	08-09-2021
17	लोकनायक हस्पताल	22-09-2021

निरीक्षणात्मक कार्य

निगरानी और निरीक्षण एनटीइपी का एक मुख्य औजार है। राजकीय क्षयरोग प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन केन्द्र (एसटीडीसी) होने से केंद्र का संकाय क्षयरोग नियंत्रण कार्यक्रम की राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर सक्रिय रूप से निगरानी और निरीक्षण करता है।

राज्य आंतरिक मूल्यांकन

सभी चैस्ट क्लीनिकों का आंतरिक मूल्यांकन आरएनटीसीपी के अतंर्गत किया जाने वाला एक महत्त्वपूर्ण कार्य हैं। इस कार्य में क्लीनिक के रिकार्डो, स्टाफ, औषधि भंडार, सूक्ष्मदर्शी से जांच की सुविधाओं तथा वित्तीय पहलुओं का विस्तार से मूल्यांकन किया जाता है। आंतरिक मूल्यांकन का आयोजन राज्य के क्षयरोग नियंत्रण विभाग द्वारा किया जाता है। दिल्ली के सभी चैस्ट क्लीनिकों के आंतरिक मूल्यांकन दल में एसटीडीसी के निदेशक या उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि होते हैं। इस वर्ष कोविड 19 महामारी के कारण आंतरिक मूल्यांकन भौतिक रुप से नहीं किया जा सका, लेकिन राज्य के क्षयरोग नियंत्रण विभाग की मदद से ये कार्य ईको प्लेटफार्म से वस्तुत किया गया।

निरीक्षणात्मक गतिविधियां

केन्द्र दिल्ली के 25 चैस्ट क्लीनिकों के लिये राष्ट्रीय क्षयरोग कार्यक्रम (एनटीईपी) की निगरानी और पर्यवेक्षण में शामिल है। एक दिवसीय पर्यवेक्षी दौरे किये जाते है। जिसकें द्वारा छाती क्लिनिक और दो माइक्रोस्कोपी केंन्द्रों का दौरा किया जाता है। इन दौरो के दौरान गुणवता निदान और उपचार संबधी मुददों का मूल्यांकन किया जाता है और छाती क्लिनिकों के कर्मचारियों को इसके लिए फीडबैक दिया जाता है।

कोविड 2019 महामारी के कारए क्षेत्र का दौरा नहीं किया जा सका। इसलिये पूरे वर्ष नई दिल्ली क्षयरोग दृारा राज्य क्षयरोग सेल और ईको के सहयोग से निम्नलिखित चेस्ट क्लीनिकों के लिये अभासी सत्र आयोजित किये गये।

निरीक्षणात्मक गतिविधियों की तिथि	छाती क्लीनिक
2/6/2021	गुलाबी बाग छाती क्लीनिक
4/6/2021	बिजवासन छाती क्लीनिक
7/6/2021	चैाधरी देसराज छाती क्लीनिक
9/6/2021	संजय गांधी छाती क्लीनिक
11/6/2021	जीटीबी छाती क्लीनिक
9/8/2021	नेहरु नगर छाती क्लीनिक
21/8/2021	चैाधरी देसराज छाती क्लीनिक
21/9/2021	एनडीटीबीसी छाती क्लीनिक
21/10/2021	बैजेआरएम छाती क्लीनिक
3/11/2021	बीएसए छाती क्लीनिक
17/12/2021	पीली कोठी छाती क्लीनिक

पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएं

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र के वेबसाइट (www.ndtbc.com) पर केन्द्र में विभिन्न सुविधाओं तथा गतिविधियों की जानकारी के साथ–साथ 1940 से संस्थान के प्रकाशनों की सूची भी है। केन्द्र में एक पुस्तकालय है जिसमें क्षयरोगों तथा वक्ष रोगों से जुड़े विभिन्न पक्षों पर 668 पुस्तकें हैं। इसके अतिरिक्त इसमें विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जनरल हैं। पुस्तकालय, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज और वी पी चैस्ट संस्थान तथा संकाय के सदस्यों को अपनी सेवाएं देता है।

प्राशासनिक अनुभाग

प्रशासन अनुभाग एनडीटीबी केन्द्र की समस्त कार्यप्रणाली का आधार है। इस विभाग के दो प्रमुख कार्य हैं अर्थात स्थापना एवं लेखा । यह विभाग स्टाफ से संबंधित सभी मामले देखता है और केन्द्र के स्टाफ से संबंधित मामलों पर काम करता है। विभाग प्रशासनिक मामलों की आवश्कताओं को पूरा करता है और भर्ती नियम बनाना, स्टाफ की पदोन्नति, बैठकें आयोजित करना इत्यादि जैसे स्टाफ संबंधी सेवा मामले देखता है। इस विभाग का एक प्रमुख कार्य एनडीटीबी के भवन का रख–रखाव करना है। यह विभाग केन्द्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से बजट और वार्षिक अनुदान की व्यवस्था करता है।

(क) एनडीटीबीसी केंद्र में आगंतुक

1. एनआरएल, सीटीडी, डब्ल्यूएचओ और फाइंड इंडिया के विशेषज्ञों की एक टीम ने 19 अगस्त, 2021 को नवीकरण और इसकी आवश्यकताओं के आकलन के लिए केंद्र की बीएसएल 3 प्रयोगशाला का दौरा किया।
2. जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी के प्रतिनिधि ने एनडीटीबी केंद्र के साथ सहयोगात्मक गतिविधियों की संभावनाओं के बारे में चर्चा करने के लिए 2 सितंबर 2021 को केंद्र का दौरा किया ।
3. एनडीटीबीकेंद्र में संपूर्ण जीन अनुक्रमण सुविधा के निरीक्षण के लिए14 सितंबर 2021 को iDEFEAT टीबी दल द्वारा डब्लूजेएस स्थल मूल्यांकन दौरा किया गया।
4. एनआरएल (एनआईटीआरडी) की एक टीम ने 27 से 29 दिसंबर 2021 तक एनडीटीबी केंद्र प्रयोगशाला का ओएसई दौरा किया जिसमें उन्होंने स्थल का निरीक्षण किया और परिचालन तथा तकनीकी समस्याओं पर चर्चा की।

ग) अनुदान

1 वर्ष 2021–22 के दौरान, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 495 लाख रुपये का वार्षिक आवर्ती वेतन अनुदान तथा 66 लाख रुपये का साधारण सहायता अनुदान जारी किया।

2 वार्षिक अनुदान के रुप में भारतीय क्षयरोग संघ द्वारा 10,000/– रुपये प्रदान किये गये।

3 सावधिक जमा रिजर्व एवं बचत खाता पर ब्याज – रु 50145/–

ध) सूचना का अधिकार अधिनियम 2005

वर्ष 2021–22 के अंतर्गत सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत 4 अर्जियां प्राप्त की गयी।

नीचें दी गयी सारणी में प्राप्त एवं निष्पादित अर्जियों का ब्यौरा है।

क्रम स	मास एवं वर्ष	सूचना का अधिकार अर्जी			अपील		
		प्राप्त सूचना का अधिकार अर्जियों की संख्या	निष्पादित सूचना का अधिकार अर्जियों की संख्या	विचाराधीन	प्राप्त अपीलों की संख्या	निष्पादित सूचना का अधिकार अर्जियों की संख्या	विचाराधीन
1	अप्रैल 2021	1	1	-	-	-	-
2	मई 2021	-	-	-	-	-	-
3	जून 2021	-	-	-	-	-	-
4	जुलाई 2021	-	-	-	-	-	-
5	अगस्त 2021	1	1	-	-	-	-
6	सितंबर 2021	-	-	-	-	-	-
7	अक्टूबर 2021	1	1	-	-	-	-
8	नवंबर 2021	-	-	-	-	-	-
9	दिसंबर 2021	-	-	-	-	-	-
10.	जनवरी 2022	1	1	-	-	-	-
11.	फरवरी 2022	-	-	-	-	-	-
12.	मार्च 2022	-	-	-	-	-	-
कुल	2021-22	4	4	-	-	-	-

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की गतिविधियों का सार

वार्षिक सांख्यिकी के ब्यौरे निम्नलिखित है –

बाह्यरोगी उपस्थिति

पंजीकृत नवीन बाह्यरोगियों	7917
रोगियों का पुनरागमन	7445
सी ओ ए डी	767
डॉट केन्द्र	196
बह्यरोगियों की कुल उपस्थिति	16325

प्रयोगशाला में बाह्यरोगी उपस्थिति

निदान के लिये नवीन मामलें	11079
मामलों का पुनरागमन	2026
प्रयोगशाला में कुल उपस्थिति	13105

डाट क्लीनिक उपस्थिति

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में नये मरीज डॉट केन्द्र में मार्च के माह में	23
कुल मरीज (2021–22) में नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र के डॉट केन्द्र में	196

ट्यूबरक्लीन त्वचा परीक्षण

कुल ट्यूबरक्लीन त्वचा परीक्षण	6409
पठित परीक्षण	5777
रीएक्टर्स (>10 एम एम)	3661
गैर–रीएक्टर्स (<10 एम एम)	2116

विकिरण परीक्षण

विकिरण परीक्षण	2170

प्रयोगशाला परीक्षण

1	कुल प्रयोगशाला परीक्षण	33,659
2	स्मीयर माइक्रोस्कोपी	13,389
3	कल्चर जांच	6,632
4	दवा संवेदनशीलता परीक्षण	13,224
	एल पी ए द्वारा	12,267
	प्रथम पंक्ति दवाओं द्ववारा	10,700
	द्वितीय पंक्ति दवाओं द्ववारा	1,567
	तरल कल्चर विधि द्वारा (एमजीआईटी)	833
	प्रथम पंक्ति दवाओं द्ववारा	23
	द्वितीय पंक्ति दवाओं द्ववारा	810
	सीबीनैट जांच	35
	ट्रयूनट जांच	89
5	कोविड 19 सीबीनैट जांच	33
6	कोविड 19 के लिये ट्रयूनट	381

प्रशिक्षण

दिल्ली राज्य के एनटीइपी कर्मियों का प्रशिक्षण	2442
विभिन्न प्रशिक्षण (दिल्ली राज्य के एनटीइपी कर्मियों के अलावा)	960
प्रशिक्षण – नर्सिंग छात्र, मेडिकल छात्र	1120
2021–22 में हुए कुल प्रशिक्षण	4522

मध्यवर्ती संदर्भ प्रयोगशाला दौरे/प्रकाशन

छाती क्लीनिकों का पर्यवेक्षण तथा मानिटरिंग एवं आंतरिक आकलन	11
छाती क्लीनिकों में ईक्यूए के लिये आई आर एल दौरा	24
शोध एवं प्रकाशन	16

स्वतंत्र ऑडिट रिपोर्ट

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र के सभी सदस्यों को

वित्तीय ब्यौरों पर रिपोर्ट सम्मति

हमने **नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र** के संलग्न वित्तीय ब्यौरों का ऑडिट किया है जिसमें 31 मार्च 2022 तक का तुलन–पत्र, उस समाप्त वर्ष के आय–व्यय तथा आय व भुगतान का ब्यौरा तथा अन्य विवरणात्मक जानकारी है।

हमारे अभिमत और सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए ब्यौरों के अनुसार जो कि लेखानीतियों और अन्य विवरणात्मक जानकारी (नोट सं.19) के साथ पठित है, संलग्न वित्तीय ब्यौरे लागू कानून के अनुसार यथा अपेक्षित तरीके से तथा भारत मे 31 मार्च 2022 को केन्द्र के विषयों में सामान्यतः स्वीकार्य अन्य लेखा सिद्धांतों और उस तिथि को समाप्त वर्ष को उसके अधिशेष के अनुरूप तैयार किया गया है जो उसका सही और उपयुक्त अवलोकन देता है।

सम्मति का आधार

हमने अपना ऑडिट ऑडिटिंग के मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों के अंतर्गत ऑडिटर के दायित्वों का विवरण हमारी रिपोर्ट मे वित्तीय ब्यौरों के ऑडिट हेतु ऑडिटर के दायित्व खंड में दिया गया है। हम इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टिड अकांउटेन्टस ऑफ इंडिया द्वारा जारी नीतिसंहिता और उसके साथ उन नीतिसंहिता की अपेक्षाओं के अनुरूप स्वतंत्र संगठन है जोकि अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत वित्तीय ब्यौरों के हमारेऑडिट हेतु प्रासंगिक है, और इन अपेक्षाओं और नैतिकता के अनुसार हमन अपने अन्य नैतिक दायित्वों को पूरा किया है। हम मानते हैं कि हमने जो ऑडिट साक्ष्य लिए हैं वह हमारी सम्मति का आधार देने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

वित्तीय ब्यौरों के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व

इन वित्तीय ब्यौरों को तैयार करने के लिए प्रबंधन उत्तरदायी है जो कि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टिड अकांउटेन्टस ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखा मानकों, जहा ंतक लागू हैं, के अनुसार केन्द्र की वित्तीय स्थिति तथा वित्तीय कार्यकारिता का सही और उपयुक्त अवलोकन देता है। इन दायित्वों में डिजाइन क्रियान्वयन एवं उन वित्तीय ब्यौरों को तैयार एवं प्रस्तुत करने के लिए प्रासंगिक भीतरी नियंत्रण का रख–रखाव शामिल है जो सही एवं उपयुक्त अवलोकन दे तथा धोखे अथवा भूलवश कारणों से होने वाले वस्तुगतगलत विवरण से रहित हो ।

वित्तीय ब्यौरों के लिए ऑडिटर का उत्तरदायित्व

हमारा दायित्व इन वित्तीय ब्यौरों पर सम्मति व्यक्त करना है जिसका आधार हमारा ऑडिट है। हमने अपना ऑडिट इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टिड अकांउटेंट ऑफ इंडिया द्वारा जारी ऑडिटिंग मानकों के अनुसार किया है।

उन मानकों में यह अपेक्षित है कि नैतिक अपेक्षाओं का पालन हो और ऑडिट का नियोजन एवं क्रियान्वयन ऐसा हा जिससे कि वस्तुगत गलत विवरण से रहित वित्तीय ब्यौरों संबंधी उपयुक्त आश्वासन सुनिश्चित हो।

ऑडिट में वित्तीय ब्यौरों में राशि तथा प्रकटीकरण संबंधी ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाएं पूरी की जाती हैं। इसके लिए चुनी गई प्रक्रिया ऑडिट के निर्णय पर निर्भर है जिसमें धोखेवश या भूलवश वित्तीय ब्यौरों के गलत विवरण के जोखिम का आकलन करना शामिल है। इन जोखिम आकलनों में ऑडिटर उन आंतरिक नियंत्रण को ध्यान में रखता है जो वित्तीय ब्यौरों को तैयार करने तथा उनके सही प्रस्तुतीकरण में मूल से संबंधित होते है जिससे कि उपयुक्त ऑडिट प्रक्रिया तैयार की जा सके लेकिन यह प्रक्रिया संगठन के आंतरिक नियंत्रणा की प्रभावकारिता पर सम्मति व्यक्त करने के लिए नहीं है। प्रयुक्त लेखा नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा लेखाविधि के अनुमान की विश्वसनीयता का आकलन करना तथा वित्तीय ब्यौरों का समग्र प्रस्तुतकरण का मूल्यांकन करना भी ऑडिट भी शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमें प्राप्त ऑडिट साक्ष्य पर्याप्त और उपयुक्त जिसके आधार पर हमने अपनी ऑडिट सम्ममति दी है।

अन्य विधिक एवं नियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

क) हमने अपनी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार वह सभी जानकारी और निरूपण लिया है जो कि हमारे ऑडिट के लिए आवश्यक था;

ख) हमारी सम्मति में विधि द्वारा आवश्यक लेखा बहियों को अब तक केन्द्र द्वारा रखा जा रहा है जैसा कि उन बहियों की जांच से प्रतीत होता है;

ग) इस रिपोर्ट में आने वाले तुलन–पत्र, आय व व्यय का ब्यौरा और आय व भुगतान लेखा बहियों के अनुरूप है;

घ) हमारी सम्मति में तुलन–पत्र, आय व व्यय का ब्यौरा और आय व भुगतान इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टिड अकाउंटेंटस ऑफ इंडिया द्वारा जारी, यथा लागू, लेखाविधि के मानकों के अनुरूप हैं।

ठाकुर, वैद्यनाथ अय्यर एण्ड कं.
चोर्टिड अकांउटेंटस
एफआरएन : 000038N
(अनिल के ठाकुर)
साझेदार
मो नं. 088722

स्थान : नई दिल्ली

तिथि : 19–10–2022

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

31 मार्च 2022 को स्थिति के अनुसार तुलन पत्र

	सूची	31 मार्च 2022 को (रु)	31 मार्च 2021 को (रु)
निधि के स्त्रोत			
सम्पति निधि	1	2,452,127	2,596,097
नियत आरक्षित निधि	2	1,044,105	1,222,961
अक्षय परियोजना निधि	3	581,994	881,832
चालू देयताएं और प्रावधान	4	12,745,164	11,495,198
कुल अधिशेष/धाटा		1,521,653	535,637
कुल		**18,345,043**	**16,731,725**
निधि के उपयोग			
अचल संपतियां	5	2,452,127	2,596,097
निवेश	6	6,115,000	5,965,000
चालू संपतियां, उधार व अग्रिम	7		
– भंडार एवं जमा एवं प्राप्तिया		410,458	573,449
– नकद एवं बैंक शेष		9,002,806	7,298,809
स्त्रोत पर कटा वसूली टैक्स		364,652	298,370
कुल		**18,345,043**	**16,731,725**
महत्वपूर्ण लेखाकंन नीतियॉ तथा लेखन टिप्पणी	19		
सम्पूर्ण लेखा विवरण सूची संख्या 1 से 18 तक			

रिपोर्ट संलग्न
ठाकुर वैधनाथ अय्यर एण्ड क.
सनदी लेखाकार
एफआरएन नं – 000038एन

प्रशासनिक अधिकारी
(सुलेखा चकवर्ती)

निदेशक
(डा॰ के के चोपडा)

(अनिल के ठाकुर)
साझेदार
एम न. 088722

वित्तीय सलाहाकार
(श्री टी एस आहलूवालिया)

अध्यक्ष
(डा॰ अश्वनी खन्ना)

स्थानः नई दिल्ली
तिथिः 19.10.2022

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष की आय और व्यय लेखा का ब्यौरा

	सूची	वर्ष 2021–22 (रु)	वर्ष 2020–21 (रु)
आय			
रख रखाव अनुदान भारत सरकार से			
अनुदान – वेतन		49,500,000	44,200,000
अनुदान – साधारण		6,600,000	7,000,000
रख रखाव अनुदान भारतीय क्षयरोग संघ से		10,000	10,000
मरीजों से शुल्क	8	31,200	42,740
विविध प्राप्तियाँ			
– विविध प्राप्तियाँ		98,611	4,023
कुल		**56,239,811**	**51,256,763**
व्यय			
वेतन व अन्य कर्मचारी भत्ते	9	48,824,469	43,617,987
प्रशासनिक खर्चे	10	5,952,388	7,758,127
एक्सरे फिल्म, दवाईयों व औषधियों व प्रयोगशाला अभिरंजको पर खर्च	11	476,938	624,894
कुल		**55,253,795**	**52,001,008**
(घाटा)/अधिशेष वर्ष में		**986,016**	**(744,245)**
घटा/(जमा) : पिछले लेखानुसार शेष निधि		535,637	1,279,882
		1,521,653	**535,637**

महत्वपूर्ण लेखाकंन नीतियॉ तथा लेखन टिप्पणी — 19

सम्पूर्ण लेखा विवरण सूची संख्या 1 से 18 तक

रिपोर्ट संलग्न

ठाकुर वैधनाथ अय्यर एण्ड क.
सनदी लेखाकार
एफआरएन नं – 000038एन

प्रशासनिक अधिकारी
(सुलेखा चकवर्ती)

निदेशक
(डा॰ के के चोपडा)

(अनिल के ठाकुर)
साझेदार
एम न. 088722

वित्तीय सलाहाकार
(श्री टी एस आहलूवालिया)

अध्यक्ष
(डा॰ अश्वनी खन्ना)

स्थानः नई दिल्ली
तिथिः 19.10.2022

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष में प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

	सूची	वर्ष 2021–2022 के लिये (रु)	वर्ष 2020–2021 के लिये (रु)
प्राप्ति			
प्रारम्भिक रोकड व बैंक निधि	7	7,298,809	9,494,348
प्रारम्भिक निवेश (एफ डी आर)	6	5,965,000	4,250,000
अनुदान :			
– आवर्ती अनुदान भारत सरकार से			
– आवर्ती अनुदान वेतन		49,500,000	44,200,000
– आवर्ती अनुदान साधारण		6,600,000	7,000,000
– रखरखाव अनुदान भारतीय क्षयरोग संघ से		20,000	10,000
मरीजों से शुल्क	8	31,200	42,740
भारतीय क्षयरोग संघ से प्राप्ति	12	12,383,571	13,135,886
अन्य प्राप्तियां	13	1,467,421	665,604
कुल		**83,266,001**	**78,798,578**
भुगतान			
कर्मचारी खर्चे	14	47,496,369	42,785,754
प्रशासनिक खर्चे	15	6,288,088	8,165,470
एक्सरे फिल्म, दवाईयों व औषधियों व प्रयोगशाला अभिरजको पर खर्च	16	501,596	670,891
भारतीय क्षयरोग संघ निधि से भुगतान	17	12,383,571	13,135,886
अन्य भुगतान	18	1,478,571	776,768
निवेश खरीद	6	6,115,000	5,965,000
समापन रोकड व बैंक निधि	7	9,002,806	7,298,809
कुल		**83,266,001**	**78,798,578**

महत्वपूर्ण लेखाकंन नीतियॉ तथा लेखन टिप्पणी — 19

सम्पूर्ण लेखा विवरण सूची संख्या 1 से 18 तक

रिपोर्ट संलग्न

ठाकुर वैधनाथ अय्यर एण्ड क.
सनदी लेखाकार
एफआरएन नं – 000038एन

प्रशासनिक अधिकारी
(सुलेखा चकवर्ती)

निदेशक
(डा॰ के के चोपडा)

(अनिल के ठाकुर)
साझेदार
एम न. 088722

वित्तीय सलाहाकार
(श्री टी एस आहलूवालिया)

अध्यक्ष
(डा॰ अश्वनी खन्ना)

स्थानः नई दिल्ली
तिथिः 19.10.2022

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

सूची–1

सम्पति निधि		31–3–2022 को (रु)	31–3–2021 को (रु)
पिछले खाते के अनुसार शेष राशि		2,596,097	2,844,285
जमा – वर्ष में वृद्वियाँ सम्पति प्राप्ति के लिये अधिग्रहण (अनुसूची 5 में उल्लेख)		253,200	101,760
		2,849,297	2,946,045
घटाए			
वर्ष के दौरान निपटान		62,684	-
वर्ष के दौरान ह्यस (अनुसूची 5 में उल्लेख)		334,486	349,948
	कुल	**2,452,127**	**2,596,097**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

सूची–2	प्रयोग में न लाया गया शेष 1–4–21 को	वर्ष के दौरान प्राप्ति/ स्थानतंरण	ब्याज	कुल	वर्ष के दौरान उपयोग	उपयोग न किया गया शेष 31–3–22 को
	(रु)	(रु)	(रु)	(रु)	(रु)	(रु)
निर्धारित निधि						
सामान्य दान	462,482	-	50,145	512,627	211,000	301,627
						-
सभागह निधि	1,008	-	-	1,008	1,008	-
						-
दवाईयाँ	186,302	24,480	-	210,782	42,973	167,809
						-
कर्मचारी कल्याण निधि	85,479	-	2,500	87,979	1,000	86,979
						-
अनुसंधान निधि	487,690	-	-	487,690	-	487,690
						-
कुल	**1,222,961**	**24,480**	**52,645**	**1,300,086**	**255,981**	**1,044,105**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

	31–3–2022 को (रु)	31–3–2021 को (रु)
सूची–3		
अक्षय परियोजना शेष		
अक्षय परियोजना निधि – विराधी माइकोबैक्टीरियल दवाओं का प्रतिचित्रण	60000	145000
परियोजना एन टी एम रोग	521994	736832
	581,994	**881,832**

	31–3–2022 को (रु)	31–3–2021 को (रु)
सूची–4		
चालू देयताएं और प्रावधान		
वेतन व भत्ते	4,424,954	3,690,854
अन्य देयताए	36,829	31,913
विविध लेनदार	-	5,288
उपदान निधि में अंशदान के लिए प्रावधान	594,000	776,000
सुरक्षा जमा /बयाना राशि	199,604	249,444
आरएनटीसीपी के तहत प्रशिक्षण	51,072	58109
उपदान निधि	7,182,758	6345762
आवर्ती अनुदान सहायता पर ब्याज	255,947	337828
कुल	**12,745,164**	**11,495,198**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

सूची–5

स्थायी संपति

	1 अपैल 2021 को शेष (रु)	वर्ष के दौरान जमा (रु)	वर्ष के दौरान निकाली गई (रु)	31 मार्च 2022 को शेष (रु)	ह्रास वर्ष के दौरान	शुद्ध कूल संपत्तियाँ 31–3–22 को
भवन	145,240			145,240	14,524	130,716
विधुत सस्थांपन	470,066			470,066	47,007	423,059
फर्नीचर, फिटिंग	1,271,545	42,200	53,822	1,259,923	123,883	1,136,040
प्रयोगशाला उपकरण	125,478		8,759	116,719	17,508	99,211
एक्सरे उपकरण	113,275			113,275	16,991	96,284
अन्य उपकरण	8,808			8,808	1,321	7,487
कम्प्यूटर	2,122	211,000	103	213,019	43,008	170,011
किताबें	5,241	-		5,241	2,096	3,145
वाहन	454,322			454,322	68,148	386,174
कुल	**2,596,097**	**253,200**	**62,684**	**2,786,613**	**334,486**	**2,452,127**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

निवेश

	31–3–2022 को (रु)	31–3–2021 को (रु)
सूची–6		
स्थायी जमा (उपदान)	6,115,000	5,965,000
कुल	**6,115,000**	**5,965,000**

चालू परिसम्पतियॉ

	31–3–2022 को (रु)	31–3–2021 को (रु)
सूची–7		
(अ)चालू परिसम्पतियॉ उधार एंव अग्रिम भण्डार में		
टीएआई से प्राप्त होने वाला दान	-	10,000
एफडीआर (उपदान निधि) पर अर्जित ब्याज	158,151	336,840
लागत मूल्य पर		
(प्रबंधन द्वारा मूल्यांकित और प्रमाणित)		
एक्सरें फिल्में और रसायन	23,282	51,552
प्रयोगशाला रंजक, रसायन और कॉंच के बरतन	225,485	175,057
एनएबीएल प्रन्यायन शुल्क	3,540	
उप कुल–ए	**410,458**	**573,449**
(ब)नकदी एवं बैंक जमा राशि		
हाथ रोकड	-	-
(प्रबंधन द्वारा मूल्यांकित और प्रमाणित)		
बैंक आफ इडिंया चालू खाता	6,622,435	5,351,650
बैंक आफ इडिंया (उपदान निधि खाता)	844,453	13,883
बचत खाता में	-	-
बैंक आफ इडिंया –नियत दान खाता	1,448,939	1,847,797
बैंक आफ इडिंया – कर्मचारी कल्याण निधि	86,979	85,479
उप कुल–बी	**9,002,806**	**7,298,809**
सकल कुल–ए व बी	**9,413,264**	**7,872,258**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

सूची–8

मरीजों से अग्रिम शुल्क

	शुल्क 2021–22 वर्ष के लिए	शुल्क 2020–21 वर्ष के लिए
प्रयोगशाला प्रभार	31,200	39,800
एक्सरे प्रभार	-	2,940
कुल	**31,200**	**42,740**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

सूची–9

वेतन व अन्य कर्मचारी खर्चे

	वर्ष 2021–2022 के लिये (रु)	वर्ष 2020–2021 के लिये (रु)
वेतन	26,573,667	25,638,396
मंहगाई भत्ता	7,318,842	4,279,737
मकान किराया भत्ता	6,526,456	5,793,130
यातायात भत्ता	2,198,877	1,973,241
अन्य भत्ते	1,661,075	1,623,259
बाल शिक्षा भत्ता	405,000	416,786
भविष्य निधि में अंशदान	3,325,156	2,945,481
उपदान निधि में अंशदान	594,000	776,000
बोनस	177,867	170,107
यात्रा रियायती भत्ता	43,529	1,850
कुल	**48,824,469**	**43,617,987**

सूची–10

प्रशासनिक व्यय

	वर्ष 2021–2022 के लिये (रु)	वर्ष 2020–2021 के लिये (रु)
हाउसकीपिंग शुल्क/ संविदा कर्मचारियों को मजदूरी	1,496,764	1,431,245
संविदा कर्मचारियों को वेतन	1,089,919	783,149
सुरक्षा शुल्क	1,225,995	1,180,883
कर्मचारियों को चिकित्सा सहायता	293,477	280,436
यात्रा खर्च व किराया	13,527	7,010
फर्नीचर फिटिंग और उपकरणों की मरम्मत	229,935	150,095
प्रयोगशाला उपकरणों की मरम्मत	203,145	159,214
टेलीफोन खर्चे	108,126	120,719
म्रुदण और लेखन सामग्री	163,879	136,090
डाक खर्चे	3,969	9,572
धुलाई खर्च	4,459	3,238
कार रख–रखाव	40,522	35,046
लेखा परीक्षा शुल्क	29,500	24,780
विभिन्न खर्चे	188,223	187,691
लोक निर्माण विभाग को रख रखाव हेतु–भवन	673,404	2,170,612
लोक निर्माण विभाग को रख रखाव हेतु–विघुत	45,523	316,527
वार्षिक दिवस खर्चे	98,088	10,000
फर्नीचर – बडी मरम्मत	42,200	101,760
विजापन	-	25,709
भारत सरकार को ब्याज	-	624,351
कपडे एवं बिस्तर	1,733	-
कुल	**5,952,388**	**7,758,127**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

सूची–11

एक्सरे फिल्में, दवाईयां, औषधियाँ और प्रयोगशाला अभिरंजक

		वर्ष 2021–2022 के लिये (रु)	वर्ष 2020–2021 के लिये (रु)
दवाईयां और औषधियाँ			
अधशेष भंडार 1–4–2021 को	.		
जोडे – वर्ष में खरीदी गई	-		
	39,984		
घटाए – इतिशेष भण्डार			
	-		
एक्सरे फिल्में व रसायन		39,984	31,154
अधशेष भंडार 1–4–2021 को			
जोडे – वर्ष में खरीदी गई	51,552		
	56,461		
घटाए – इतिशेष भण्डार	108,013		
	23,282		
प्रयोगशाला अभिरंजक, रसायन और काँच के बर्तन		84,731	41,686
अधशेष भंडार 1–4–2021 को			
जोडे – वर्ष में खरीदी गई	175,057		
	402,651		
घटाए – इतिशेष भण्डार	577,708		
	225,485	352,223	552,054
उपयोग समान कुल		**476,938**	**624,894**

–

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

सूची–12

प्राप्तियॉ टी ए आई निधि से

	वर्ष 2021–2022 के लिये (रु)	वर्ष 2020–2021 के लिये (रु)
भविष्य निधि अग्रिम	8,550,000	1,115,000
उपदान निधि के लिए भुगतान	768,826	772,540
भविष्य निधि के लिये भुगतान	3,064,745	11,248,346
कुल	**12,383,571**	**13,135,886**

सूची–13

अन्य प्राप्तियॉ

दवाईयों के लिए दान	24,480	12,240
कर्मचारी कल्याण निधि	2,500	2,580
परिवर्तनशील स्थायी जमा पर ब्याज	229,853	311,484
बचत जमा खाते पर ब्याज (नियत आरक्षित निधि)	45,721	60,894
विविध प्राप्तियॉ	98,611	4,020
बयाना	10,700	75,100
सुरक्षा जमा	197,600	56,706
आरएनटीसीपी के तहत प्रशिक्षण	200,600	3,600
अक्षय परियोजना निधि – विराधी माइकोबैक्टीरियल दवाओं का प्रतिचित्रण	135,000	-
अक्षय परियोजना निधि – परामर्श का प्रभाव	-	126,000
परियोजना एन टी एम रोग	-	-
एनएबीएल निगरानी शुल्क	22,066	12,980
अर्जित ब्याज भुनाया गया	500,290	-
कुल	**1,467,421**	**665,604**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

सूची–14

कर्मचारी खर्चे

	वर्ष 2021–2022 के लिये (रु)	वर्ष 2020–2021 के लिये (रु)
वेतन	26,491,438	25,631,928
मंहगाई भत्ता	6,823,208	4,269,937
मकान किराया भत्ता	6,460,600	5,778,682
यातायात भत्ता	2,170,695	1,969,029
अन्य भत्ते	1,665,203	1,619,075
बाल शिक्षा भत्ता	405,000	416,786
भविष्य निधि में अंशदान	3,266,589	2,938,733
उपदान निधि में अंशदान	-	-
बोनस	170,107	159,734
यात्रा रियायती भत्ता	43,529	1,850
कुल	**47,496,369**	**42,785,754**

सूची–15

प्रशासनिक खर्चे

संविदा कर्मचारियों को मजदूरी	1,496,764	1,547,095
संविदा कर्मचारियों को वेतन	1,089,919	783,149
सतर्कता शुल्क	1,225,995	1,277,656
कर्मचारियों को चिकित्सा सहायता	293,477	280,436
यात्रा खर्च व किराया	13,527	7,010
फर्नीचर फिटिंग और उपकरणों की मरम्मत	229,935	150,095
प्रयोगशाला उपकरणों की मरम्मत	203,145	159,214
टेलीफोन खर्चे	107,930	122,169
म्रुदण और लेखन सामग्री	163,879	136,090
डाक खर्चे	3,969	9,572
धुलाई खर्च	4,459	3,238
कार रख–रखाव	43,310	32,258
लेखा परीक्षा शुल्क	24,780	24,780
विभिन्न खर्चे	188,223	187,691
लोक निर्माण विभाग को रख रखाव हेतु–भवन	673,404	2,170,612
लोक निर्माण विभाग को रख रखाव हेतु–विघुत	45,523	316,527
वार्षिक दिवस खर्चे	98,088	10,000
विजापन	-	25,709
फर्नीचर	42,200	297,818
भारत सरकार को ब्याज	337,828	624,351
कपडे एवं बिस्तर	1,733	-
कुल	**6,288,088**	**8,165,470**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

सूची–16

एक्सरे फिल्में, दवाईयां, औषधियाँ और प्रयोगशाला अभिरंजक

	वर्ष 2021–2022 के लिये (रु)	वर्ष 2020–2021 के लिये (रु)
एक्सरे फिल्में व रसायन	56,461	61,981
दवाईयां और औषधियाँ	39,984	31,154
प्रयोगशाला अभिरंजक और रसायन	405,151	577,756
कुल	**501,596**	**670,891**

सूची–17

भुगतान टी ए आई निधि से

भविष्य निधि अग्रिम	8,550,000	1,115,000
उपदान निधि के लिए भुगतान	768,826	772,540
भविष्य निधि के लिये भुगतान	3,064,745	11,248,346
कुल	**12,383,571**	**13,135,886**

सूची–18

अन्य भुगतान

उपदान खाते का निपटान	296,369	123,680
अग्रिम धन	-	8,962
कर्मचारी कल्याण निधि	1,000	1,000
दवाईयों के लिये दान	42,973	17,560
साधारण दान	211,000	-
अनूसंधान निधि	-	-
सभागार निधि	1,008	-
सुरक्षा जमा	258,140	31,093
अक्षय परियोजना निधि – जेल में क्षयरोग की द्रेखभाल के लिये	-	119,064
आरएनटीसीपी के तहत प्रशिक्षण	207,637	44,065
अक्षय परियोजना निधि – सक्रियतापूर्वक क्षयरोग की पहचान अभियान	-	94,413
अक्षय परियोजना निधि – विराधी माइकोबैक्टीरियल दवाओं का प्रतिचित्रण	220,000	80,000
अक्षय परियोजना निधि – परामर्श का प्रभाव	-	195,383
परियोजना एन टी एम रोग	214,838	24,968
एनएबीएल निगरानी शुल्क	25,606	36,580
कुल	**1,478,571**	**776,768**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

अनुबंध (31 मार्च 2022 को अंत हुए वर्ष का)

		अनुदान – वेतन	अनुदान – साधारण
		(रु)	(रु)
आय			
प्रारम्भिक अधिशेष / घाटा (1–4–2021)		749,139	(213,502)
भारत सरकार से अनुदान		49,500,000	6,600,000
रख रखाव अनुदान भारतीय क्षयरोग संघ से		-	10,000
मरीजों से शुल्क		-	31,200
विविध प्राप्तियाँ		-	98,611
	कुल	**50,249,139**	**6,526,309**
व्यय			
वेतन व अन्य कर्मचारी भत्ते		48,824,469	-
प्रशासनिक खर्चे		-	5,952,388
एक्सरे फिल्म, दवाईयों व औषधियों व प्रयोगशाला अभिरंजको पर खर्च		-	476,938
	कुल	**48,824,469**	**6,429,326**
अधिशेष / घाटा		**1,424,670**	**96,983**
31–3–2022 को कुल अधिशेष / घाटा			**1,521,653**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र, नई दिल्ली

सूची–19

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियॉ तथा लेखाओं की टिप्पणी

अ) महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियॉ

1 लेखांकन का आधार

यह वित्तिय विवरण एकरुपता एवं सरोकार को ध्यान में रखते हुए देयता (सिवाय विशेष रुप से छोडकर जो कहा गया है) एवं ऐतिहासिक लागत कन्वेंशन के तहत एवं समान्य रुप से लेखाकंन मान्यताओं जो भारत में है उनके के आधार पर तैयार की गयी है।

2 अनुमान के उपयोग

भारत में जीएएपी के आधार पर वित्तीय विवरणों की तैयारी का अनुमान है और मान्यताओं को बनाने के लिये प्रबंधन की आवष्यकता है जहां पर जरुरी है एवं जो संपति और देनदारियों और वित्तिय बयान की तारीख के रुप में आकस्मिक देनदारियों की सूचना राशि और वर्ष के दौरान राजस्व और व्यय की राशि को प्रभावित करता है। वास्तविक परिणाम अनुमानित से भिन्न हो सकते है। इस तरह के अनुमान को किसी भी वर्ष में मान्यता प्राप्त है।

3 राजस्व मान्यता

आय एवं व्यय का ब्यौरा सिवाय छुटटी नकदीकरण के उपचय के आधार पर किया गया है।

4 स्थाई सम्पति एवं मूल्यह्रास

क) स्थाई सम्पति लागत मूल्य पर दिखाई गई है व दान के रुप में प्राप्त संपति, दान की तारीख के समय व्याप्त अनुमानित बाजार मूल्य पर दिखायी गयी हैं ।

ख) केन्द्र ने वित्तीय वर्ष 2011–12 से अपनी अचल संपतियों पर मूल्यह्रास, आयकर अधिनियम 1961 के तहत निर्धारित दर के आधार पर लगाना शुरु कर दिया है।

ग) इसके अलावा मूल्यह्रास को संबधित फिक्सड परिसंपतियो को सम्पति निधि में डेबित करके दर्शाया गया है।

घ) पूंजीगत मदो मे पाचं हजार तक कि वस्तुओं के क्रय को नही दिखाया गया है।

ड) परिसंपति निधि को आय और व्यय खाते एवं परियोजना निधि को वर्ष के दौरान हासिल की गई स्थायी परिसंपतियों के साथ आकंलित किया गया है।

5 स्टॉक

प्रयोगषाला अभिरंजक व एक्सरे फिल्में तथा रसायन को पहले आये और पहले गये नियम के आधार पर खरीद मूल्य पर दिखाया गया है (सूची संख्या 4 के संदर्भ में)।

6 उपदान निधि

उपदान निधि में प्रावाधान अनौपचारिक आधार पर किये जा रहे है (भारतीय क्षयरोग संघ के नियमों के अनुसार) एवं उपरोक्त निधि भारतीय क्षयरोग संघ द्वारा संभाली जा रही है। हालांकि वितीय वर्ष 2019–20 से ये निधि केन्द्र द्वारा संभाली जा रही है। 1 अप्रैल 2019 को उक्त निधि का संचित अधिषेश भारतीय क्षयरोग संघ के पास है जो केन्द्र को अभी प्राप्त होना है।

7 भविष्य निधि

भारतीय क्षयरोग संघ के भविष्य निधि नियमों के अनुसार, केन्द्र के कर्मचारियों के भविष्य निधि के खाते भारतीय क्षयरोग संघ के पास रखे जाते है।

8 ब्याज से आय

विशेष कोष के निवेश पर प्राप्त ब्याज आय एवं व्यय लेखे की बजाय विशेष कोष में सीधे जमा की गई हैं।

ब) <u>लेखा टिप्पणी</u>

1 बिजली और पानी का खर्चा आय और व्यय खाते में नहीं दर्शाया गया है क्योंकि बिजली व पानी की सप्लाई लोकनायक अस्पताल से होती है जिसके लिये मई 2018 में कोई मांग नहीं की गयी है।

2 31 मार्च 2022 तक टीडीएस वसूली योग्य रु 364652/– है जिसके लिये प्रबंधन कर विभाग से वसूलने का प्रयास कर रहा है।

3 भूमि जिस पर इमारतें स्थित हैं उसका कोई अधिकार पत्र उपलब्ध नहीं है।

4 स्टाक की लागत/ मूल्याकंन प्रबंधन द्वारा मूल्यांकित एवं सत्यापित।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र के अनुसार फाइल नं. डब्ल्यू.११०३४/०२/२०२०-सीसीडी दिनांक २८ जनवरी २०२१ और जीएफआर के अनुसार, सरकार से अनुदान पर प्राप्त ब्याज वापस किया जाना चाहिए और अनुदान के किसी भी अप्रयुक्त शेष को भविष्य के अनुदानों के साथ समायोजित नहीं किया जाना चाहिए। अनुदानों पर पुराने ब्याज की वापसी के लिए केंद्र को उपर्युक्त पत्र प्राप्त हुआ है। केंद्र ने आय और व्यय खाते को डेबिट करके वर्ष के दौरान पुराना ब्याज वापस कर दिया है और तदनुसार वर्ष के लिए ब्याज को आय और व्यय खातों में जमा करने के बजाय वर्तमान देनदारियों में जमा किया गया है।

6 पिछले वर्ष के आंकड़ो को आवयकतानुसार पुनः समूहित किया गया है।

प्रशासनिक अधिकारी (सुलेखा चक्रवर्ती)	निदेशक (डा॰ के के चोपडा)
वित्तीय सलाहाकार (श्री टी एस आहलूवालिया)	अध्यक्ष (डा॰ अश्वनी खन्ना)

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 19–10–2021